ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • रांची • वैशाख शुक्ल पक्ष 04 • विक्रम संवत 2080 • सोमवार, 24 अप्रैल 2023 • वर्ष-24 • अंक- 81 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

मनोज बाजपेयी ने अपने जन्मदिन पर की ... पेज 12 पर

जब मिले चांद और शुक्र देखती रह गई दुनिया...

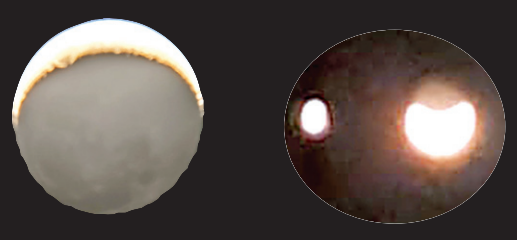

रविवार की शाम चमकते खगोलीय पिंडों की जोड़ी ने सबका मन मोह लिया। शुक्लर पक्ष तीज का हंसियाकार चंद्रमा और चमकता शुक्र ग्रह, एक-दूसरे से मेल-मुलाकात करते नजर आये। विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि मून और वीनस के बीच 1 डिग्री से कुछ अधिक का ही अंतर दिख रहा था। सूर्यास्ते के बाद जैसेझझजैसे आकाश की लालिमा कम होती गई, इस जोड़ी की चमक बढ़ती दिखने लगी। ये दोनों वृषभ तारामंडल के सामने थे। आज अर्थशाईन की खगोलीय घटना दिखाई दी जिसमें चंद्रमा हंसियाकार होते हुये भी पूरे गोलाकार दिखने का आभास करा रहा था। *(फोटो क्रेडिटः सारिका घारू)*

जमीन कब्जाने के लिए सीनियर अफसर एक साथ लेते थे छुट्टी

बाबूलाल मरांडी बोलेः विस्तार से मामला समझने के बाद आए चौंकाने वाले तथ्य, सत्ता संरक्षण में जमीन कब्जे का आरोप

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने रांची जमीन घोटाले को लेकर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। रविवार को बाबूलाल मरांडी ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि हेमंत राज में रांची में हुए जमीन महाघोटाले के बारे में कई लोगों से बातचीत कर हमने इस गोरखधंधे के बारे में विस्तार से समझने का प्रयास किया है। इस दौरान इस बात का खुलासा हुआ है कि दो तत्कालीन सीनियर पदाधिकारी अवकाश लेकर एक साथ जमीन कब्जे को अंजाम दिलवाते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता के संरक्षण में दलालों, कुछ धन लोभी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने मिलकर भ्रष्टाचार का ऐसा काम किया है जिसकी गूंज लम्बे समय तक सुनायी देगी। इसकी जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी वैसे-वैसे कई बड़े सरकारी-गैर सरकारी लुटेरे लाईन लगाकर जेल जाते देखे जायेंगे।

क्या है बाबूलाल का दावा

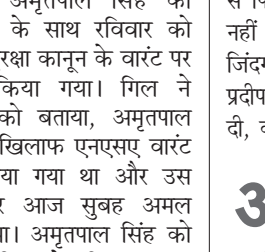

बाबूलाल मरांडी ने दावा किया कि लोग बताते हैं कि हेमंत सरकार बनने के चंद महीने बाद ही कोविड लॉकडाउन लग गया। सरकारी-गैर सरकारी कामकाज, रोजगार ठप्प पड़ गये। इसी दौरान बेईमानों ने इस अवधि में इजी मनी मेकिंग का सबसे आसान रास्ता जमीन की हेराफेरी को बनाया। रांची में इस गोरखधंधे को अच्छे से चलाने के लिये सर्टिफाइड भ्रष्ट अफसर की प्रेम से खोज हुई। कोडरमा में सरकारी गाछ तक कटवा कर बेच खाने के मामले में हाईकोर्ट से जमानत प्राप्त चार्जशीटेड आईएएस छवि रंजन को इस काम के लिये सही आदमी समझ कर लाया गया। तुम मन माफिक धंधा चलाओ-बदले में गाछ काटने के केस से बचाने में मदद लो कि इस तर्ज.पर जमीन लूट योजना का नियंत्रण ओर डायरेक्शन सत्ता के मशहूर उस दलाल ने संभाला, जो अभी जेल में बंद है। पहला शिकार मेडिका अस्पताल के बगल वाली जमीन को बनाया गया। भारी संख्या में पुलिस के बल पर जमीन कब्जा करवाया गया। बाबूलाल ने कहा कि मुझे यह भी बताया जा रहा है कि इस गोरखधंधे को अंजाम देने के लिये दो सीनियर अफसरों ने तो उस दिन छुट्टी लेकर जमीन कब्जाने का नियंत्रण किया ताकि हंगामा हो, लोग पूछताछ करे तो बता सकें कि वे तो छुट्टी पर हैं, कुछ पता ही नहीं है। इस जमीन कब्जाने की योजना की सफलता से इन बेईमानों का मनोबल इतना बढ़ गया कि इन लोगों ने कागजातों में हेराफेरी कर जमीन कब्जाने के धंधे को मोटी कमाई का जरिया ही बना लिया।

जमीन कब्जाने के लिए पुलिस ने किया आतंक का राज कायम

बाबूलाल का आरोप है कि रात में पुलिस लाईन से बसों में ठूंस कर ले जाये गये फोर्स के साथ जमीन कब्जाने में आतंक का राज कायम कर दिया। बजरा की जमीन भी इनके निशाने पर रहा। 75 सालों की लगान रसीद एक दिन में काटकर भारी संख्या में पुलिस के दम पर दिन-रात जमीन कब्जा कराने का ऐसा काम हुआ जिसकी दूसरी मिसाल नहीं मिल सकती। हाईकोर्ट ने ज़िला प्रशासन के अंधा कानून की इस कारवाई को अभी रद कर दिया है। जमीन के विवाद में जांच या कब्जा के लिये रात में पुलिस को भेजने का नियम नहीं है। लेकिन कई ऐसे वीडियो हमें देखने को मिला है जिसमें रात में पुलिस लाइन से बसों में भरकर पंहुचे फोर्स और अफसर आतंक कायम करने के लिये गेट तोडकर कई जगहों पर घुसने का प्रयास करते देखे जा सकते हैं। पीड़ित पक्ष अगर फरियाद लेकर किसी जनप्रतिनिधि के माध्यम से सीनियर अफसरों से सम्पर्क करना चाहें तो, रात का बहाना बना कर कोई अफसर मिले ही नहीं। और दिन के उजाले से पहले गोरखधंधा हो जाय। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को बताना चाहिए कि ये सब काम किसके आदेश पर किसके सह पर होता था? क्या ये संभव है कि बिना मुख्यमंत्री की जानकारी के राज्य की राजधानी में इतना बड़ा गोरखधंधा हो जाय?

अमृतपाल गिरफ्तार डिब्रूगढ़ जेल में शिफ्ट

एजेंसी। मोगा/डिब्रूगढ़

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने पंजाब पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। उसे गिरफ्तार कर डिब्रूगढ़ जेल में शिफ्ट किया गया है। वह कई दिनों से फरार चल रहा था। 37 दिन बाद खालिस्तानी समर्थक नेता ने पंजाब की मोगा पुलिस के सामने रविवार को सरेंडर किया। उस पर हत्या समेत कई केस दर्ज हैं और एनएसए भी लगा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहाः पंजाब पुलिस ने अमृतपाल को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर रासुका लगा हुआ है। पुलिस ने 18 मार्च को अमृतपाल सिंह तथा उसके संगठन वारिस पंजाब दे के सदस्यों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की थी, जिसके बाद से वह फरार था। असम के डिब्रूगढ़ में देश की तमाम सुरक्षा एजेंसियां बारी-बारी से अब अमृतपाल से पूछताछ करेंगी।

पंजाब पुलिस के आईजी सुखचैन सिंह गिल ने कहा कि अमृतपाल के खिलाफ एनएसए के तहत वारंट जारी हुए थे, जिसके बाद उसकी गिरफ़्तारी एनएसए के तहत की गई है। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

गिरफ्तारी के साथ एनएसए वारंट पर किया गया अमल : पुलिस

पंजाब पुलिस के पुलिस महानिरीक्षक सुखचैन सिंह गिल ने कहा है कि खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के साथ रविवार को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के वारंट पर अमल किया गया। गिल ने मीडिया को बताया, अमृतपाल सिंह के खिलाफ एनएसए वारंट जारी किया गया था और उस वारंट पर आज सुबह अमल किया गया। अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस ने रविवार सुबह करीब 6:45 बजे गांव रोडे से गिरफ्तार किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पुलिस के पास अमृतपाल सिंह के रोडे गांव में मौजूद होने की खुफिया जानकारी थी, जिसके बाद एक संयुक्त अभियान चलाया गया। गिल ने कहा, हमारे पास स्पेशल इनपुट थे कि अमृतपाल सिंह रोडे गांव में मौजूद था। उसे घेर लिया गया, जिसके चलते उसके पास भागने का कोई मौका नहीं था। गिल ने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि उसे गिरफ्तार किया गया है। उसने आत्मसमर्पण नहीं किया है।

36 दिनों से फरार था अमृतपाल

अमृतपाल कई दिनों से फरार था। इसलिए उसकी तलाश में सर्च अभियान चल रहा था। अमृतपाल को पकड़ने के लिए पुलिस ने आम जनता से भी सहयोग मांगा था। पुलिस की तरफ से कहा गया था कि अमृतपाल सिंह की सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा और उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

विदेश से फंडिंग मिलने का शक

अमृतपाल के लिंक आईएसआई के साथ जुड़े होने के प्रारंभिक संकेत मिलने के बाद केंद्र सरकार भी सतर्क हो गई थी। अमृतपाल को विदेश से फंडिंग मिलने का शक है। उसके महंगी गाड़ियों में सफर करने को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि अमृतपाल सिंह अपनी जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के जरिए पाकिस्तान से हथियार मंगवा रहा है और पंजाब को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की कोशिश कर रहा है।

एजेंसी के हवाले से अमृतपाल के बारे में मिली थी जानकारी

खुफिया एजेंसियों के हवाले से जानकारी मिली है कि अमृतपाल सिंह 25 सितंबर 2022 से हिंदुस्तान में मौजूद है। साल 2012 में दुबई गया था और वहा संधू कार्गो कंपनी जो उसके पिता तरसेम चलाते थे, उसमें काम करता था। वह एकदम कट्टरपंथी विचारधारा वाला शख्स है और भिंडरावाले के ऑडियो कैसेट सुनने का शौक रखता है। जब तक ये दुबई में रहा इसने हमेशा बाल छोटे रखे और न पगड़ी बांधी।

पत्नी से पूछताछ पर दबाव में आया अमृतपाल!

अमृतपाल शनिवार देर रात ही गांव रोडे पहुंच गया था और सुबह गुरुद्वारा साहिब में संगत को संबोधित करने के बाद उसने पुलिस को गिरफ्तारी दी। 36 दिन बाद अमृतपाल के पुलिस के हत्थे चढ़ा लेकिन इसकी पटकथा पहले ही तैयार हो गई थी। गुरुवार को अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणदीप कौर को सुरक्षा एजेंसियों ने विदेश जाने से रोक दिया था। वह लंदन की फ्लाइट पकड़ने के लिए सुबह 11:40 बजे श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट राजासांसी (अमृतसर एयरपोर्ट) पहुंची थीं। फ्लाइट ढाई बजे रवाना होनी थी, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों को जैसे ही भनक लगी कि किरणदीप बाहर जाने वाली हैं, तत्काल उन्हें एयरपोर्ट पर ही रोक लिया गया। किरणदीप के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी होने के कारण उन्हें यात्रा की अनुमति नहीं दी गई।

दीपक सिंह की प्रदीप तिवारी को दो टूक

पलामू छोड़ दो, नहीं तो परिवार का नामोनिशान मिटा देंगे

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

टनटन उपाध्याय हत्याकांड की कुख्यात अपराधी सरगना सुजीत सिन्हा ने निंदा की है। सुधीर ने टनटन को अपने गैंग का साथी मानने से इनकार किया है। व्हाट्सएप पर आए मैसेज के माध्यम से सुजीत सिन्हा गिरोह से जुड़े दीपक सिंह ने कहा है कि 21 अप्रैल 23 को पलामू में हुए टनटन उपाध्याय की हत्या की हम निंदा करते हैं। टनटन का हमारे गैंग से पिछले 5 सालों से कोई सम्बंध नहीं था। वह मुख्यधारा में जुड़ कर जिंदगी जी रहा था। उसकी हत्या प्रदीप तिवारी ने सिर्फ इसलिए कर दी, क्योंकि उसे शक था कि साल

2021 में प्रदीप के घर पर हुई बमबाजी में टनटन का भी हाथ था, जबकि इस घटना में टनटन उपाध्याय का दूर दूर तक हाथ नहीं था। दीपक सिंह ने कहा कि सुजीत सिन्हा ने पलामू के कुछ बुद्धिजीवियों, सामाजिक लोगों, जनप्रतिनिधियों और अपने अभिभावक स्वरुप लोगों के अनुरोध पर जिले के अमन चैन के लिए अपने गैंग की गतिविधियां लगभग समाप्त कर दी थी, पर इस तरह की घटना ने गैंग को फिर से सोचने पर विवश कर दिया। दीपक सिंह ने आगे लिखा है कि पलामू पुलिस से मेरा आग्रह है कि इस घटना में शामिल हर अपराधी पर एक्शन करे। मैं प्रदीप तिवारी के परिवार के लोगों को अगले एक महीना का समय देता हूं कि पलामू छोड़ दो वरना पलामू के नक्शे से उन्हें प्रदीप तिवारी और उससे जुड़े हरेक आदमी का इतिहास मिटा दूँगा। इसके साथ ही प्रदीप तिवारी को फंडिंग कर रहे पलामू में जमीन कारोबार कर रहे उसके बड़े भाई के साथ किसी भी तरह की जमीन खरीद या बिक्री कर रहे जमीन मालिकों को भी चेतावनी है कि उनके साथ आज की तारीख से किसी प्रकार का कोई लेन-देन ना करें। गौरतलब है कि 21 अप्रैल की सुबह मेदनीनगर सदर थाना क्षेत्र के बजरहा में रेलवे ट्रैक से टनटन उपाध्याय का शव बरामद किया गया था। उसका धड़ रेलवे लाइन पर पड़ा हुआ था, जबकि सिर पटरी से नीचे लुढ़का हुआ था। इस संबंध में टनटन उपाध्याय के पिता पप्पू उपाध्याय अज्ञात अपराधियों के खिलाफ सदर थाना में मामला दर्ज कराया है।

आगजनी मामले में तीन पीएलएफआई गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा

सिमडेगा के कोलेबिरा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 16 अप्रैल को सड़क निर्माण कार्य मे लगे पोकलेन को आंग के हवाले करने मामले में 3 पीएलएफआई उग्रवादियों को गिरफ्तार करने ने सफलता हासिल की है। इस सम्बंध में रविवार को एसपी सौरभ ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए बताया कि कोलेबिरा थानान्तर्गत पीएलएफआई के विकास टाईगर के द्वारा विकास कार्य में लगे पोकलेन पर आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया था। घटनास्थल पर उग्रवादियों द्वारा एक पर्चा भी छोड़ा गया था। इस संदर्भ में कोलेबिरा थाना में विकास टाईगर एवं उसके अन्य सहयोगियों के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया। घटना के सम्बंध में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीएलएफआई के विकास टाईगर उर्फ श्याम टाईगर उर्फ नितीश गोप एवं उसके अन्य दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पीएलएफआई के अशोक गोप के आदेश पर घटना को अंजाम देने एवं इस कांड में अपनी संलिप्ता स्वीकार करने ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

कुश्ती संघ-पहलवानों के बीच फिर से दंगल

3 महीने बीत गए, एक प्राथमिकी तक दर्ज नहीं हुई

कमेटी ने क्या किया, नहीं किया, हमें कुछ भी पता नहीं

जब तक न्याय नहीं मिल जाता, जंतर-मंतर पर ही रहेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

कुश्ती संघ और पहलवानों के बीच एक बार फिर ठन गई है। ढाई महीने पहले पहलवानों (बजरंग पूनिया, विनेश फौगाट और साक्षी मलिक) ने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ब्रजभूषण पर संगीन आरोप लगाए थे। रविवार को एक बार फिर पहलवानों ने अपने उन्हीं आरोपों को दोहराया है। इसके साथ ही जंतर-मंतर से धरने का ऐलान भी किया है। शाम चार बजे हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में विनेश फोगाट, साक्षी और बजरंग पूनिया के

साथ बैठे पहलवानों ने कुश्ती फेडरेशन के खिलाफ हुंकार भरी और ऐलान किया कि जब तक न्याय नहीं मिल जाता, वह जंतर-मंतर पर ही रहेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि सात पहलवान लड़कियों ने शिकायत दी है, लेकिन उनकी शिकायत पर प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की जा रही है। पुलिस अधिकारी सोमवार को बात करने को कह रहे हैं और लगातार इस मामले में देरी कर रहे हैं। यह इतना सेंसेटिव केस है लेकिन इसमें भी देरी हो रही है। कारण समझ से परे है। पहले लगाए गए आरोपों की जांच के लिए, कमेटी बैठाई गई थी, लेकिन कमेटी ने क्या जांच की और उस जांच में क्या निष्कर्ष निकला, ये अभी सामने नहीं आया है।

चार बिहारियों ने घेर रखा है हेमंत सोरेन को

कैसे होगा आदिवासी-मूलवासी का विकास : लोबिन हेंब्रम

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा है कि हेमंत सोरेन को चार बिहारियों ने घर कर रखा है। जब वह बिहारियों से घिरे हुए हैं तो झारखंड के मूलवासियों-आदिवासियों के लिए काम करने का मौका मिलेगा कैसे। वह खतियान-जमीन बचाओ महाजुटान के मौके पर अपनी बात रख रहे थे।

लगातार अपने बयानों से सरकार को असहज करने वाले लोबिन यहीं नहीं रूके। उन्होंने कहाः राज्य में जल-जंगल, जमीन बचाने का नारा देने वाली अपनी ही सरकार है। इसके बाद भी आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है। अगर अपनी सरकार के खिलाफ लड़ना पड़ा, तो लड़ेंगे, मगर हर हाल में

लोगों की जमीन वापस कराएंगे। हमारी सरकार अपने किए गए वादों से मुकर रही है। अब माटी मांगे खून उलगुलान होगा। चार बिहारी हेमंत सोरेन को घेरे रखे हैं। झारखंड के आदिवासी मूलवासी कहां जाएंगे। भविष्य में भी आदिवासी दिखेंगे या नहीं दिखेंगे, अब इस पर सवाल उठने लगा है। लोबिन ने कहाः सीएनटी के रहते जमीन लूटी जा रही है। झारखंड बने 23 साल ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

छवि रंजन से ईडी आज करेगी पूछताछ

रांची। सेना की जमीन घोटाले मामले में सोमवार को ईडी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन से पूछताछ करेगी। इससे पहले आईएएस छवि रंजन को ईडी ने समन भेजकर 21 अप्रैल को ईडी ऑफिस में पेश होने को कहा था। हालांकि वो ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए थे। इससे पहले ईडी ने छवि रंजन को दो सप्ताह का समय देने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी और इसके बजाय ईडी ने उन्हें शुक्रवार शाम चार बजे पेश होने का निर्देश दिया था। हालांकि छवि रंजन इस समय सीमा का भी पालन करने में विफल रहे थे। सूत्रों का कहना है कि इस बार अगर छवि रंजन पूछताछ के लिए नहीं आते हैं, तो उनकी परेशानी बढ़ सकती है।

कार्यक्रम

पीएम मोदी 30 को शुरू करेंगे मेगा चुनाव प्रचार इवेंट अभियान

10 करोड़ लोग सुनेंगे 'मन की बात'

3 लाख गांवों में 10 करोड़ लोगों को 'मन की बात' सुनाने की है योजना

कृष्णमोहन सिंह। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी के 'मन की बात' का रेडियो पर मासिक प्रसारण का 100 वां एपिसोड 30 अप्रैल 2023 को प्रसारित होगा। मोदी के मन की बात के इस एक सौवें एपिसोड को अगले माह 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव, उप्र नगर निकाय चुनाव सहित एक साल बाद होने वाले लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के लिए अभी से मेगा प्रचार इवेंट के शुरू होने के तौर पर देखा जा रहा है। जिसके लिए देश भर के भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, विधायकों, सांसदों को जिम्मेदारी दे दी गई है। इंतजाम इस तरह का हो रहा है कि कर्नाटक में विधान

सभा चुनाव का भाजपा का भयंकर प्रचार इवेंट इसी के साथ शुरू होगा। राज्य की सभी 224 विधानसभा सीटों के भाजपा उम्मीदवारों व अन्य नेताओं को सूचित कर दिया गया है कि ज्यादा से ज्यादा जनता को इकट्ठा करके मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनें। इसके लिए हर विधानसभा में कम से कम 100 जगहों पर, हर जगह कम से कम 100 लोगों को इकट्ठा करके सुनने की व्यवस्था करने को कहा गया है। जैसे ही मोदी के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण खत्म होगा, कर्नाटक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित छह बड़े नेता कर्नाटक के चुनावी क्षेत्रों में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। इसी तरह से देश के अन्य सभी राज्यों व केंद्र शासित राज्यों में भी हर विधानसभा, लोकसभा क्षेत्र के प्रमुख 100 जगहों पर कार्यकर्ताओं, जनता को जुटाकर मोदी के मन की बात कार्यक्रम प्रसारण को सुनाने की व्यवस्था करने को कहा गया है। इसके लिए भाजपा के सभी सांसदों , विधायकों तथा लोकसभा व विधानसभा सहित अन्य चुनाव लड़ने के इच्छुक व दावेदार भाजपा नेताओं को भी 30 अप्रैल को अपने - अपने क्षेत्र में रहने और आम लोगों के साथ बैठकर मोदी की मन की बात प्रसारण सुनने को कहा गया है। कहा जाता है मोदी की सरकार का कार्यकाल 9 साल पूरे होने के ठीक 1 महीने पहले यह कार्यक्रम हो रहा है, तो इसमें मोदी 9 साल की उपलब्धियां बताएंगे तथा अमृत काल के अगले 25 साल का विजन खाका पेश करेंगे। इस खास अवसर पर मन की बात लिखा हुआ? 100 का सिक्का भी जारी होगा, जो पचास प्रतिशत चांदी का बना होगा। सिक्के पर 'मन की बात 100' तो लिखा ही होगा, माइक्रोफोन भी बना होगा, और उस पर 2023 अंकित होगा। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, 'मन की बात' की 100वीं कड़ी के अवसर पर केंद्रीय प्राधिकार के अधीन जारी करने के लिए टकसाल में केवल एक सौ रुपये मूल्य वर्ग का सिक्का ढाला जाएगा। सिक्के की गोलाई 44 मिलीमीटर की होगी जो चार धातुओं- रजत, तांबा, निकिल और जस्ता का मिश्रण होगा। सिक्के के अग्र भाग ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का वितरण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

संस्था की वरिष्ठ सदस्या शोभा जालान ने संजय अग्रवाल को जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मंदिर में श्री राज श्यामा जी (राधा-कृष्ण) भगवान के सामने चंदन का तिलक कर अंग वस्त्र उपहार स्वरूप देकर सम्मान किया। उसके पश्चात 83 वाँ श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद भगवान श्री राज श्यामा जी एवं गुरू महाराज को अर्पित कर 1400 श्रद्धालुओं के बीच वितरण किया गया। मंदिर परिसर मे आये हुए सभी धर्म प्रेमीजनो एव श्रद्धालुओं ने शांति पूर्वक कतार में लगकर 83 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नापूर्णा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। पूर्णब्रह्म परमात्मा की अपार कृपा श्री राज श्यामा जी महाराज एवं संत शिरोमणी श्री श्री 1008 स्वामी सदानंद जी महाराज के आशश्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का संचालन अपने पुत्र संजय अग्रवाल के जन्मदिवस पर संस्था के वरिष्ठ सदस्य श्री महेंद्र

प्रसाद सुशीला देवी अग्रवाल और उनके परिवार के सौजन्य से की गई। गुरू महाराज के जनसेवा को समर्पित जीवन के स्वर्णिम 51 वर्ष पुरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को रांची शहर के पुंदाग स्थित संस्था के निमार्णाधीन श्री कृष्ण प्रणामी (राधा-कृष्ण) मंदिर के प्रांगण मे संस्था की सुशीला देवी अग्रवाल, युवराज अग्रवाल, संजय अग्रवाल एवं शिव भगवान अग्रवाल के द्वारा वहां के जरूरतमंद ग्रामीण मंदिर के आस पास के रहने वाले लगभग 1400 श्रद्धालुओं, जरुरतमंद परिवार के सदस्यों मंदिर के सामने के गुजरने वाले राहगीरों एवं बच्चों के बीच 83 वें निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भोजन भंडारे के प्रसाद में पुडी,आलु चना टमाटर मिश्रित सब्जी, भेजिटेबल पुलाव एवम मिठाई मे गर्म केसरिया जलेबी का विधिवत उद्घाटन कर वितरण शुरू किया गया। प्रणामी निःशुल्क अन्नपूर्णा भोजन प्रसाद भंडारे की सेवा प्रत्येक रविवार को दोपहर 12:30 बजे से पुंदाग स्थित संस्था के निमार्णाधीन मंदिर के प्रांगण में संस्था के द्वारा की जाती है। आज के अन्नपूर्णा भोजन सेवा का आयोजन अपने पुत्र के जन्मदिवस पर उनके माता पिता श्री महेंद्र प्रसाद सुशीला देवी अग्रवाल एव उनके परिवार के सौजन्य से की गई।आज अन्नापूर्णा भंडारे के प्रसाद मे संस्थाने श्रद्धालुओ के बीच पुडी,आलु चना टमाटर मिश्रित सब्जी,भेजिटेबल पुलाव एव मिठाई मे गर्म केसरीया जलेबी का वितरण कर सेवा की गई। आज के अन्नपूर्णा भोजन प्रसाद भंडारे की सेवा के महान कार्य में विशेष रूप संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, प्रतीक बंसल, ज्ञान प्रकाश शर्मा,पवन पोद्दार, चन्द्रदिप साहु,महेश वर्मा, परमेश्वर साहु महिला समिति की विधा देवी अग्रवाल सुशीला देवी अग्रवाल सुरभी अग्रवाल, सुधा सुल्तानिया एव इनके अलावा संस्था के और भी बहुत से सदस्य उपस्थित थे।

जरिया मंडा को लेकर ग्रामीणों की हुई बैठक

बेड़ो। शिव मंडा पूजा समिति जरिया की एक बैठक ग्राम प्रधान पेरो उरांव की अध्यक्षता में हुई। जिसमें मंडा पूजा धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया।इसके सफल संचालन के लिए एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें शिव मंडा पूजा समिति का अध्यक्ष जय मन बड़ाईक, सचिव मनु बड़ाईक,का चयन किया गया। वहीं जतरा एवं जागरण समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष विश्वा उरांव, सचिव पंकज बड़ाईक, उपाध्यक्ष अनिल गोप, कार्यकारी अध्यक्ष सुखदेव कच्छप व कोषाध्यक्ष के पद पर प्रेम कुमार एवं विशेश्वर उरांव को सर्वसम्मति से चुना गया। वहीं संरक्षक एवं कार्यकारी सदस्य के रूप में राजीव रंजन अधिकारी, बृजेश महतो, सुशील कुजुर, लक्ष्मण महतो, मधु महतो ,सुरेंद्र महतो ,पिंटू महतो ,नंदू महतो ,जॉन कच्छप, गोडविन एक्का, शंकर लोहरा, सचिन पाहन, संजय उरांव ,वीरेंद्र उरांव, प्रमोद महतो , गंदूर गोप व टूना गोप आदि का चयन किया गया।

झारखंड में एफएसएल डायरेक्टर का पद सात माह से पड़ा है खाली

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड में फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) डायरेक्टर का पद पिछले सात महीने से खाली पड़ा है। एके बापुली का कार्यकाल 15 सितंबर को ही खत्म हुआ था। उनकी कार्यावधि बढ़ाने के लिए सरकार के पास फाइल गयी है, लेकिन अब तक उक्त फाइल पर विचार नहीं हो सका। ऐसे में झारखंड में एफएसएल डायरेक्टर का पद अबतक खाली पड़ा है। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने 28 सितंबर 2022 को एसएफएसएल के निदेशक पद पर सीधी भर्ती से संबंधित फाइल गृह विभाग को वापस कर दिया था। जेपीएससी ने टिप्पणी की थी कि त्रुटियों के निराकरण के बाद ही यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। राज्य सरकार ने एफएसएल के निदेशक पद पर सीधी भर्ती के लिए जेपीएससी से पत्राचार भी किया था। लेकिन जेपीएससी ने कुछ बिंदुओं पर आपत्ति जताते हुए गृह विभाग को फाइल वापस कर दी थी। साथ ही जेपीएससी की ओर से तर्क दिया गया था कि इस पद के लिए संबंधित नियमावली में उम्र सीमा और चयन की प्रक्रिया का उल्लेख नहीं है। त्रुटि निराकरण के बाद ही जेपीएससी इस दिशा में आगे बढ़ेगा।

सुदेश महतो ने किया जीतराम बेदिया की प्रतिमा का अनावरण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने स्वतंत्रता सेनानी शहीद जीतराम बेदिया के बलिदान दिवस पर रविवार को जोन्हा स्थित बरवादाग में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर महतो ने कहा कि क्रांतिकारियों की माटी झारखंड ने असंख्य वीर शहीदों को जन्म दिया, जिन्होंने इस माटी के मान, सम्मान एवं स्वाभिमान के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया। इतिहासकारों ने झारखंड के महानायकों को इतिहास के पन्नों में वह जगह नहीं दिया, जिसके वे असली हकदार थे। झारखंड की गौरवशाली इतिहास, वैभवशाली

संस्कृति तथा गुमनाम क्रांतिकारियों की गाथा को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सभी पर है। युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से सीखने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता, एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले झारखंड के वीर सपूतों की संघर्ष गाथा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम संकल्पबद्ध हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि झारखंड के वीर सपूत शहीद जीतराम बेदिया ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन को जो बिगुल फूंका, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। देश ऋणी है उन क्रांतिवीरों का, जिन्होंने देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। युवाओं को वीर शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेकर राज्य और देश निर्माण में योगदान देना चाहिए तथा इतिहास पुनर्लेखन के लिए आगे आना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि हमें झारखंड के महानायकों एवं उनके विचारों को समझना होगा, नीति-निर्णयों में शामिल करना होगा। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में आजसू के कई नेता मौजूद थे।

दो दिवसीय रांची जिला मलखंब का समापन

प्रीति कुमारी रांची क्वीन और रॉकी रांची मलखंब किंग बनें

नवीन मेल संवाददाता। रांची

जिला मलखंब एसोसिएशन के तत्वावधान में दो दिवसीय रांची जिला बालक- बालिका मलखंब प्रतियोगिता का समापन रंगारंग कार्यक्रम के साथ रविवार को बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय, धुर्वा के प्रांगण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में सरिता कुमारी चैंपियन ऑफ चैंपियन बनी, तो रांची मलखंब क्वीन का खिताब प्रीति कुमारी को मिला। रॉकी कुमार रांची मलखंब किंग बने। प्रतियोगिता में 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मैत्री इंडिया के हेड अपराजिता मिश्रा, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सह संवेदना की संचालिका वंदना चौबे, मैत्री इंडिया की प्रतिनिधि गीता सिन्हा, नेहरू

युवा केंद्र के सदस्य सह विवेकानंद फाउंडेशन के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल, सूरज कुमार पांडेय एवं एम मुदस्सर ने संयुक्त रूप से सभी विजेताओं को पदक देकर सम्मानित किया। आगंतुकों का स्वागत एवं मंच संचालन रांची जिला मलखंब एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय झा ने किया। प्रतियोगिता का संचालन वरिष्ठ प्रशिक्षक विवेक कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन रांची जिला मलखंब एसोसिएशन के महासचिव आशुतोष द्विवेदी ने दिया।

डीपीएस माफी और ओटीएस ऊर्जा मेला आज से, लोगों को मिलेगा फायदा

रांची। राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार बिजली बिल बकाया पर डीपीएस माफी और वन टाइम सेटेलमेंट स्कीम का फायदा पहुंचाने के लिए अब जेबीवीएनएल उपभोक्ता के पास जाएगा। इसके लिए जेबीवीएनएल द्वारा विभिन्न स्थानों पर कैंप सह ऊर्जा मेला लगाया जाएगा। जिसमें आम बिजली उपभोक्ता शामिल होकर इसका लाभ उठा सकते हैं। यह जानकारी रांची एरिया बोर्ड के जीएम पीके श्रीवास्तव ने दी। सरकार के निर्णय के अनुसार, बिजली बिल बकाएदारों को राहत दिया जाना है। इसके तहत बिल बकाया पर वन टाइम भुगतान पर पूरा डीपीएस माफ किया जाएगा। अगर उपभोक्ता चाहे तो अपना बिजली बिल पांच किस्त में जमा करा सकते हैं। कहां कब लगेगा कैंप : 24 अप्रैल : बसिला नगड़ी, पुरियो बेड़ो, हेहल रातू, नरकोपी मांडर, सिलागाईं चान्हो, कोटरी बुढ़मू, राय बचरा, रामपपुर, गेतलसूद, उलकीडीह, मंदरो बाजार, चुटुपालू पीएसएस। 25 अप्रैल : नारो बाजार नगड़ी, दोलैया लापुंग, हुरहुरी रातू, मंदरो मांडर, करकट चान्हो, उमेडंडा बुड़मू, खलारी, तैमारा बुंडू, ओरमांझी ब्लॉक पीएसएस, उरगुद्दु कांके, ओरमांझी बाजार आदि।

दीपक प्रकाश चार दिवसीय दौरे पर कर्नाटक चुनाव में होंगे शामिल

रांची। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश अपने चार दिवसीय दौरे पर बेंगलुरू जाएंगे। वे कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान में शामिल होंगे। राष्ट्रीय नेतृत्व के निदेर्शानुसार दीपक प्रकाश 24 अप्रैल को बेंगलुरू जाएंगे। 24, 25, 26 एवं 27 अप्रैल को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रचार कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रकाश वहां पर आयोजित रोड शो और रैली में शामिल होंगे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी शिव पूजन पाठक ने दी।

वीर शहीद निर्मल महतो मेला का हुआ संपन्न

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली

सिल्ली प्रखंड अंतर्गत शनिवार के दिन कोचों पंचायत के सुनडील गांव में 33 वां विराट वीर शहीद निर्मल महतो मेला का आयोजन किया गया। मेला में मुख्य अतिथि के रुप में झामुमो के रांची जिला उपाध्यक्ष सह सिल्ली विधानसभा प्रभारी रामानंद बेदिया उपस्थित रहे। उन्होंने शाहिद निर्मल महतो के आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा कहा कि वीर शहीद निर्मल महतो के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। शहीद निर्मल महतो ने झारखंड अलग राज्य के लिए लंबी लड़ाई लड़ी इसलिए हम लोगों को उनके पद चिन्हों में चलकर उनके सपनों को साकार करना है ताकि झारखंड राज्य सुखी, संपन्न और मजबूत बन सके। झामुमो के सभी सदस्यों ने शहीद निर्मल महतो अमर रहे का नारा भी लगाया। मेले में मुर्गा लड़ाई और छऊ नृत्य का भी आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों ने छऊ नृत्य का भरपूर आनंद उठाया।

दो नाबालिगों की बरामदगी पर नामकुम थानेदार सम्मानित

नामकुम। नवयुवक संघ नामकुम स्टेशन दुर्गा पूजा समिति द्वारा रविवार को नामकुम थानेदार सुनील कुमार तिवारी को सम्मानित किया गया। इस दौरान संरक्षक रमेश पांडेय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एएसपी मुमल राजपुरोहित और थानेदार सुनील कुमार तिवारी को बुके देकर व शॉल ओढ़ाकर बधाई दी। संरक्षक रमेश पांडेय ने कहा कि थानेदार ने जोरार तेतरीटोली की दो नाबालिगों को सकुशल बरामद किया था। इसी को लेकर उन्हें सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि इसी तरह पुलिस का कार्य सम्मानजनक है। इससे पुलिस पर लोगों का विश्वास बढ़ता है। इसके अलावा पुलिस का हौसला बढ़ता है। मौके पर समिति के अध्यक्ष मनीष राय, संरक्षक रमेश पांडेय, रामकुमार यादव, विनयशील सिंह, अखिलेश सिंह, रामाशंकर तिवारी और मोनू सिन्हा आदि मौजूद थे।

झारखंड एमपीडबलू कर्मचारी संघ का आंदोलन आज से

नवीन मेल संवाददाता। रांची

अपनी मांगों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत कार्यरत एमपीडबलू स्वास्थ्य कर्मी कल से यानी 24 अप्रैल 2023 से चरणबद्ध आंदोलन करेंगे, जिसकी जानकारी राज्य संघ ने मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य सभी विभागीय अधिकारियों को दे दिया है। संघ के अध्यक्ष पवन कुमार और महासचिव मंगल हेम्ब्रम ने सौंपे मांग पत्र में लिखा है कि 22 मार्च 2023 को संगठन ने अपनी विभिन्न मांगो को विभाग और सरकार के समक्ष रखा था लेकिन इस पर अभी तक किसी पर का पहल/कारवाई नही हुई है। जिस कारण राज्य के तमाम एमपीडबलू स्वास्थ्य कर्मियों में रोष वयाप्त है। राज्य संघ, राज्य महासंघ और

राज्य भर के तमाम एमपीडबलू स्वास्थ्य कर्मी कल से चरणबद्ध आंदोलन पर रहेंगे। चरणबद्ध आंदोलन का रूपरेखा इस प्रकार है। ◆ 24 एवं 25 अप्रैल 2023 को सभी एमपीडब्लू स्वास्थ्य कर्मी काला बिल्ला लगाकर अपना विरोध दर्ज करेंगे।

◆26 एवं 27 अप्रैल को सभी कर्मी अपने अपने शरीर पर अपनी मांगों के समर्थन में तख्ती लगाकर विरोध दर्ज करेंगे।

◆28 अप्रैल को सभी कर्मी 1 दिन का उपवास रखेंगे।

◆29 अप्रैल 2023 को सभी कर्मी अपने अपने जिलों के सिविल सर्जन महोदय को मांग पत्र सौपेंगे।

◆2 मई 2023 को राज्य संघ माननीय मुख्यमंत्री महोदय से मिलकर मांगपत्र सौंपेगा। राज्य संघ ने यह भी कहा कि अगर तय कार्यक्रम तक हमारी मांगो पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नही किया जाता है तो फिर 3 मई 2023 को माननीय स्वास्थ्य मंत्री महोदय का आवास घेराव किया जाएगा।

25 अप्रैल से सेंटर ऑफ एक्सेलेंस एथलेटिक्स के लिए चयन

रांची। झारखंड खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में सेंटर फॉर एक्सेलेंस एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र (एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र) के लिए बालक एवं बालिका वर्ग के 16 वर्ष से 22 वर्ष तक के खिलाड़ियों का चयन अलग अलग जिलों में किया जाएगा। इसकी शुरूआत 25 अप्रैल से गुमला में अल्बर्ट एक्का एक्का स्टेडियम में की जायेगी। साथ ही निर्धारित स्थलों से चयनित खिलाड़ी का अंतिम चयन 11 मई को बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम रांची में किया जाएगा। आवेदक खिलाड़ी, जिन्होंने मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तरीय, आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित खेलों में भागीदारी अथवा मेडलिस्ट हो, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। चयन समिति में मनोहर टोपनो, राज्य समन्वयक साझा अध्यक्ष, हरेंद्र सिंह आवासीय प्रशिक्षक , चाईबासा , योगेश यादव झ्र एथलेटिक्स आवासीय प्रशिक्षक, साहेबगंज, प्रभात रंजन तिवारी -एथलेटिक्स आवासीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक, हजारीबाग , नीरज राय झ्र आवासीय एथलेटिक्स प्रशिक्षक, बोकारो, सुरेश उरांव झ्र डे बोर्डिंग प्रशिक्षक, लातेहार शामिल है।

घोटाला भूमि घोटाले पर मूलवासी सदान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा-

भूमि घोटाला का कारण शहरीकरण की मांग

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सरकार समय रहते झारखंड बनने के साथ ही शहरी क्षेत्रों के भूमि का सर्वे कराकर रिकॉर्ड ऑफ राइट बना लेती तो इस प्रकार के घोटाले को अंजाम भूमि माफिया नहीं दे पाते। इस संबंध में सिंहभूम जिला सरकार के समक्ष ज्वलंत उदाहरण है। ऐसा लगता है कि अप्रत्यक्ष रूप से सरकार नहीं चाहती है कि इस प्रकार के घोटालों से निजात मिले। उक्त बातें मूलवासी सदान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कही। उन्होंने कहा कि रांची और अन्य शहरी क्षेत्रों में भूमि घोटाला का मुख्य कारण शहरी क्षेत्र की भूमि की मांग शहरीकरण के कारण बढ़ता जा रहा है। प्रसाद ने कहा कि भूमि के स्वामित्व का निर्धारण रिकॉर्ड ऑफ राइट या

भूमि के स्वामित्व का निर्धारण रिकॉर्ड ऑफ राइट या खतियान से होता है झारखंड विशेषकर शहरी क्षेत्रों की भूमि का रिकॉर्ड ऑफ राइट से बना है

खतियान से होता है झारखंड विशेषकर शहरी क्षेत्रों की भूमि का रिकॉर्ड ऑफ राइट से बना है। गत 80 से 90 साल पुराना है। मात्र सिंहभूम का रिकॉर्ड ऑफ राइट आजादी और जमींदार उन्मूलन के बाद का है। प्रसाद ने कहा कि रांची मुंसिपल क्षेत्र का रिकॉर्ड ऑफ राइट साल 1927 का है जो कि ब्रिटिश गवर्नमेंट के समय का है। उक्त अवधि में जमीन का निबंधन कोलकाता में होता था। जिसका दुरुपयोग का परिणाम अभी सेना की भूमि घोटाला के रूप में देखा जा रहा है। प्रसाद ने कहा कि यदि सरकार समय रहते या झारखंड बनने के साथ ही शहरी क्षेत्रों के भूमि का सर्वे कराकर रिकॉर्ड ऑफ राइट बना लेती तो इस प्रकार की घोटाले को भूमि माफिया अंजाम नहीं दे पाते। इस संबंध में सिंहभूम जिला सरकार के समक्ष उदाहरण है। प्रसाद ने कहा कि ऐसा लगता है कि अप्रत्यक्ष रूप से सरकार ही नहीं चाहती है, कि इस प्रकार के घोटालों से निजात मिले। प्रसाद ने बताया कि भूमि का सर्वे होने से गलत ढंग से जो जमीन का ट्रांसफर हुआ है वह भी पकड़ में आ जाएगा और सरकारी जमीन का घोटाला भी प्रकाश में आएगा। प्रसाद ने बताया कि रिकॉर्ड रूम में अभिलेख फट चुका है उसमें छेड़छाड़ करने की सम्भावना भी है और उसका अनुचित लाभ भूमि माफिया और सरकारी ऑफिसर उठाते रहे हैं। लेकिन इस दिशा में कोई सरकार ठोस कदम नहीं उठाई है। प्रसाद ने कहा कि भूमि के संबंध में जिला उपायुक्त को काफी शक्ति प्राप्त है। इसका दुरुपयोग उनके द्वारा भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे ज्यादा खामियाजा झारखंड और मूल निवासियों को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह बीमारी अब सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित ना रह कर शहर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में कांके, नामकुम, नगड़ी जैसे इलाकों में भी फैलना शुरू हो गया है। प्रसाद ने मूलवासी सदान मोर्चा की ओर से सरकार से मांग करते हुए कहा की जमीन का सर्वे अभिलंब कराने की मांग की और दोषी अधिकारियों के उपर कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई करने और जितनी भी मूल निवासियों की भूमि को गलत ढंग से हड़प्पा गया है उसको वापस करवाने की मांग की है। प्रसाद ने कहा जमीन का सर्वे पूरा नहीं होने तक भूमि के हस्तांतरण पर रोक लगाने की मांग की है।

हॉकी झारखंड सब जूनियर चैंपियनशिप के लिए रांची बालक टीम का किया गया चयन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

हॉकी झारखंड सब जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप 2023 के लिए रांची पुरुष टीम के गठन हेतु हॉकी खिलाड़ियों की प्रतियोगिता सह चयन ट्रायल बरियातू एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित की गई। इसमें रांची जिला की 6 टीमों ने भाग लिया। इन सभी टीमों के सभी कागजात की जांच के उपरांत इनका आपस में मैच कराया गया। इस प्रतियोगिता सह चयन ट्रायल में हुलहुंडु डेबोर्डिंग प्रशिक्षण केन्द्र की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं काकेरिय डेबोर्डिंग प्रशिक्षण केन्द्र की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बुंडू डेबोर्डिंग प्रशिक्षण केन्द्र की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मैच में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 18 खिलाड़ियों का चयन किया गया, जो आगामी हॉकी झारखंड सब जूनियर राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतियोगिता सह चयन ट्रायल में मुख्य अतिथि के रूप में हॉकी झारखंड के सीईओ रजनीश कुमार उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता सह चयन ट्रायल को सफल बनाने में मुख्य रूप से हॉकी रांची के अध्यक्ष माइकल लाल, जयंत केरकेट्टा, सचिव हॉकी रांची, उपाध्यक्ष असरिता लकड़ा, कोषाध्यक्ष ललित कुमार पन्ना, मनोज प्रधान, करुणा पूर्ति डेनिस केरकट्टा, अभिषेक कुमार साहू, जोसेफ टोपनो इत्यादि उपस्थित थे।

रांची के नामकुम में फिर हादसा

ट्रेलर व ट्रक की टक्कर में तीन घायल

नवीन मेल संवाददाता। रांची
नामकुम थाना क्षेत्र में ट्रेलर और 407 ट्रक में जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए हैं। हादसा लाह संस्थान के पास हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायलों को अस्पताल भेज दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रेलर और 407 ट्रक बेहद तेज गति से लाह संस्थान के पास से गुजर रहे थे, इसी दौरान दोनों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ही वाहन सामने की ओर से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में दोनों ही वाहनों के ड्राइवर और खलासी बुरी तरह जख्मी हो गए। हादसे की सूचना पर आनन-फानन में नामकुम पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन में फंसे ड्राइवर, खलासी को बाहर निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।घायलों की स्थिति गम्भीर नहीं: सबसे राहत की बात यह है कि इतने बड़े हादसे के बावजूद घायलों की स्थिति बेहतर है। सभी का इलाज चल रहा है। डॉक्टर के अनुसार समय पर अस्पताल आ जाने की वजह से सभी घायल सुरक्षित हैं। सबसे ज्यादा हादसे इसी सड़क पर: नामकुम स्थित रांची-टाटा रोड हादसों को लेकर हमेशा चर्चा में रहता है। इस सड़क पर आए दिन सड़क हादसे होते रहते हैं। पूर्व में सड़क का चौड़ीकरण नहीं हो पाया था, इसलिए हादसे होते थे लेकिन अब तो बेहतरीन सड़क का निर्माण कर दिया गया है। इसके बावजूद हादसों पर ब्रेक नहीं लग पाया है। केवल जनवरी 2023 महीने से लेकर अब तक इसी रोड पर 10 से ज्यादा लोग अपनी जान सड़क हादसों में गंवा चुके हैं। परिवहन और ट्रैफिक विभाग की तरफ से इस सड़क के ब्लैक स्पॉट को चिन्हित किया गया है। अगर गंभीरता से ब्लैक स्पोर्ट्स को चिन्हित कर आगे की कार्रवाई की जाए तो निश्चित रूप से रांची-टाटा रोड पर हादसों का सिलसिला थमेगा।

नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 29 अप्रैल को होगी

रांची। जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 29 अप्रैल को होगी। इसके लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया गया है। परीक्षा ऑफलाइन मोड में होगी। परीक्षा 2 घंटे की होगी। रिपोटिंग टाइम सुबह 10:30 बजे रखा गया है। परीक्षा दिन के 11:30 बजे से शुरू होगी, जो 1:30 तक चलेगी। झारखंड में यह परीक्षा चार भाषाओं हिंदी, इंग्लिश, उर्दू और ओड़िया में ली जाएगी। परीक्षा में कुल 80 प्रश्न पूछे जाएंगे। रिजनिंग में 40 प्रश्न पूछे जाएंगे, इसके लिए 50 नंबर मिलेगा। वहीं अंकगणित में 20 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें 25 नंबर मिलेगा। भाषा में 20 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें 25 नंबर दिये जाएंगे। सभी प्रश्न ऑब्जेक्टिव प्रकार के होंगे और प्रत्येक के लिए 1 अंक मिलेगा। कोई निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। प्रश्न पत्र में 3 खंड में कुल 100 अंक के 80 प्रश्न होंगे। दिव्यांग छात्रों को अतिरिक्त 40 मिनट का समय दिया जाएगा।

लेजर लाइट और रॉक बैंड ने पृथ्वी को बचाने का दिया संदेश

नवीन मेल संवाददाता। रांची।
विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर परिवर्तन संस्था की ओर से शनिवार को शेयर द प्लांट, सेव द प्लेनेट कार्यक्रम का आयोजन मोरहाबादी में किया गया। कार्यक्रम में लेजर लाइट शो और रॉक बैंड शो की दमदार प्रस्तुतियों के साथ पृथ्वी के बचाने का संदेश दिया गया। सैकड़ों की संख्या में युवाओं ने कार्यक्रम में शिरकत की और शो का आनंद लिया। साथ ही धरती को बचाने के लिए योगदान देने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में सांसद डॉ महुआ माजी, उर्जा सचिव, मुनचुन राय ने किया। डॉ महुआ माजी ने युवाओं को पृथ्वी पर बढ़ रहे पर्यावरण प्रदूषण के असर के बारे में बताया। साथ ही लोगों से अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने और पृथ्वी के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि झारखंड में पहले जितने पेड़-पौधे थे वे अब घटने लगे हैं। रांची हरियाली ही वह कारण थी, कि यहां लोगों को गर्मी में भी ठंड का एहसास कराती थी, लेकिन पर्यावरण प्रदूषण ने अब परिस्थिति बदल दी है, इसलिए हमें अब फिर से प्रकृति की ओर लौटने का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद शुरू हुआ लेजर शो, जिसने लोगों को मनोरंजित करने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेशदिया। लखनऊ की टीम लेजर स्पेक्ट्रम के इस शो में दिखाया गया कि कैसे विकास की दौड़ में पर्यावरण और प्रकृति से लोग दूर होते चले गए और आज इसका दंश सभी को झेलना पड़ रहा है। साथ की शो के अंत में बताया गया कि अब प्लांटेशन, पानी संरक्षण और कचड़ा प्रबंध करने हम पृथवी को संरक्षित रख सते हैं। इसके बाद रांची की मिक्स फ्रूट जैम टीम ने रॉक बैंड शो पेश किया। परिवर्त्तन संस्था की श्रेया तिवारी ने बताया कि संस्था की ओर से अबतक 28000 पौधरोपण किया गया है। मौके पर डॉ पूजा सिन्हा, सुबोध सिंह, मृत्यंजय शर्मा, अमित बेहरा, नीतिश सिंह प्रदीप मिर्धा आदि मौजूद थे।

पुलिस द्वारा जब्त वाहनों में लगी आग, नहीं पहुंचा दमकल

बालू-पानी से आग पर पाया काबू

नवीन मेल संवाददाता। रांची
रविवार की सुबह रांची के रातू थाना परिसर के पास आग लगने की वजह से अफरा-तफरी मच गई। इस अगलगी में थाना के द्वारा जब्त किए गए कई वाहन जलकर स्वाहा हो गए। सबसे हैरत की बात तो यह है कि सूचना के बावजूद दमकल के वाहन मौके पर सही टाइम पर नहीं पहुंचे, जिसकी वजह से पुलिसकर्मियों को बालू फेंक फेंक कर आग बुझाना पड़ा।

क्या है पूरा मामला: राजधानी में अगलगी की वारदातों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, पिछले 10 दिनों के भीतर आधा दर्जन स्थानों पर अगलगी की वजह से लाखों का नुकसान हुआ है, अब ताजा मामला रांची के रातू थाना का है। रविवार की सुबह रातू थाना कैंपस के ठीक पास में रखे गए जब्त वाहनों में आग लग गई। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते आग एक वाहन से लेकर दूसरे वाहन तक फैल गया। इस अगलगी में आधा दर्जन से ज्यादा जब चार पहिया वाहन जलकर स्वाहा हो गए हैं। आग कैसे लगी इन वजहों की पड़ताल की जा रही है। दरअसल थाना के बाउंड्री वॉल के पास ही कई जब्त वाहन रखे गए थे। रविवार की सुबह अचानक एक वाहन में आग लग गई। इससे पहले पुलिसकर्मी कुछ समझते दूसरे वाहनों से भी आग की लपटें उठने लगी। आग को देख पुलिसकर्मियों ने अग्निशमन विभाग की टीम को भी सूचना दी लेकिन समय पर अग्निशमन विभाग का कोई भी दमकल नहीं पहुंचा। आग को तेजी से फैलता देख पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने मोर्चा संभाला और बालू फेंक कर और बाल्टी से पानी डाल आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। इसमें पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग सफल भी रहे और एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी वाहनों में लगी आग को बुझा दिया गया, लेकिन दमकल नहीं पहुंचा।ऋ्रष्टी्‌ल्ल फंल्लूँबालू से आग पर काबू पाने की कोशिशजब्त वाहन हैं बड़ी समस्या: आपको याद होगा कि पिछले साल जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चाईबासा के एक थाने में गए थे, तो उन्होंने वहां के एसपी से कहा था कि आपका थाना है या कबाड़खाना, सीएम के उस बयान के बाद कुछ दिनों तक पुलिस मुख्यालय से लेकर जिलों के एसपी तक से यह प्रयास शुरू किया गया कि थानों में जब्त किए गए वाहनों को नीलाम किया जाए और उन्हें थानों से हटाया जाए। लेकिन अब यह रफ्तार सुस्त पड़ गई है और थानों में जब्त वाहनों का ढेर लगा हुआ है। पिछले साल में रांची के लालपुर थाने में आग लगी थी जिसमें दर्जनों जब्त बाइक जलकर राख हो गए थे।

मन ही परमात्मा से सम्पर्क स्थापित करने का एकमात्र साधन है

रांची। मन के संकल्प की गति संसार की सभी प्रकार की षक्तियों की गति से तीव्रतर है। वह अन्तरीक्ष को भी चीर कर सूक्ष्मातिसूक्ष्म प्रदेष में भी पहुँच सकती है। मनन ही परमात्मा से सम्पर्क स्थापित करने का एकमात्र साधन है। ये बातें ब्रह्माकुमारी प्रागंण चैधरी बगान हरमू रोड में प्रवचन करते हुए ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कही। आपने कहा परमात्मा तो प्राकृतिक षक्तियों से परे और उनसे भिन्न एक आध्यात्मिक सत्ता है जिससे संम्पर्क के लिए प्राकृतिक षक्तियों का प्रयोग सिद्धिकारी नहीं हो सकता। परमात्मा तन का नहीं, मन का मीत है। वह इन्द्रियों द्वारा ग्रहण नहीं किया जा सकता है, इसलिए इहलौकिक षक्तियों जो कि रूप, रंग, षब्द इत्यादि के माध्यम से सम्पर्क स्थापित करती है, का प्रयोग हमारे लिए प्रयोजनकारी नहीं है। उनसे हम मन द्वारा ही संबंध स्थापित कर सकते हैं। ईष्वर के स्वरूप के मनन से बहुत लाभ है। प्रभु के गुण चिन्तन के टेव पड़ जाने से मनुष्य गुण ग्राहक वृद्धि वाला हो जाता है।

राज्यभर में अब तक कोरोना के 302 मरीज मिले

रांची। झारखंड में कोरोना के मामले धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में राज्यभर में कोरोना के 22 नए मरीज मिले हैं, जबकि कोरोना से राज्य में 29 लोग स्वस्थ हुए हैं। राज्य के 20 जिले कोरोना मुक्त हैं। वर्तमान में राज्यभर में कोराना के 302 केस सक्रिय हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कोरोना के नए मामलों में रांची में सात, धनबाद में दो, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में 12 और खूंटी में एक मरीज मिला है। राज्य में सबसे अधिक 81 केस राजधानी रांची में सक्रिय हैं। चार जिले में कोरोना के मरीज हैं।

जीवन संस्था में रह रहे बच्चे की इलाज के दौरान मौत

रांची/धनबाद। बस्ताकोला स्थित जीवन संस्था में रह रहे गुमला के दिव्यांग बच्चे की मौत रांची रिम्स में इलाज के दौरान हो गई। दो दिनों पूर्व ही बच्चे की तबीयत खराब होने पर उसे जालान अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां से रिम्स रेफर किया गया था। जानकारी देते हुए धनबाद सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने बताया कि वर्ष 2019 में 14 वर्षीय मानसिक रोगी बच्चे को गुमला से बस्ताकोला स्थित जीवन संस्था में रखा गया था। जीवन संस्था की ओर से बताया गया कि पहले बच्चे को बुखार हुई, फिर उल्टी होने लगी, लेकिन उल्टी रिवर्स होकर उसकी स्वांस नली में फंस गई। आनन-फानन में उसे जालान अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। स्थिति गंभीर देखते हुए बच्चे को शुक्रवार को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। वहां शनिवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्चे को रेफर किए जाने की सूचना धनबाद से गुमला प्रशासन व सीडब्ल्यूसी को दे दी गई थी। गुमला से रांची स्थित अस्पताल में डीसीपीओ व एक अन्य समाजसेवी महिला की निगरानी के लिए भेजा गया था।

झारखंड में अब बंद हो जाएंगी मोबाइल मेडिकल यूनिट सेवाएं

रांची। झारखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट बंद की जाएंगी। ऐसा एक बार में नहीं किया जाएगा, बल्कि चरणबद्ध तरीके से धीरे-धीरे अगले पांच सालों में राज्य में संचालित सभी मोबाइल मेडिकल यूनिट को हटा लिया जाएगा। लेकिन मोबाइल मेडिकल यूनिट को हटाने से पहले राज्य में संचालित सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं स्वास्थ्य उपकेंद्रों को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में तब्दील किया जाएगा। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में 12 पैकेज में प्राथमिक स्वास्थ्य की व्यापक सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव विशाल चौहान ने स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह को इस बाबत निर्देश भेजा है। केंद्र सरकार के पत्र के आलोक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अपर अभियान निदेशक विद्यानंद शर्मा पंकज ने राज्य के सभी सिविल सर्जन को अग्रेतर कार्रवाई का निर्देश दिया है। राज्य में प्रति 10 लाख की आबादी पर एक मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) संचालित है। प्रावधान के अनुसार एमएमयू में अन्य पारामेडिकल कर्मियों के साथ-साथ एक एमबीबीएस डॉक्टर की उपलब्धता भी जरूरी है। लेकिन राज्य में एमएमयू के लिए एमबीबीएस डॉक्टर नहीं मिल रहे हैं। इसके लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र भेजकर एमबीबीएस की जगह पर आयुष चिकित्सकों की सेवा लेने की अनुमति मांगी गई थी।

श्यामली कम्युनिटी हॉल में नील रोंगेर घोड़ा नाटक का मंचन

रांची। श्यामली कम्युनिटी हॉल में रविवार को सांस्कृतिक संस्था कृष्टि के तत्वावधान में नील रोंगेर घोड़ा नाटक का मंचन किया गया। इस नाटक को मोहित चट्टोपाध्याय ने लिखा है। इस नाटक में दशार्या गया है कि आम आदमी अपने छोटे-छोटे सपनों को पूरा करने के लिए किस तरह की जद्दोजहद में लगा रहता है। इसमें आम आदमी के जीवन संघर्ष और इससे जुड़ी घटनाओं को दिखाया गया है। नील रोंगेर घोड़ा नाटक के मुख्य पात्र सोमनाथ घुड़दौड का है। जिसे साधारण-सी नौकरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करने में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसके बाद भी वह अपनी किस्मत आजमाने में जुटा रहता है। उसके सपने में नीले रंग का घोड़ा है।

भारतीय मजदूर संघ का 26 अप्रैल को विशाल प्रदर्शन

झारखंड में मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने की हुई मांग

नवीन मेल संवाददाता। रांची।
राज्य में मजदूरों की समस्या और परेशानी को देखते हुए भारतीय मजदूर संघ की तरफ से राजभवन के सामने 26 अप्रैल 2023 को विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसे लेकर रविवार को भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्य नारायण सिंह ने बताया कि पटना में हुए 20वें राष्ट्रीय अधिवेशन में यह तय किया गया है कि झारखंड और बिहार में मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने के लिए 26 अप्रैल को भारतीय मजदूर संघ की सभी जिले के इकाई के द्वारा देशभर के सभी उपायुक्तों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। रांची के नामकुम में फिर हादसा, ट्रेलर-407 ट्रक की टक्कर में तीन घायलउपायुक्त को सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री से यह मांग की जाएगी कि मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा देने के साथ-साथ ठेका प्रथा के आधुनिकीकरण पर रोक लगाई जाए और अधिनियम 1970 में संशोधन किया जाए।राष्ट्रीय श्रम नीति बनाने की मांग: इसके अलावा मजदूरों को मजबूत और आर्थिक सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय श्रम नीति बनायी जाए। मजदूर संघ ने यह भी मांग की है कि न्यूनतम मजदूरी की जगह पर जीविका मजदूरी तय की जाए।

डायसिस संडे स्कूल दिवस समारोह में रंगारंग कार्यक्रम

रांची। होली ट्रिनिटी चर्च, कडरु पेरिस में रविवार को डायसिस संडे स्कूल दिवस समारोह मनाया गया। रंगारंग कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने ग्रुप सांग, एक्शन सॉन्ग, नृत्य प्रस्तुत किया। परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों द्वारा चर्च आराधना से की गयी। मुख्य अतिथि पेरिस पुरोहित रेव्ह सिकंदर नाग और रीता हेमरोम शामिल हुए। पुरोहित सिकंदर नाग ने कहा कि अंधकार को सिर्फ सांसारिक दीपक से ही दूर नहीं किया जा सकता, बल्कि समाज में फैले हुए अंधकार रूपी बुराइयों को भी अच्छे व्यवहार व अच्छे कामों से दूर कर सकते हैं। रीता हेमरोम ने कहा कि उम्मीद का दीपक कभी बुझता नहीं, बल्कि जो बुझे हुए हैं, उन्हें भी रोशन करता है। मौके पर प्रीतम तिर्की, एन हिरेन कुजूर, डॉ अनुज तिग्गा व रतन केरकेट्टा शामिल थे।

मेरी बेरनादत्त किस्पोट्टा की 62वीं पुण्यतिथि मनी

रांची। ईश-सेविका, मेरी बेरनादत्त किस्पोट्टा की 62वीं पुण्यतिथि रविवार को उनकी जन्मस्थली सरगांव मांडर पल्ली में मनाई गई। कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से आए 6500 मसीही विश्वासी शामिल हुए। रांची महाधर्मप्रांत के महाधर्म अध्यक्ष फेलिक्स टोप्पो ने मिस्सा अनुष्ठान संपन्न कराया, उन्होंने कहा कि ईश्वर हमेशा सेवकों के रूप में स्वयं को प्रकट करते हैं।

सम्मानित | 50 हजार 'रानी मिस्त्रियों' ने पुरुषों के वर्चस्व वाले पेशे में गाड़ा झंडा

भारत सरकार ने कामकाजी महिलाओं को दी सहायता

नवीन मेल संवाददाता। रांची
उसके हाथ जब दीवारों की चिनाई करते हैं तो उसके काम की रफ्तार देखकर लोग दंग रह जाते हैं। जितनी देर में राजमिस्त्री एक दीवार की चिनाई करते हैं उतनी देर में वह दो दीवारों की चिनाई कर चुकी होती है। नाम है सुनीता देवी। झारखंड के लातेहार जिले के उदयपुरा गांव की रहने वाली और अपने इलाके की मशहूर 'रानी मिस्त्री'। वह वर्ष 2019 में भारत के राष्ट्रपति के हाथों भारत सरकार की ओर से कामकाजी महिलाओं को प्रदान किए जाने वाले सर्वोच्च सम्मान नारी शक्ति पुरस्कार से नवाजी जा चुकी हैं। दरअसल ईंट-कंक्रीट जोड़ने और प्लास्टर तक के काम में आम तौर पर पुरुषों का वर्चस्व रहा है। उन्हें राज मिस्त्री के नाम से जाना जाता है। लेकिन झारखंड में ऐसी महिलाओं की तादाद करीब 50 हजार है, जिन्होंने राजमिस्त्री के पेशे में खुद को न केवल स्थापित किया है, बल्कि अपनी कार्यकुशलता से हर किसी को चमत्कृत भी किया है। इन्हें रानी मिस्त्री के नाम से जाना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भी इनकी सफलता की कहानियां पहुंची हैं और वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए खूंटी जिले की कुछ रानी मिस्त्रियों से बात कर उनका हौसला बढ़ा चुके हैं। सुनीता बताती हैं कि चार साल पहले उनके गांव उदयपुरा में कार्यरत स्वयं सहायता समूह को स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक सौ शौचालय निर्माण कराने का काम सौंपा गया था परंतु राज मिस्त्री के नहीं मिलने या इस छोटे कामों से उनके इनकार करने के कारण उसने खुद औजार संभाल लिया। जिला प्रशासन की ओर से उन्हें मामूली प्रशिक्षण दिया गया और फिर खुद मिस्त्री बन गई। इसके बाद हम 20-25 महिलाओं ने शौचालय का निर्माण कर दिया। इसके बाद तो फिर इसमें पैसे की कमाई भी होने लगी और आनंद भी आने लगा। इन रानी मिस्त्रियों पर वर्ल्ड बैंक ने हाल में एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट में हजारीबाग की एक महिला उर्मिला देवी का जिक्र करते हुए बताया है कि उन्होंने अब तक 1,000 से अधिक शौचालयों का निर्माण किया है। उर्मिला शौचालय निर्माण के काम के लिए बिहार के चंपारण तक जाकर मिस्त्री का काम कर आई हैं। उनके साथ काम कर रही पूनम देवी ने भी पिछले एक साल में 900 शौचालयों के निर्माण में मिस्त्री का काम किया है। हजारीबाग की ही एक रानी मिस्त्री निशात जहां कहती हैं कि महिलाएं पुरुषों से किसी तरह कमतर नहीं हैं। जो पुरुष कर सकते हैं वो महिलाएं भी कर सकती हैं और कई बार तो पुरुषों से बेहतर कर सकती हैं। रेजा-मजदूर के रूप में महिलाएं पहले भी निर्माण कार्य में लंबे समय से काम करती आयी हैं।

आइपीएल मैच देखने जा रहे होटल कारोबारी की मौत

नवीन मेल संवाददाता। रांची/तमाड़।
रांची-जमशेदपुर मार्ग पर तमाड़ थाना क्षेत्र के सालगाडीह के समीप शुक्रवार को देर रात हुई सड़क दुर्घटना में कार पर सवार होटल कारोबारी रणधीर कुमार की मौत हो गई। दुर्घटना में एसयूवी किया पर सवार तीन अन्य लोग जख्मी हो गए। जिन्हें इलाज के लिए पहले रिम्स और फिर बरियातू रोड में एक निजी अस्पताल में भरती कराया है। घायलों में दो लोगों के हाथ और पैर की हड्डी टूट गई है। इनमें से एक की स्थिति गंभीर है। हादसे में मृत रणधीर कुमार चुटिया थाना क्षेत्र में फूलचंद गार्डेनिया अपार्टमेंट में फ्लैट संख्या 307 में पत्नी पूर्णिमा देवी, दो बेटे अक्षत और श्रेष्ठ के साथ रहते थे। इनकी डोरंडा के नॉर्थ आफिस पाड़ा मार्ग पर लॉरेटो कान्वेंट स्कूल के सामने रोल्स एंड स्नैक्स नाम की दुकान है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद शनिवार को दिन में परीचित और परिजन रिम्स पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के बाद अंत्येष्टि के लिए पतरातू के रसदा स्थित पैतृक आवास ले जाया गया। सड़क दुर्घटना में मृत कारोबारी रणधीर कुमार अपने आठ दोस्तों के साथ कार से आइपीएल मैच देखने के लिए कोलकाता जा रहे थे। कोलकाता में आइपीएल सीरिज में रविवार को शाम साढ़े सात बजे से इडेन गार्डेन स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स और चैन्नई सुपर किंग्स के बीच मैच होना है। मृतक के चचेरे भाई कपिलदेव ने बताया कि सभी रात 11 बजे इसी मैच को देखने के लिए रांची से दो कार से कोलकाता के लिए निकले थे। देर रात 12 बजे के बाद सालगाडीह में आगे जा रहे एक ट्रक पर से चालक ने नियंत्रण खो दिया। बेकाबू ट्रक सड़क के बीच में डिवाइडर पर चढ़ गया।

NEWS इन ब्रीफ

कैंप के लिए रोपणी को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया

रांची। साईं सेंटर बेंगलुरु में 10 अप्रैल से 27 मई तक बेंगलुरु में चल रहे जूनियर भारतीय महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय कैंप में झारखंड की महिला हॉकी खिलाड़ी रोपनी कुमारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया है,इस कैंप में भाग लेने के लिए आज रोपनी बंगलौर रवाना हो गई।रोपनी कुमारी सिमडेगा जिला के ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्ग्रत तुकुपानी पंचायत के जामबहार की रहने वाली है और 2017में राष्ट्रीय सब जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप से झारखंड टीम का से शुरूवात करते हुए अभी तक कई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। हॉकी इंडिया के कैंप में रोपनी कुमारी के आमंत्रण होने पर हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह,उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी, चंद्यार्णी मजूमदार, महासचिव विजय शंकर सिंह ,संयुक्त सचिव माइकल लाल, बिगन सोय, कोषाध्यक्ष असरिता लकड़ा, सीईओ रजनीस कुमार सहित हॉकी झारखंड के समस्त पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी है।

बाबा साहब की प्रतिमा का सांसद प्रेमभाईजी सोलंकी ने किया अनावरण

रांची। सेटेलाइट कॉलोनी में 23 अप्रैल को भारत रत्न संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की आदमकद प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। मूर्ति का अनावरण जय प्रकाश कुमार, संयुक्त महासचिव केंद्रीय कमेटी के नेतृत्व में सांसद डॉ। (प्रो) किरीट प्रेमभाईजी सोलंकी ने किया। इस कार्यक्रम में सेल रांची के कार्यपालक निदेशक जगदीश अरोड़ा, निर्विक बनर्जी, संजीव कुमार एवं आशीष चक्रवर्ती विशेष रूप से मौजूद रहे। अनावरण कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री (उड़ान) के महासचिव अरुण कुमार साधू एवं सेल एससी-एसटी इंप्लाइज फेडरेशन, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार रामटेके अतिथि के रूप में शामिल हुए।

निशिकांत के ट्वीट से स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की फजीहत

रांची। गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ट्वीट किया है, जिससे राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की फजीहत हो रही है। सांसद ने ट्वीट कर कहा है कि यह है इंडियन नेशनन कांग्रेस का चरित्र। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता जी का यह तथाकथित माजरा है। महिलाओं की इज्जत से खेलना, कांग्रेस कार्यकर्ता सुशील शर्मा का अपनी पत्नी को तंदूर में जलाना, काश गांधी परिवार समझ पाता। यदि यह सही है तो कांग्रेस के लिए डूब मरने वाली बात है। सांसद निशिकांत दुबे ने ट्वीट करते हुए 21 सेकंड का वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और एक महिला की आवाज है। बात ऐसी है, जिसे लिखा नहीं जा सकता है। महज 21 सेकंड के इस वीडियो की पुष्टि हालांकि लगातार न्यूज नेटवर्क नहीं करता है।

16 बच्चों ने ग्रहण किया पहला परमप्रसाद

रांची। राजधानी के लालपुर पल्ली में रविवार को 16 बच्चों ने पहला परमप्रसाद ग्रहण किया। इन बच्चों को 15 दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। कैथोलिक कलीसिया के सात संस्कार हैं। जिनमें पहले बपतिस्मा संस्कार किया जाता है। इसके बाद यूखरिस्त संस्कार, जहां परमप्रसाद का अनुष्ठान एवं वितरण किया जाता है। बच्चों ने पाप स्वीकार संस्कार में भी भाग लिया। मिस्सा समारोह में संत अल्बर्टस कॉलेज के रेक्टर फादर अजय कुमार खलखो तथा सहनुष्ठाता पल्ली पुरोहित फादर देव सहाय मिंज, सहायक पल्ली पुरोहित जॉर्ज, आसनसोल से फादर सेलूवई शामिल हुए।

चेशायर होम रोड में एक नहीं दस एकड़ जमीन बिकी, शिकायतकर्ता खुद बना था बिक्री का गवाह

जमीन को लेकर ईडी कर रही जांच

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची में चेशायर होम रोड में जिस जमीन को लेकर ईडी जांच कर रही है, उस जमीन के उसी खाते व प्लाट के बाकि नौ एकड़ जमीन की डील पूर्व में हो चुकी है। सदर थाने में शिकायतकर्ता रहा उमेश गोप ही इस मामले में जमीन की बिक्री का गवाह भी रहा है। दरअसल उमेश गोप ने शिकायत की थी कि चेशायर होम रोड के प्लाट नंबर 28 व खाता संख्या 37 की एक एकड़ जमीन की 1948 की डीड से छेड़छाड़ कर जबरन कब्जा कर लिया गया है। जांच में यह बात सामने आयी है कि इसी प्लाट नंबर व खाता की जमीन की नौ एकड़ जमीन की पूर्व में बिक्री हो चुकी है। इस पूरी जमीन पर आलीशान मकान बन चुका है।

जानिए किसके नाम से है जमीन

चेशायर होम रोड में एक ही खाते में थे 10 एकड़ जमीन

इसी जमीन के 3.52 एकड़ हिस्से की एक डीड 25 अक्तूबर 1940 की है।

जमीन के बारे में जानकारी मिली है कि यह आरएस खाता 1935 में यह जमीन जगदीश महतो, चंदन महतो, भोलो महतो सभी पुत्र हुवान महतो , कौम- अहीर के नाम पर कायमी दर्ज है। इसी जमीन के 3.52 एकड़ हिस्से की एक डीड 25 अक्तूबर 1940 की है। जब यह जमीन मेसर्स रांची जमींदारी लिमिटेड कोलकाता ने खरीदी है। इस डीड की संख्या 4449 है। कागजातों के मुताबिक, इस जमीन को बाद में रांची जमींदारी लिमिटेड कोलकाता ने 7 दिसंबर 1945 को तुलसीदास कनौजिया को बेच दी। तुलसीदास कनौजिया के द्वारा इस जमीन के 30 डिसमिल की पॉवर आफ अटार्नी बालकिशन को दी गई थी। जिसके बाद यह जमीन ताराचंद बिजौरिया ने ली थी। साल 2018 में इस जमीन की रजिस्ट्री रांची के एक चर्चित बिल्डर को की गई। तब विक्रताओं- क्रेताओं की रजिस्ट्री में उमेश गोप, पिता- जिरका गोप, शाहिद कमाल, राजीव कुमार राय, रमाकांत आनंद गवाह बने।

गवाह बने व्यक्ति ने सदर थाने में किया केस

इसी खाता व प्लाट संख्या की एक एकड़ जमीन पर अपना दावा बताते हुए उमेश गोप, पिता जिरका गोप ने सदर थाने में केस दर्ज कराया है। उमेश गोप का आरोप है कि एक एकड़ जमीन की 1948 में फर्जी कागजात बनाकर जबरन कब्जा कराया गया। उमेश की शिकायत पर ही ईडी इस मामले में मनी लाउंड्रिंग के पहलुओं पर जांच कर रही है।

केस को पुनः अनुसंधान करने का आवेदन कोर्ट में देगी पुलिस

सदर पुलिस ने जांच के क्रम में उमेश गोप के बयान पर दर्ज केस को दीवानी मानते हुए बंद करने का अनुरोध कोर्ट में किया था। जिसके बाद उमेश गोप को इस मामले में कोर्ट में पक्ष रखना था। लेकिन ईडी की जांच में आए नए तथ्यों के आधार पर रांची पुलिस इस मामले की फिर से अनुसंधान करेगी। वरीय अधिकारियों के आदेश के बाद अब केस के अनुसंधानकर्ता के द्वारा केस को पुनः अनुसंधान के लिए कोर्ट में आवेदन दिया जाएगा। कोर्ट के अनुमति से इस मामले की नए सिरे से जांच होगी।

वायर से सटने के कारण ओवरलोडिंग में हुआ शॉट सर्किट

गुमला। कामडारा प्रखंड अंतर्गत पोकला गेट रेलवे लाइन पर स्क्रैप सामग्रियों से लदा एक ट्रक का उपरी भाग ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर से सटने के कारण शॉट सर्किट हो गया। इस पर रेलवे पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया । रेलवे ने ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर के शॉर्ट सर्किट को सही कर दिया है। बताया गयाकि रविवार की सुबह लगभग साढ़े नौ बजे के आसपास एक ट्रक रायपुर से स्क्रैप लोड कर चांडिल ले जा रहा था । रास्ते में ट्रक पर ओवरलोड सामग्री बाहर निकली थी। इसी बीच कामडारा थाना क्षेत्र अंतर्गत पोकलागेट रेलवे क्रासिंग पर ओवरलोड ट्रक निकलने के दौरान ट्रक का सामान ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर से छू गया। वायर छूते ही एक जोरदार आवाज के साथ शॉट सर्किट हो गया । इस घटना एक बड़ी दुर्घटना होने से बाल-बाल बच गयी। पोकला के गेटकीपर अखिलेश तमेड़ा ने तुरंत रेलवे पुलिस को इसकी सूचना दी।

झारखंड में जातीय जनगणना को लेकर महागठबंधन एकजुट

नवीन मेल नेटवर्क। रांची

जातीय जनगणना को लेकर राहुल गांधी के एक बयान ने इस मुद्दे को बड़ा बना दिया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के एक बयान के बाद जहां झारखंड कांग्रेस जातीय जनगणना को लेकर मुखर हो गयी है, वहीं अब सहयोगी झारखंड मुक्ति मोर्चा भी खुलकर जातीय जनगणना को जरूरी बताने लगा है। पहले जातीय जनगणना पर झामुमो का स्टैंड साफ नहीं था वहीं झारखंड भाजपा जातीय जनगणना को लेकर अभी उधेड़बुन की स्थिति में दिखाई दे रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि विधानसभा से पारित विधेयकों को राजभवन लौटा रही है। उन विधेयकों को कैसे अमलीजामा पहनाया जाए, खासकर ओबीसी के आरक्षण बढ़ाने के कानून जैसे विधेयकों को। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना को लेकर अपनी सरकार से भी आग्रह करेंगे। समाज के सभी वर्गों की हिस्सेदारी तय करने के लिए जातीय जनगणना जरूरी है। जातीय जनगणना कराने को लेकर जहां सत्ताधारी दल कांग्रेस, झामुमो और राजद अब खुलकर बात कर रहे हैं, वहीं झारखंड भाजपा की स्पष्ट राय नहीं है। झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह ने कहा कि दरअसल कांग्रेस के पास कोई एजेंडा नहीं बचा है। ऐसे में वह जातीय जनगणना की बात कर रही है। पीएम मोदी की सरकार में जितना ओबीसी का कल्याण हुआ है, उतना कांग्रेस ने कभी नहीं किया। बीजेपी से जब सवाल दोहराया गया कि क्या झारखंड भाजपा भी जातीय जनगणना के पक्ष में है तो जवाब में बस इतना ही कहा गया कि हम जनता के हितों के साथ रहते हैं।

जातीय जनगणना जरूरी : झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्या ने कहा कि जातीय जनगणना जरूरी है।

झारखंड में गर्मी से 26 अप्रैल तक बनी रहेगी राहत

रांची। राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने राज्य के कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ वर्षा होने की अशांका जतायी गयी है। रांची के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि रविवार शाम को तीन घंटे तक हजारीबाग, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, रामगढ़ जिले के कुछ भागों में हल्के से मध्यम दर्जे की मेघ गर्जन तथा वज्रपात के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवा चलने की संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। रांची सहित राज्यभर में 26 अप्रैल तक बारिश होने का पूवार्नुमान है। वहीं, दूसरी ओर 24 और 25 अप्रैल को राज्य के उत्तर-पश्चिमी, दक्षिणी (पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा ,रामगढ़, सरायकेला खरसावाँ, लातेहार, लोहरदगा) तथा निकटवर्ती मध्य भागों (रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग) में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की वर्षा हो सकती है।

कई कष्टसाध्य अनुष्ठान के साथ आठ दिवसीय लोकपर्व मंडा संपन्न

दहकते अंगारों में नंगे पांव चल कर भोलेनाथ के प्रति श्रद्धा का दिया परिचय

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी

कई कष्टसाध्य अनुष्ठानों के साथ शिवोपासना का ऐतिहासिक आठ दिवसीय लोकपर्व मंडा रविवार को झूलन अनुष्ठान के साथ संपन्न हो गया। आठ दिन तक खूंटी और इसके निकटवर्ती 12 गांवों में जय जगन्नाथ, काशी विश्वनाथ, भोले शिवा मणि महेश, गया गजाधर, देवी महादेव के जयकारों से गूंजते रहे। अक्षय तृतीया के दिन महादेव मंडा परिसर में सुबह से शाम तक परंपरागत मंडा मेला का आयोजन किया गया। मेला परिसर में 30 फीट ऊंचे चरक खूंटा में बल्ली

के सहारे अनुष्ठान में शामिल भगतियों को बांध कर चारों ओर झुलाया गया। झूलन कार्यक्रम को देखने और भगतियों के फेंके जा रहे फूलों को पाने के लिए हजारों ग्रामीणों में मानो होड़ सी लग गई थी। मान्यता है कि भगतियों के फेंके गए फूलों को आंजल या हाथ में लेने से घर में सुख-शांति आती है। खूंटी के इस ऐतिहासिक मंडा पर्व को देखने और पूजा-अर्चना के लिए शहर और आसपास ग्रामीण क्षेत्रों से लोग पहुंचे। बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि खूंटी का मंडा पर्व संभवतः इस भूभाग का सबसे पुरातन धार्मिक अनुष्ठान है, जो अपनी सुचिता, तपोमय क्रियाओं एवं अनुष्ठानों को पारंपरिक परिवेश में संजोकर रखा है। इस पर्व में सदानों की अपेक्षा जनजातीय आबादी, अनुसूचित जाति व अन्य पिछड़े वर्ग के लोग ज्यादा उत्साह और धार्मिक निष्ठा से भाग लेते हैं।

कोयल रिवर फ्रंट में पैसा किसका लगा, खुलासा होना जरूरी : आजसू

मेदिनीनगर। आल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार ने कहा कि कोयल रिवर फ्रंट का उद्घाटन रविवार को कर दिया गया है। इस निर्माण में कोई एक समुदाय का पैसा लगा है या निजी फंड से निर्माण किया गया है। इसका खुलासा होना जरूरी है। आजसू के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार ने कहा कि गांधी मैदान पार्क का निर्माण निगम से कराया गया है। यह अच्छी बात है, मगर गरीबों के पहुंच से बाहर है। क्या निगम का टैक्स गरीब लोग नही दे रहे हैं। तो फिर टिकट क्यों लिया जा रहा है। आसपास के बड़ी आबादी सुबह शाम टहलने के लिए महिला पुरुष बच्चे व बुजुर्ग जाते हैं तो किराया क्यों वसूला जाएगा।

शैक्षिक परिसरों में वातावरण निर्माण पर एबीआरएसएम का जोर

रांची। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम), झारखंड की प्रांतीय बैठक रविवार को रांची विश्वविद्यालय के एचआरडीसी सभागार में आयोजित हुई। अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने की। मुख्य वक्ता एबीआरएसएम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेंद्र कपूर ने कहा कि शिक्षा में संस्कार व नैतिक मूल्यों का समावेश लाने के लिए एबीआरएसएम सक्रिय योगदान दे रहा है। कहा कि संगठन शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के साथ ही शैक्षिक परिसरों में अच्छे वातावरण का निर्माण करने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षक अध्ययन-अध्यापन के साथ समाज में अच्छे विचारों के लिए आगे आकर उनका नेतृत्व करें। एबीआरएसएम के उच्च शिक्षा प्रभारी महेंद्र कुमार ने कहा कि शैक्षिक परिसरों में स्वस्थ वातावरण निर्माण में शिक्षक अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता है और अपनी क्षमता से समाज में बदलाव के लिए उन्हें सकारात्मक प्रयास करना चाहिए।

पहाड़ से बहने वाला निर्झरनी का पानी बुझा रही है लोगों की प्यास

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

बढ़ती गर्मी के साथ ही पालकोट में पेयजल संकट गहरा गया है। सरकारी स्तर के सभी जुगाड़ गर्मी शुरू होते ही लगभग फेल हैं। ऐसी स्थिति में लोगों के लिए पालकोट ऋषिमुख पर्वत से निर्झर डोंगी व काठ डोंगी से बहने वाला पानी की धारा जीवनदायनी बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक अत्यंत पठारी इलाका होने के कारण गर्मी के आहट के साथ ही पालकोट में भूमिगत जलस्तर काफी नीचे चला जाता है । ऐसे में कम गहराई तक खुदे सरकारी चापानल लगभग फेल हो जाते हैं। पानी की सबसे ज्यादा ज्यादा विकराल समस्या पालकोट के बस स्टैंड मुख्य बाजार इलाका में है, जहां साप्ताहिक हाट ,बस

स्टैंड व मुख्य बाजार है। यहां एक भी सरकारी चापानल या जलस्रोत नही है। ऐसे में स्थानीय निवासी व होटल व्यवसाई प्राकृतिक जलस्रोत पर पूरी तरह निर्भर है । सभी को पांच सौ रुपये प्रति टेम्पू की दर से पानी खरीदना पड़ता है। पालकोट में अवस्थित इन प्राकृतिक जलस्रोत पर सुबह 3 बजे से ही लोगों की भीड़ लगने लगती है। यह भीड़ 10 बजे रात तक रहती है। एक साल पूर्व पेयजल व स्वच्छता विभाग ने करोड़ों खर्च कर पिजरा नदी में संयत्र की स्थापना कर पूरे प्रखंड मुख्यालय में पाइप लाइन बिछाया गया था, लेकिन रखरखाव के अभाव व विभाग की अदूरदर्शिता के कारण यह योजना हाथी का दांत साबित हुआ है। पेयजल की आपूर्ति नहीं होने तथा एक भी कुआं व चापाकल चालू नहीं रहने की वजह से पालकोट वासियों को पानी के लिए भारी समस्याओं का सामना करना पड़ा रहा है। वैसे में निर्झरनी का पानी ही एक मात्र सहारा रह गया है, जो मानव व पशुओं की प्यास बुझा रही है।

पलामू टाइगर रिजर्व में 15 मिनट तक भालू से लड़ता रहा रिटायर्ड जवान, रिम्स रेफर

बेतला (लातेहार) । पलामू टाइगर रिजर्व के महुआडांड़ प्रक्षेत्र में महुआ चुने रहे आईआरबी के रिटायर्ड जवान संदीप टोप्पो पर एक भालू ने हमला कर दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। 15 मिनट तक उस भालू से जान बचाने के लिए संघर्ष करता रहा। इधर, बेहतर इलाज के लिए घायल जवान को रिम्स रेफर कर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि रविवार की सुबह संदीप केवरकी के मोहराम में महुआ चुन रहा था। इस बीच एक भालू वहां पहुंच गया और उस पर टूट पड़ा। संदीप साहस का परिचय देते हुए जंगली भालू से भिड़ गया। इस बीच भालू ने उसकी एक आंख के पास नोंच लिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल रिटायर्ड जवान को बेहतर इलाज के रिम्स रेफर कर दिया गया है।

23 लाख नगद के साथ आधा दर्जन डैकतों को किया गया गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने टाटीसिल्वे थाना क्षेत्र के आनन्द नगर में पूर्व रेंजर रुद्र नरायण के यहां हुए डैकती कांड का खुलाशा कर लिया है ,इस डैकती को बिहार के एक गैंग ने अंजाम दिया था। रांची पुलिस ने बिहार पुलिस के सहायता से कांड में शमील आधा दर्जन अपराधियो को गिरफ्तार किया है साथ ही 23 लाख नगद सहित जेवरात भी बरामद किया है।

गया से हुई गिरफ्तारी: छह अप्रैल को हुई इस भीषण डैकती कांड के बाद रांची के सीनियर एसपी किशोर कौशल ने एक स्पेशल टीम का गठन कर अपराधियों की गिरफ्तारी का टास्क दिया था। जांच के क्रम में स्पेशल टीम को यह सूचना मिली कि इस डकैती को बिहार के गया जिले के कुछ अपराधियों ने अंजाम दिया है। सटीक सूचना मिलने पर रांची पुलिस की एक टीम गया में कैंप कर रही थी। स्थानीय पुलिस की सहायता से रांची पुलिस की टीम ने गया जिले के अलीपुर थाना क्षेत्र के मुखदमपुर एवं शादीपुर में छापेमारी कर तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया जिनमें कविंद्र महतो ,शाहनवाज अंसारी और सुरेंद्र चौधरी शामिल है। तीनो अपराधियो की गिरफ्तरी के बाद पुलिस ने उनसे पूछताछ के आधार पर अन्य चार अपराधियो को भी गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार अपराधियो के पास से पुलिस अब तक 20 लाख रुपये से ज्यादा नगद बरामद कर चुकी है।

क्या है घटना : गौरतलब है कि छह अप्रैल को आठ की संख्या में पूर्व रेंजर रुद्र नरायण घर पर आठ हथियार बंद अपराधियो ने धावा बोल कर परिवार वालों को बंधक बनाकर 50 लाख से ज्यादा की डकैती की थी।

लापरवाही | सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल झेल रहा सरकारी दंश

तीन साल बाद भी नहीं हुआ चालू

नवीन मेल संवाददाता। दुमका

जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर तीन वर्ष पहले राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के द्वारा लगभग 20 करोड़ की लागत से एक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण कराया गया था। 2021 में कोरोना की दूसरी लहर के समय आनन-फानन में इसमें सारे उपकरण लगाए गए, जिसमें बड़ी राशि खर्च भी हुई। इसके बावजूद आज तक यह हॉस्पिटल चालू नहीं हुआ। जाहिर है लोगों को जो स्वास्थ्य सुविधा पाने की उम्मीद थी, वह भी पूरी नहीं हुई। क्या है पूरा मामलाः जब भी कोई जनकल्याणकारी योजना की रूपरेखा तैयार होती है। उसके निर्माण में बड़ी राशि खर्च होती है। इसके बाद उम्मीद की जाती है कि जिन उद्देश्यों के लिए ये राशि खर्च हो रहे हैं, वो पूरे होंगे। लोगों को

इसका लाभ मिलेगा, लेकिन कभी-कभी योजना पूरी तो हो जाती है पर वह धरातल पर नहीं उतरती। इसका बड़ा उदाहरण है, दुमका जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर एनएचएम द्वारा बना सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल। इसकी आधारशिला 2017-18 में रखी गई थी। लगभग 20 करोड़ की राशि से इसे बनना था। 2020 में यह बनकर तैयार भी हो गया और कोरोना की दूसरी लहर 2021 में इसमें बेड और आधारभूत संरचना के साथ अन्य जरूरी उपकरण लगाये गए। लोगों को उम्मीद थी कि यह हॉस्पिटल अब चालू रहेगा, लेकिन सरकारी उदासीनता का आलम यह है कि आज तक यह चालू ही नहीं हुआ।दुमका और गोड्डा दो जिलों के बीच में बना है यह अस्पतालः बता दें कि सरैयाहाट प्रखंड के हंसडीहा बाजार में बना यह अस्पताल दुमका और गोड्डा दो जिलों की सीमा पर है। अगर यह अस्पताल चालू होता तो दोनों जिला के लोगों को इसका लाभ मिलता। इस इलाके की बड़ी आबादी अगर गंभीर रूप से बीमार पड़ती है या फिर यहां कोई सड़क दुर्घटना होती है तो उन्हें या तो दुमका मेडिकल कॉलेज अस्पताल या फिर देवघर ले जाया जाता है। अगर हंसडीहा का यह अस्पताल चालू हो जाए तो मरीजों को इतनी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी और उन्हें तत्काल चिकित्सीय सुविधा प्राप्त हो सकती है। इस अस्पताल के अब तक चालू नहीं हो पाने के संबंध में हमने दुमका जिला परिषद के उपाध्यक्ष सुधीर मंडल से बात की। उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते जब भी मैं उस क्षेत्र में जाता हूं तो लोग इस अस्पताल को चालू कराने की मांग करते हैं। यह अस्पताल चालू होना काफी आवश्यक है। जिला परिषद के बोर्ड की आगामी बैठक में इस पर संज्ञान लेकर इससे संबंधित प्रस्ताव सरकार को भेजा जाएगा, ताकि जल्द से जल्द यह चालू हो सके।

ट्रिपल आईटी रांची में रिक्तियों के लिए आवेदन 28 तक आमंत्रित

रांची। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी), रांची में ग्रुप-ए, ग्रुप-बी व ग्रुप-सी में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवेदन 28 अप्रैल तक आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अंतिम तिथि को शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। जिन पदों के लिए रिक्तियां आई हैं, उनमें ग्रुप ए में- असिस्टेंट एक्जीक्यूटिव इंजीनियर (सिविल)- एक पद (अनारक्षित), ग्रुप बी में- जूनियर इंजीनियर इलेक्ट्रिकल, जूनियर अकाउंट्स ऑफिसर, जूनियर सुपरिंटेंडेंट परचेज, जूनियर सुपरिंटेंडेंट स्टैबलिशमेंट, जूनियर टेक्निकल सुपरिंटेंडेंट नेटवर्किंग, जूनियर सुरिंटेंडेंट लाईब्रेरी के लिए एक-एक रिक्त पद पर अनारक्षित वर्ग में नियुक्ति होनी है। जबकि, ग्रुप सी में जूनियर असिस्टेंट में 3 अनारक्षित और एक ओबीसी वर्ग में और जूनियर टेक्निशियन में- एक अनारक्षित वर्ग में नियुक्ति होनी है।

अंग्रेजों से लोहा लेने वाले बाबू कुंवर सिंह की याद में विजय उत्सव मनाया गया

लोहरदगा। जिले के भंडरा प्रखंड के ग्राम भैसमुन्दो के समुदायिक भवन में क्षत्रिय महासभा ने रण बाकुरा बाबू वीर कुंवर सिंह की याद में विजय उत्सव मनाया गया। रविवार को विवेक सिंह की अध्यक्षता में आयोजित विजय उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ बालकृष्णा सिंह ने माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर पर उन्होंने बालकृष्णा सिंह ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह 80 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। उन्होंने कभी अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं की। इस उम्र में उन्होंने तत्कालीन पूरे बिहार के क्षत्रियों को एकजुट कर आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों से लोहा लिया था और तत्कालीन बिहार के अपने साम्राज्य क्षेत्र से उन्होंने अंग्रेजों को भागने पर मजबूर कर दिया था। युद्ध के दौरान गंगा पार करने के दौरान उनके हाथ में अंग्रेजों की गोली लग गई थी। इसके बाद उन्होंने भारत माता की जय करते हुए अपना हाथ खुद अपनी तलवार से काट कर गंगा मैया को समर्पित कर दिया था। उनके विचारों और साहसिक कदम को हमारे आने वाली पीढ़ियों को जानना चाहिए।

सूरजकुंड धाम में धूमधाम से मनी भगवान परशुराम की जयंती

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा
प्रखंड क्षेत्र के ऐतिहासिक धार्मिक पर्यटन स्थल सूर्यकुण्ड धाम परिसर में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरे धूमधाम से परशुराम जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मुखिया बेडोकला तुलसी पाण्डेय,जिप सदस्य प्रतिनिधि चंद्रकांत पाण्डेय, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि धीरेंद्र पाण्डेय, गोविंद पाण्डेय,प्रमोद पाण्डेय के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया एवं कार्यक्रम स्थल में उपस्थित लोगों के द्वारा विष्णु भगवान के छठे अवतार भगवान परशुराम के चित्र पर बारी-बारी से माल्यार्पण कर किया गया।वंही गणमान्य प्रबुद्धजनों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित वक्ताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि धरती पर अन्याय के खिलाफ भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम भगवान नें शस्त्र ओर शास्त्र का ज्ञान दिया। वही जिप प्रतिनिधि चंद्रकांत पांडेय ने कहा कि भगवान परशुराम की जीवनी हमें अन्याय के खिलाफ लड़ने सिखाती है और अन्याय को सहने वाला भी दोषी ही माना जाता है । कार्यक्रम में जीतन पाण्डेय नरेश पाण्डेय, रामतीर्थ पाण्डेय, संजय पाण्डेय, सुनील पाण्डेय, शिशिर पाण्डेय, विनय पाण्डेय, बीरेंद्र पाण्डेय, आदित्य पाण्डेय, रोहित लाल तिवारी, देवेन्द्र पाण्डेय, तरूण पाण्डेय, मुकेश कुमार पाण्डेय, अजीत कुमार पाण्डेय, अनुज पाण्डेय, सुरेश कुमार पाण्डेय, आशिष कुमार पाण्डेय, संतोष कुमार पाण्डेय, अभय कुमार पाण्डेय, सोनू पाण्डेय, बब्लू पाण्डेय, श्याम किशोर पांडेय समेत दर्जनों की संख्या लोग उपस्थित थे।

उज्जवला फाउंडेशन की मासिक बैठक

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
उज्जवला फाउंडेशन की मासिक समीक्षात्मक बैठक बोंगाबार फोरलाइन स्थित मोतीराम कॉम्प्लेक्स में 23 अप्रैल को संपन्न हुई। अध्यक्षता सांसद प्रतिनिधि सह फाउंडेशन के अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने किया। बैठक में सभी पंचायत स्तर के सदस्यों को मांडू प्रखंड अंतर्गत हर पंचायत से तीस-तीस महिलाओं को फाउंडेशन से जोड़ने की बात कही गयी। फाउंडेशन को हर प्रकार से मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया। जगेश्वर प्रजापति ने कहा कि फाउंडेशन का जिस रफ्तार से विकास हो रहा है आने वाले समय में इससे जुड़ने वाली हर महिला को लाभ मिलेगा। बैठक में शीला कुमारी, आशा कुमारी, शांति देवी, मनसरी देवी, कौशल्या देवी, सुमन देवी, मीनू देवी, संगीता देवी, मीना देवी रीना देवी बिंदु देवी पद्मिनी देवी आदि मौजूद थे।

रामगढ़- बोकारो मुख्य मार्ग पर दो ट्रक भिड़े

सड़क हादसे में दो की मौत

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग के धमनाटांड़ गांव के के निकट 22 अप्रैल की देररात दो एलपी ट्रक की सीधी टक्कर हुई ।इस घटना में दोनों वाहन फंस गए। दुर्घटना में दोनों चालकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना की सूचना स्थानीय लोगों द्वारा गोला पुलिस को दी गई। सूचना के बाद ड्यूटी पर तैनात एएसआई गिरिश महतो व सुरेश मलिक घटनास्थल पर पहुंचे और जेसीबी मशीन मंगवाकर फंसे दोनो वाहनों को अलग किया गया। साथ ही वाहनों के केविन में फंसे चालकों के शव को गैस कट्टर से काटकर बाहर निकाला गया। जिसके बाद दोनो चालकों के शव को पुलिस अपने कब्जे में कर थाने ले गई। मृतक दोनों चालकों की पहचान विरेन्द्र कुमार राम उम्र 36वर्ष पिता सुखदेव राम इटखोरी चतरा व रामप्रवेश यादव उम्र 35 वर्ष पिता गाजो यादव कोशीरुखी नवादा बिहार निवासी के रूप में की गई। घटना के संबंध में बताया गया कि एलपी ट्रक संख्या जेएच 02 बीके 9780 कोयला लादकर रामगढ़ की ओर से बंगाल जा रहा था। इसी दौरान बोकारो से सिमेंट लादकर रांची जा रहे एलपी ट्रक संख्या जेएच 09 बीसी 4187 की सीधी टक्कर उक्त स्थल पर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। वहीं दोनों चालक वाहनों में ही घंटों तक फंसे रह गए। एएसआई गिरिश महतो ने बताया कि चालकों की जान बचाई जा सकती थी ।

ईद उल फितर का पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न

इमाम ने अमन-चैन की मांगी दुआएं

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा
बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में ईद उल फितर का पर्व हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। रजा जामा मस्जिद बरकट्ठा के इमाम मौलाना अताउल रहमान ने सुबह 9 बजे ईद की नमाज अदा कराई। इमाम ने मौके पर क्षेत्र में अमन-चैन और शांति के लिए दुआएं मांगी। कहा की ईद का पर्व आपसी भाईचारे के साथ सभी गिले शिकवे को भूलकर मिलजुल कर मनाने का पैगाम लेकर आती है। नमाज के बाद लोगो ने एक दुसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईद को लेकर मस्जिद की रंग रोगन और फूलों से आकर्षक ढंग से सजावट किया गया। पर्व को लेकर झामुमो जिला उपाध्यक्ष यासिन खान के कोनहराखुर्द स्थित आवास पर ईद मिलन समारोह का आयोजन किया।जिसमें बड़ी संख्या में दोनो समुदाय के लोग शामिल हुए। पर्व के मौके पर बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव, जिप सदस्य कुमकुम देवी, प्रेरणा प्रिया, पूर्व जिप सदस्य दयमंती देवी, अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद, पूर्व प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष बसंत साव, दर्शन सोनी ने मुस्लिम समुदाय के लोगों को बकरीद की शुभकामनाएं दी है। बरकट्ठा के अलावा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सक्रेज, घंघरी, तरबेचवा, मेरमगड्डा, कोनहराखुर्द, शिलाडीह, बरवां, जमुआ, कोनहरा कला, बेड़ोकला गांव में भी लोगों ने ईद उल फितर की नमाज शनिवार को मस्जिदों में अदा किया।

ईद को लेकर मस्जिदों में हैलोजन का वितरण

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा
बरकट्ठा जिला परिषद सदस्य प्रेरणा प्रिया, समाजसेवी सी के पाण्डेय, मुखिया सुमन कुमार, मुखिया अब्बास अंसारी, पूर्व मुखिया मोइन अंसारी, पूर्व मुखिया गुड्डी देवी ने ईद के अवसर पर बरकट्ठा प्रखण्ड अंतर्गत शिलाडीह, बनवारी, बण्डासिंघा, बरकट्ठा, कोनहारा खुर्द, कोनहारा, घंघरी के लगभग सभी मस्जिदों में एलईडी लाइट हैलोजन का वितरण किया। इस अवसर पर जिप सदस्य प्रेरणा प्रिया ने कहा कि सभी धर्मों का सम्मान करना हमारा कर्तब्य है। कहा कि अपने शुभचिंतकों के सहयोग से श्रावण माह तक जिला परिषद बरकट्ठा दक्षिणी क्षेत्र के लगभग सभी धार्मिक स्थलों में एलईडी लाइट हैलोजन लगा दिया जाएगा। मस्जिदों में लाइट दिए जाने से लोगों ने जिप सदस्य का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर समाजसेवी सी के पाण्डेय, झुरझुरी मुखिया सुमन कुमार, बरकट्ठा मुखिया अब्बास अंसारी, पूर्व मुखिया बेलकप्पी गुड्डी देवी, कोनहारा खुर्द पूर्व मुखिया मोइन अंसारी, समाजसेवी अर्जुन राणा, उप मुखिया नेजाम सहजाद, समाजसेवी रिंकू माली, इस्त्राफील आलम, सलाउद्दीन अंसारी, आफताब आलम, असरफ अंसारी, आफताब अंसारी, मुजीब अंसारी, हैदर अंसारी, मुमताज अंसारी, बदरुद्दीन अंसारी, कौशर अंसारी, सरफराज अंसारी, जमीला खातून, आबिद अंसारी, नान्हू अंसारी, मुख्तार अंसारी, समसुद्दीन अंसारी, बासिर मियाँ, इमाम मुज्जफर हुसैन समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

शहर व आसपास के क्षेत्रों में बारिश से तापमान में आई गिरावट, लोगों को मिली राहत

रामगढ़। शहर व आसपास के क्षेत्रों में 23 अप्रैल को हुई बारिश से तापमान में गिरावट आई। जिससे लोगों को उमस भरे गर्मी के मौसम में राहत मिली। पिछले कुछ दिनो से जिले के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही थी। तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं, रविवार को हुई बारिश के बाद तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। जिससे लोगों को काफी राहत मिली।

रामगढ़ में मना भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

रामगढ़। रामगढ़ नगर परिषद के वार्ड नंबर 32 स्थित दुर्गा मंदिर कुरूम के प्रांगण में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अवधेश सिंह ने किया। मौके पर उन्होने भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कहा की भगवान परशुराम ने एक ऐसे आदर्श समाज का निर्माण किया था। जहां हर व्यक्ति बिना किसी भय के रहता था। अवधेश ने कहा की भगवान परशुराम ने कमजोरों की मदद करने और आपस में मिलजुलकर रहने का संदेश दिया था. जिसे हम सबको साकार करना है। कार्यक्रम में सीताराम सिंह, अमित कुमार सिंह, ललन कुमार सिंह, खुश कुमार, मुकेश सिंह, गौतम सिंह, राहुल सिंह, श्रीकांत सिंह, राजकुमार सिंह, पंकज सिंह, अमित सिंह, आनंद सिंह, सुमंत सिंह, बलवंत सिंह, उज्जवल सिंह, निक्कू सिंह,टूटून, अनुभव, देव, गुलन, आजाद सहित कई अन्य लोग शामिल हुए।

सुधीर मंगलेश बने कांग्रेस के रामगढ़ जिला सचिव

रामगढ़। रामगढ़ के दुलमी प्रखंड के रहने वाले सुधीर मंगलेश को कांग्रेस पार्टी का जिला सचिव बनाया गया हैं। जिला सचिव बनाये जाने पर सुधीर मंगलेश ने कांग्रेस नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वो अपने काम को इमानदारी पूर्वक करेंगे। साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी व कांग्रेस की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का काम करुंगा। सुधीर मंगलेश को जिला सचिव बनने पर पूर्व मुखिया हरिवंश महतो, विरेन्द्र महतो, सुनिल महतो, सुरज महतो, मुखलाल महतो, कुंवर महतो, बाबूराम महतो, रामधृत महतो, अजय बेदिया, पप्पू महतो, विकास राम महतो, सुभाष महतो, फलेन्दर महतो, छोटन कुमार सहित कई लोगों ने बधाई दी।

वर्ड पावर चैंपियनशिप प्रतियोगिता में ऋषभ प्रसाद बने उपविजेता

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा
विगत 20 अप्रैल को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची एवं निहार शांति पाठशाला फनवाला के संयुक्त तत्वाधान में रांची में राज्य स्तरीय वर्ड पावर चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राज्य भर से ऑनलाइन 1लाख 57 हजार 4 सौ 53 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। वहीं सेमी फाइनल राउंड में 48 बच्चे शामिल हुए जिन्हें रांची बुलाकर प्रतियोगिता कराया गया। जिसमें 4 बच्चों को उपविजेता के रूप में चयन किया गया। इन 4 बच्चों में ऋषभ प्रसाद वर्ग 4, पिता धनेश्वर प्रसाद महतो, मध्य विद्यालय (बरकट्ठा) गैड़ा शामिल रहे। उक्त विद्यालय के शिक्षक धनेश्वर प्रसाद महतो ने बताया कि विजेता के रूप में कुल 4 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। सेमीफाइनल में पहुंचे 48 बच्चों में मध्य विद्यालय (बरकट्ठा) गैड़ा की छात्रा प्रिया कुमारी, पिता मनोज कुमार राणा भी शामिल रही। विदित हो कि उक्त परीक्षा में अंग्रेजी विषय में रीडिंग राउंड ,स्पेलिंग राउंड एवं बजर राउंड किया गया ।उपविजेता ऋषभ प्रसाद को किरण कुमारी पासी, निदेशक जेईपीसी रांची , झारखंड के द्वारा साइकिल, स्कूल किट एवं विद्यालय को स्पोर्ट किट उपहार स्वरूप दिया गया तथा सेमीफाइनल राउंड तक पहुंची प्रिया कुमारी को साइकिल छोड़कर अन्य उपहार निदेशक द्वारा दिया गया।

वीर कुंवर सिंह की दिलेरी आज भी देती है प्रेरणा : सांसद

रामगढ़। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में विजय दिवस का आयोजन कर स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में सबसे पहले बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इसके बाद सुभाष चौक से लेकर क्षत्रीय धर्मशाला तक एक शोभायात्रा निकाली गई। क्षत्रीय धर्मशाला के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी, विशिष्ट अतिथि कुमार महेश सिंह शामिल हुए। सभी अतिथियों का स्वागत पगड़ी पहनाकर और तलवार भेंट कर किया गया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के रामगढ़ जिला अध्यक्ष सरोज सिंह, प्रदेश अध्यक्षा झारखंड क्षत्रिय महिला महासभा पूनम सिंह, महासचिव रेणु सिंह, जिलाध्यक्ष सुधा सिंह, महासचिव प्रतिमा सिंह, अमरजीत सिंह, अखिलेश सिंह, प्रमोद सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

ग्रामीणों ने कंपनी प्रबंधन से की मन की बात

नवीन मेल संवाददाता। बड़कागांव
गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत प्रभावित गांव के ग्रामीणों के साथ एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। बड़कागांव स्थित अदानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड के कार्यालय में आयोजित इस परिचर्चा में गोन्दलपुरा, गाली, बलोदर, हाहे और फुलांग समेत अन्य कई गांव के लोग शामिल हुए। परिचर्चा में महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। करीब चार घंटे से अधिक समय तक चले इस कार्यक्रम में ग्रामीणों ने विभिन्न तरह की अपनी आशंकाओं को रखा, जिसपर कंपनी प्रबंधन ने जवाब दिया और उनकी आशंकाओं को दूर किया। परिचर्चा के दौरान ग्रामीणों और रैयतों ने कंपनी प्रबंधन से पूछा कि उन्हें जमीन के बदले मुआवजे की राशि कितनी मिलेगी। चूंकि परियोजना के लिए जमीन देनी होगी, इसलिए रोजगार के क्या वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। कुछ ग्रामीणों ने कहा कि गैर मजरुआ भूमि के लिए जमीन की रसीद नहीं कट रही है, ऐसी स्थिति में क्या दूसरा रास्ता निकलेगा, जो लाभप्रद हो। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि मुआवजे और नौकरी में स्थानीय को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। ग्रामीणों ने कंपनी प्रबंधन से मुआवजे और पेंशन की राशि और कंपनी प्रबंधन की ओर से मिलने वाले रोजगार में आरक्षण की भी जानकारी ली। मौके पर मौजूद युवाओं ने कंपनी प्रबंधन से पूछा उनके लिए कंपनी के पास क्या योजना है। वो युवा हैं, कई पढ़े-लिखे भी हैं, उन्हें कैसे प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वो स्व-रोजगार कर सकें। कुछ युवाओं ने स्थानीय स्तर पर खेल को बढ़ावा देने की मांग की। युवाओं ने कहा कि इलाके में खनन होना तय है, इसलिए उन्हें अभी से ही माइनिंग का प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि खनन शुरू होते ही उन्हें रोजगार मिल सके। महिलाओं ने कहा कि खनन में वो काम नहीं करेंगी, इसलिए उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाए।

कोडरमाः स्कॉर्पियो वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने किया खुलासा

कोडरमा। कोडरमा के तिलैया थाना क्षेत्र के पूर्णिमा टॉकीज के सामने गैरेज में खड़ी स्कॉर्पियो वाहन को चोरी करने वाले गिरोह में शामिल एक अपराधी को तिलैया पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 20 अप्रैल की रात पूर्णिमा टॉकीज के सामने से स्कॉर्पियो की चोरी हुई थी। जिसके बाद 21 अप्रैल की सुबह वाहन के मालिक श्याम सुंदर के द्वारा इसकी शिकायत की गई थी। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम बनाकर मामले का अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच करते हुए, एक ऑल्टो कार संख्या बीआर 1 एएच 9365 पर सवार कुछ युवकों को स्कॉर्पियो चोरी करते देखा गया। जिसके बाद पुलिस ने बिहार के वैशाली जिले में छापेमारी कर चोरी की घटना में शामिल दीपक कुमार के घर से चोरी में उपयोग किए गए ऑल्टो कार को बरामद किया।

पूजा-अर्चना श्रीश्री 1008 पंचमुखी हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ की तैयारी पूरी

कलश यात्रा के साथ 11 दिवसीय महायज्ञ आज से

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
श्रीश्री प्राचीन मां पंच बहिनी मंदिर विकास समिति लबगा द्वारा श्रीश्री 1008 पंचमुखी हनुमत प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ की तैयारी पूरी कर ली गई है। महायज्ञ को ले पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा है। 11 दिवसीय महायज्ञ का शुभारंभ 24 अप्रैल को कलश यात्रा के साथ होगा। पतरातू डैम फाटक के बगल में भव्य हनुमान मंदिर बनकर तैयार है। समिति के लोग जनसम्पर्क अभियान चलाकर श्रद्धालुओं से महायज्ञ में शामिल होकर पुण्य के भागीदार बनने की अपील कर रहे हैं। समिति के लोगो ने बताया की महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन संध्या 6 बजे आरती के बाद प्रवचन, रास-लीला के साथ साथ भंडारा होगा। पंडित सह आचार्य शशि मिश्रा के देखरेख में धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न होंगे। महायज्ञ की सफलता को ले सरंक्षक रंजीत यादव व दीनानाथ साहू, अध्यक्ष नन्दलाल महतो, कार्यकारी अध्यक्ष बादल पाहन, सचिव सुरेश गोप, कोषाध्यक्ष कैलाश मुंडा, संयोजक रामेश्वर गोप, उप संयोजक छठु प्रसाद, सह संयोजक डोमन महतो, उप कोषाध्यक्ष संदीप यादव, उपाध्यक्ष मनोज यादव, विजय साव, दिलीप साव, लखन मुंडा, अभिषेक नागवंशी, कन्हैया, उप सचिव राहुल कुशवाहा, कृष्णा प्रसाद, प्रिन्स, विनोद यादव, सागर मुंडा सहित महिला कमेटी की नीरू देवी, मंजू देवी, अनिता देवी मौजूद थे।

विधायक सुनीता चौधरी ने किया दिलीप इंटरप्राइजेज का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
नगर परिषद क्षेत्र के कोठार में दिलीप इंटरप्राइजेज का उदघाटन 23 अप्रैल को बतौर मुख्य अतिथि रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी ,नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। मौके पर सुनीता चौधरी ने कहा कि एग्रो दुकान खुलने से आसपास क्षेत्र के किसान भाईयों को काफी लाभ होगा । उन्होने बताया कि मजदूरों की समस्या से निपटने के लिए देश के कृषि वैज्ञानिक और इंजीनियर भी तरह-तरह के अविष्कार करते रहते हैं। अब खेतों की सभी सामयिक क्रियाएं ठीक से हो सकें इसके लिए भूमि की जुताई के लिए कृषि यंत्र, खेत तैयार करने वाले कृषि यंत्र,छोटे किसानों के लिए कृषि यंत्र आदि तमाम तरह की खेती में काम आने वाले उपकरण और खेती के नए औजार इस दुकान में उपलब्ध हैं। मौके पर आजसू पार्टी नगर परिषद सचिव राजेन्द्र महतो, विभन सिंह, सुखदेव महतो, नीरज मंडल, महिला नगर अध्यक्ष अनुपमा सिंह, सुरेंद्र महतो, उमेश महतो, दुकान संचालक दिलीप कुमार, राहुल कुमार, भुनेश्वर मिश्रा, राकेश कुमार, देवनारायण, विक्रमजीत सिंह, किशोर बनर्जी आदि उपस्थित थे।

वीर कुंवर सिंह का विजयोत्सव मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता। भंडरा

रणबांकुरा बाबू वीर कुंवर सिंह जी का विजय उत्सव ग्राम भैसमुन्दो के समुदायिक भवन में क्षत्रिय महासभा द्वारा विवेक सिंह की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बालकृष्णा सिंह के द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर उन्होंने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह 80 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों के दांत खट्टे किए थे। उन्होंने कभी अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं की। इस उम्र में उन्होंने तत्कालीन पूरे बिहार के क्षत्रियों को एकजुट कर आजादी की लड़ाई में कूदा और अंग्रेजों के दांत खट्टे किए। तत्कालीन बिहार के अपने सम्राज्य क्षेत्र से उन्होंने अंग्रेजों को भागने पर मजबूर किया। युद्ध के दौरान गंगा पार करते हुए उनके हाथ में अंग्रेजो के द्वारा चलाई गई गोली लगी। तब उन्होंने भारत माता की जयघोस करते हुए अपने हाथ खुद अपने तलवार से काटते हुए गंगा मैया को समर्पित कर

दिया। उनके विचारों और साहसिक कदम को हमारे आने वाली पीढ़ियों को जानना चाहिए ताकि समय-समय पर अपने पूर्वजों की वीर गाथा को जान सके और लोगों को बता सकें। इस अवसर पर बालकृष्णा सिंह, अभिषेक सिंह, विवेक सिंह, आनंद सिंह, मधुसूदन सिंह, अटम सिंह, सूरज, राजेश, सुदन, मनोज, संध्या कुमारी, रूपेश सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

बाल विवाह रोकथाम व ट्रैफिकिंग को लेकर किया जागरूकता

बांसजोर। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन एवं छोटा नागपुरी कल्याण निकेतन सिमडेगा एवं बांसजोर के थाना प्रभारी के सहयोग से रविवार को बाल विवाह की रोकथाम एवं अक्षय तृतीया और ईद के मद्देनजर थाने में बैठककी गई। इसमें थाना प्रभारी के साथ थाने के कर्मचारी मौजूद थे। सभी को बाल मजदूरी, यौन उत्पीड़न, 18 साल से कम आयु की बच्चियों एवं बच्चों को लेकर जागरूकता जागरूक किया गया। बताया कि लोगों को टोल फ्री नंबर चाइल्ड लाइन 1098 पर कॉल करके बच्चियों को बाल विवाह और दूसरों के चंगुल में फंसे बच्चियों में माताओं को मदद पहुंचाया जा सके।

बोलबा प्रखंड के अलिंगुड गांव में मनाई गई वीर कुंवर सिंह जयंती

नवीन मेल संवाददाता। बोलबा

बोलबा प्रखंड के अलिंगुड गाँव के चबूतरे पर बीर कुंवर सिंह की जयंती मनाई गई। इस मौके पर समाज के सदस्य लखन सिंह, गौरी शंकर सिंह एवं विश्वा सिंह ने संयुक्त रूप से बाबू बीर कुंवर सिह के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इसके साथ ही उनके जीवनी पर प्रकाश डाला गया।

बताया गया कि उनका जन्म बिहार के भोजपुर जिला के जगदीशपुर मे जन्म हुआ था। उन्होने अस्सी वर्ष की उम्र मे ईस्ट इन्डिया कंपनी के अंग्रेजी हुकूमत से लोहा लिया था। पहली स्वतंत्रता संग्राम 1857 के जिसे सिपाही विद्रोह कहा जाता है। उसमें बिहार का प्रतिनिधित्व किया था। यही प्रयास को आगे बढाते हुए भारत को 1947 मे अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली। आज भी हमारे समाज को उनके आदर्शों से शिक्षा लेनी है। इस मौके पर कार्यक्रम मे लखन सिंह, गौरीशंकर सिंह, विश्वा सिंह, दीपक सिंह, नान्हू सिंह, विदुर सिंह, विजय कुमार सिंह, सोनू प्रधान एवं सुरेश महतो व अन्य समाज के सदस्य मौजूद थे।

NEWS इन ब्रीफ

निकाली गई स्वच्छता पर जागरूकता रैली

बोलबा। बोलबा प्रखंड मुख्यालय में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर स्वच्छता पर जागरूकता रैली निकाली गई। इस मौके पर समसेरा पंचायत के मुखिया सुरजन बड़ाईक, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के वार्डन कमला कुमारी आदि मौजूद थे।

डायोसिस संडे स्कूल दिवस का आयोजन

बानो। सीएनआई चर्च बानो में डायोसिस संडे स्कूल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में पुरोहित जैकलीन बोदरा, जिला परिषद बिरजो कंडुलना, संडे स्कूल के अधीक्षक अनूप मिंज, उकौली मुखिया कृपा हेमरोम, आमुस कंडुलना उपस्थित थे।

समिति का विस्तार

सिमडेगा। सिमडेगा में रविवार को राष्ट्रीय परशुराम सेना भार्गव के सिमडेगा जिला कार्यकारी कमेटी का विस्तार किया गया। इसमें बुद्धिजीवी मंच जिला अध्यक्ष लाल बाबा, जिला कार्यकारी जिलाध्यक्ष चंदन प्रसून, सिमडेगा जिला कार्यकारी सचिव उदय पाठक, सिमडेगा जिला संरक्षक रणधीर रंजन, सिमडेगा जिला संगठन प्रभारी धनंजय सिंह, सिमडेगा जिला महामंत्री निरंजन सिंह को बनाया गया।

आदिवासी लोहरा समाज की हुई बैठक

कोलेबिरा। प्रखंड के नवाटोली बगीचा में रविवार को आदिवासी लोहरा समाज की एक बैठक हीरा राम आदिवासी लोहरा समाज के जिला उपाध्यक्ष के अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य रूप से गुमला और सिमडेगा जिले के संयुक्त वार्षिक सम्मेलन एवं जाति प्रमाण पत्र निर्गत होने में हो रही परेशानी पर चर्चा की गई।

कब्रिस्तान घेराबंदी को लेकर हुई बैठक

कुरडेग। प्रखंड के सरईपानी जीएल चर्च कब्रिस्तान घेराबंदी के संबंध में रविवार को ग्रामीणों की बैठक हुई। इसमें बताया गया कि कब्रिस्तान में वर्तमान स्वरूप आगामी दिनों में दफनाने के लिए बिल्कुल जगह नहीं है। चारों ओर गैरमजरूआ जमीन जो है उसे शामिल करते हुए कब्रिस्तान की भूमि का विस्तार किया जाएगा और भूमि की मापी कराते हुए घेराबंदी कराई जाएगी।

शव मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी

सरहुल देखने आई वृद्ध महिला की सड़क दुर्घटना में हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा थाना क्षेत्र के मुर्की तोड़ार पंचायत अन्तर्गत तोड़ार पखन टोली ग्राम में वृद्ध महिला का शव मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना सेन्हा थाना प्रभारी को दी गई। घटना की सूचना पर धनंजय कुमार पासवान एवं पु0आ0नि0 संतोष कुमार दलबल के साथ घटना स्थल पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल लोहरदगा भेजा गया। साथ ही जांच में पुलिस जुट गई। शव की पहचान डोका निवासी स्व. रोजना उराँव की 76 वर्षीय पत्नी एते उराइन के रूप में की गई। बताया जाता है कि वृद्ध महिला तोड़ार ग्राम में सरहुल देखने आई हुई थी। देर शाम तक उसे गांव में देखा गया था, परंतु घर जाने के दौरान किसी गाड़ी की चपेट में आने से उसकी मौत घटना स्थल पर हो गया। बता दें कि शव के दोनो हाथ में गम्भीर चोट के निशान हैं। साथ ही अंदरूनी चोट होने की बात कही जा रही है। वहीं थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान ने कहा कि शव को देखने से प्रथम दृष्टया सड़क दुर्घटना में मौत होने की संभावना लग रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम के पश्चात ही मौत होने का कारण पता चल पायेगा। शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज पुलिस अग्रतर कारवाई में जुटी हुई है।

बूढ़ा पहाड़ में भंवर मधुमक्खी के काटने से एक महिला गंभीर

नवीन मेल संवाददाता। बोलबा

बोलबा प्रखंड के अवगा बूढ़ा पहाड़ गांव में भंवर मधुमक्खी के काटने से एक महिला हुई गंभीर रूप से घायल हो गयी। उसे इलाज के लिए बोलबा अस्पताल लाया गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह 9:00 बजे बूढ़ा पहाड़ गांव की एक महिला सफिरा केरकेट्टा एवं उसका पति अजीत केरकेट्टा ने बूढ़ा पहाड़ जंगल की ओर चिरौंजी तोड़ने गया था। इसी क्रम में भंवर मधुमक्खी ने हमला कर दिया। इसमें सफिरा केरकेट्टा उम्र 40 वर्ष ने गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मौके पर घायल कोई इलाज के लिए तत्काल ग्रामीणों की सहायता से अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर देबातोष भुटिया की देखरेख में इलाज चल रहा है बताया गया कि भंवर मधुमक्खी बुढ़ापहाड़ जंगल से अस्पताल तक पीछा करते हुए कुछ संख्या में अस्पताल के अंदर भी घुसते देखा गया। मरीज की हालत में कुछ सुधार आया है।

कुजाम, चिरोडीह माइंस में लोडिंग कार्य एवं कांटा बंद रहेगा : एसो.

लोहरदगा। लोहरदगा गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों की एक बैठक पतराटोली में संपन्न हुई। इसमें इस बात पर चर्चा की गई कि हिंडाल्को कंपनी अपने तय किए गए वादे से मुकर रही है एवं तानाशाही रवैया अपना रही है, जिसके विरोध में कुजाम एवं चिरोडीह माइंस में 22 अप्रैल से जो कांटा जाम किया गया है, वह अनिश्चितकाल के लिए जारी रहेगा और लोडिंग कार्य भी 24 अप्रैल से अनिश्चितकालीन बंद रहेगा। इसके अलावा हिंडाल्को कंपनी अगर 26 अप्रैल तक एसोसिएशन की मांगों को नहीं मानती है तो उसके बाद अम्तिपानी एवं विमरला के ट्रकों का परिचालन भी ठप कर दिया जाएगा, जिसकी सारी जवाबदेही कंपनी की होगी।

विदित है कि एसोसिएशन कंपनी से कुजाम एवं चिरोडीह माइंस में सामान ट्रिप की मांग कर रहा है जबकि कंपनी अपने वादे के मुताबिक पीछे हट रही है। बैठक में मुख्य रूप से लोहरदगा गुमला ट्रक ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह, उपाध्यक्ष अभय सिंह, रहमत अंसारी, मोहम्मद गुड्डू, राजेश शर्मा, जन्नु मुंडा, बरज सिंह, इनामुल अंसारी, मुंतजीर आलम, तारीक खान, इरशाद खान, मोहम्मद मुन्ना, सुनील साहू, तारकेश्वर महतो, मोनू शराफ, गंगा प्रसाद, मोहम्मद तसलीम आदि उपस्थित रहे।

शिव मंदिर निर्माण को लेकर हुआ भूमि पूजन

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा

सिमडेगा सदर प्रखंड अंतर्गत बड़ाबरपानी गांव में रविवार अक्षय तृतीया के मौके पर भव्य शिव मंदिर निर्माण कार्य को लेकर भूमि पूजन का आयोजन किया गया। भूमि पूजन में मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष अरुण सिंह सपत्नीक एवं देवेंद्र अग्रवाल सपत्नीक यजमान की भूमिका निभाई। जबकि पुरोहित के रूप में संजय पाठक ने सभी प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराएं।

वहीं इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष कौशल राज सिंह देव रामरेखा धाम के कार्यकारी अध्यक्ष अमरनाथ बामलिया विहिप कोषाध्यक्ष मुरारी प्रसाद एवं पंचायत के मुखिया रेखा निराली बरवा उपस्थित हुए। इस मौके पर धर्म सभा का आयोजन हुआ जहां पर मुख्य अतिथि के रूप में आए भीम के जिला अध्यक्ष कौशल राज सिंह देव ने कहा कि बड़ाबरपानी गांव में लंबे समय से लोगों का सपना था। वहीं रामरेखा धाम के कार्यकारी अध्यक्ष अमरनाथ बामलिया ने हर संभव सहयोग देने की बात कही। पंचायत के मुखिया ने भी आए हुए लोगों का आभार व्यक्त किया। मौके पर अध्यक्ष के रूप में अरुण सिंह, उपाध्यक्ष संतोष साहू, ओम प्रकाश प्रसाद, रमेश माझी, अनुज केरकेट्टा, मणि भूषण सिंह, सचिव अनिल प्रसाद, सचिव पंकज दास, कोषाध्यक्ष देवानंद सिंह, संगठन मंत्री अशोक दास, धनेश्वर नायक, पवन जैन विकास साहू, शिशु मंदिर के प्राचार्य राजेंद्र साहू, लहरु सिंह, सत्यनारायण प्रसाद श्रद्धानंद बेसरा राम आदि उपस्थित रहे।

कोयल नदी से अवैध बालू उठाव करता ट्रैक्टर जब्त

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा थाना क्षेत्र के कंडरा कोयल नदी से अवैध बालू उठाव पर कारवाई करते हुए सेन्हा थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान द्वारा एक ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाया। ईद पर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिये प्रशासन क्षेत्र में भ्रमण कर रही थी। उसी दरमियान कोयल नदी से बालू का उठाव किया जा रहा था। इस पर थाना प्रभारी का नजर पड़ते ही त्वरित कारवाई कर टैक्टर को पकड़ा लेकिन चालक कोयल नदी में गाड़ी छोड़ भाग गया। जब्त टैक्टर में रजिस्टेशन नम्बर अंकित नहीं है। वहीं थाना प्रभारी धनंजय कुमार ने कहा अवैध रूप से बालू का उठाव ट्रैक्टर चालक एवं लेबर के द्वारा किया जा रहा था। और पुलिस गाड़ी देख गाड़ी को छोड़ चालक एवं लेबर भाग निकला। ट्रैक्टर के विरुद्ध खनन अधिनियम के तहत कारवाई हेतु अंचलाधिकारी को सूचित किया गया है।

बैठक में वन अधिकार कानून 2006 पर चर्चा

सिमडेगा। सदर प्रखंड के गरजा पंचायत के गरजा ग्राम में रविवार को वनाधिकार समिति की बैठक अपलुस एक्का की अध्यक्षता में किया गया।इस बैठक में झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन जनसंगठन एवं ग्राम सभा मंच के मीडिया प्रभारी खुशीराम कुमार को बुलाया गया था। इस अवसर पर खुशीराम कुमार ने कहा कि वनाधिकार कानून 2006 एक केंद्रीय कानून है जो जम्मू और कश्मीर को छोड़कर सम्पूर्ण भारत देश में लागू है। जिसे हमें हर हाल में पालन करना होगा। ये कानून हमारे लिए रक्षा कवच के रुप में है। इसलिए हमें अपने जंगलों की जैव विविधता की रक्षा करने के साथ साथ सरंक्षण,संवर्धन और प्रबंधन करते हुए रक्षा करना होगा जिससे कि पृथ्वी के साथ साथ पर्यावरण बची रहे।

बिजली तार टूटने से ग्रामीणों को करना पड़ रहा परेशानी का सामना

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के बुटी पंचायत ग्राम स्थित खेत में 11 हजार बिजली तार टूट कर गिरने से खतरा बना हुआ है। बिजली का तार गिरने से मवेशी व चरवाहा या अन्य किसी के साथ अप्रिय घटना हो सकता है। फिलहाल कोई हताहत नहीं हुआ है, परंतु ग्रामीणों की बीच समस्या और भय बना हुआ है।

वहीं ग्रामीणों ने कहा कि आए दिन बिजली का तार जहां तहां टूट कर गिर रहा है। इसकी सूचना लगातार विभाग को मिलने के बाबजूद ग्रामीणों के बीच वैकल्पिक व्यवस्था कराने में विभाग नाकाम साबित हो रहा है।

जानकारी देते हुए 11 हजार बिजली तार को दुरुस्त करवाने की मांग की गई है, परंतु आज तक विभाग का ध्यान आकृष्ट नहीं हुआ। बुटी पंचायत क्षेत्र में लगतार बिजली तार टूट कर गिरने से बिजली बाधित तो हो रही है। वहीं खतरा होने का भय बना हुआ है। हाल ही में 11 हजार बिजली तार टूट कर कोराम्बे गोरा टोली गांव से बाहर खेत में गिरने से जंगली जंतुओं की मौत हो चुकी थी।

पुण्यतिथि पर शहीद खड़िया को दी श्रद्धांजलि

सिमडेगा। वीर शहीद तेलंगा खड़िया की पुण्यतिथि के मौके पर रविवार को तेलंगा खड़िया स्मारक समिति के द्वारा सिमडेगा के घोड़बहार स्थित स्मारक स्थल पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर समिति के मतियास कुल्लु उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा इनका जन्म गुमला जिले के सिसई प्रखंड के मुरगू गांव में फरवरी 1806 में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजो के खिलाफ जुरी पंचायत का गठन करते हुए अंग्रेजों से लोहा लेते हुए उन्हें परा किया था। बताया जाता है कि अंग्रेजो ने वीर शहीद तेलंगा खड़िया को मारने के लिए चार हजार रु. का प्रलोभन बोधन सिंह को दिया था। जिन्होंने 23 अप्रैल 1880 ई. में सरना पूजा स्थल पर गोली से मारकर वीर शहीद की हत्या कर दी थी।

मदद जय श्री राम समिति ने मरीज के लिए किया रक्तदान

धर्मांतरण पर जल्द लगे रोक : दीपक

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

जय श्रीराम समिति ने अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए समिति के सदस्यों ने दो यूनिट रक्तदान कर मरीज के इलाज में मदद की। मिली जानकारी के अनुसार पतराटोली निवासी बुधवा उरांव की पुत्री सीता कुमारी एवं बसार टोली कृषि मार्केट निवासी स्वर्गीय चमरू उरांव की पत्नी सुखमनिया उरांव दोनों सदर अस्पताल में इलाजरत थे। डॉक्टर ने खून की कमी बताई। परिवार के लोग काफी परेशान होकर जय श्रीराम समिति से संपर्क किए। समिति के सदस्य अनुज मेहता एवं जिला कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने एक एक यूनिट ब्लड देकर मानवता का परिचय दिया।

इस मौके पर नगर अध्यक्ष दीपक साहू ने कहा कुछ लोग गरीबों के

मजबूरी का लाभ उठाकर सेवा एवं इलाज के नाम पर धर्मांतरण का खेल खेलते हैं। जो आज भी निरंतर जारी है। वैसे लोगों से बचने की आवश्यकता है। राज्य सरकार जल्द से जल्द संज्ञान ले। जिन्हें भी ब्लड की आवश्यकता हो या किसी भी परेशानी में हो वह जय श्रीराम समिति से संपर्क कर सकते हैं। समिति समस्या का हल करने का प्रयास करेंगी। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष ओम महतो,जिला महामंत्री अजय साहू, दीपक साहू आशीष कुमार रजनीश उरांव नगर कार्यकारी अध्यक्ष लाल नितेश नाथ शाहदेव, करण महतो,दशरथ उरांव आदि लोग मौजूद थे।

वन विभाग ने कुएं से जहरीले सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया

सेन्हा। कुएं में जहरीला सांप गिरने की सूचना पर वन विभाग टीम सेन्हा महतो मूहल्ला स्थित देवी महतो के बारी पहुंच कुएं से जहरीला सांप को निकाल कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा। जानकारी के अनुसार सेन्हा प्रखंड ग्राम स्थित महतो मूहल्ला के समीप देवी महतो का बरी स्थित कुएं में जहरीला सांप गिरने की सूचना वन परिसर पदाधिकारी को ग्रामीणों के द्वारा दिया गया। कुएं में सांप गिरने की सूचना पर वन परिसर पदाधिकारी नंदकिशोर कुमार अपने टीम के साथ पहुंच ग्रामीणों की मदद से सांप को कुएं से निकाल कर बक्सीडीपा जंगल में सुरक्षित छोड़ा। वहीं वन परिसर पदाधिकारी नंदकिशोर कुमार ने सांप की प्रजाति का नाम बताते हुए कहा कि यह जहरीला नाग सांप है। काफी समय तक पानी में होने के कारण थक गया है और काफी गुस्सा में है। जो किसी को भी डस सकता था।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ तीन दिवसीय श्रीराम महायज्ञ

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के उगरा पंचायत स्थित मेढो ग्राम में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय श्रीराम यज्ञ प्रारम्भ किया गया। आयोजित कलश यात्रा में 251 महिलाओं ने भाग लिया। कलश यात्रा मेढो स्थित हनुमान मंदिर से आरम्भ हुआ जो कोयल नदी तट पहुंच जल का देव वरुण का आवाहन कर गंगा पूजन और आरती के पश्चात नदी से जल उठा कर मंदिर तक लाया गया।

यज्ञ के मुख्य यजमान रविन्द्र सिंह कलश यात्रा के दौरान लुढ़कते हुए नदी तट तक पहुंचे और नदी से पुनः लुढ़कते हुए ही मंदिर प्रांगण वापस आए। यज्ञाचार्य सूर्यनारायण पाठक ने बताया की कलशयात्रा के साथ यज्ञ प्रारम्भ हो गया है। पंचांग पूजन,मंडप प्रवेश वेदी पूजन और

महाआरती की जाएगी उसके पश्चात 36 घंटे का अखंड हरिकीर्तन प्रारम्भ किया जायेगा। 24 अप्रैल को मंडपस्थ देवताओं का पूजन और संध्या मे महाआरती की जाएगी। यज्ञ के तीसरे दिन मंडपस्थ देवताओं का पूजन, अखंड हरिकीर्तन का समापन, हवन, पूणार्हुति और महाआरती के साथ यज्ञ की समाप्ति की जाएगी। यजमान रविन्द्र सिंह ने बताया की 1997 से प्रत्येक वर्ष जन कल्याण के लिए यज्ञ करते है। कोरोना काल में दो वर्ष यज्ञ का आयोजन नहीं हो पाया था। यज्ञ के दौरान प्रत्येक दिन भंडारा चलता रहेगा। जिसमें सभी श्रद्धालु भक्त यज्ञ स्थल पहुंच भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य का भागीदार बन सकते हैं।

विजय दिवस पर याद किए गए बाबू वीर कुंवर सिंह

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा
जिले के भंडरा प्रखंड के ग्राम भैसमुन्दो के समुदायिक भवन में क्षत्रिय महासभा ने रण बाकुरा बाबू वीर कुंवर सिंह की याद में विजय उत्सव मनाया गया। रविवार को विवेक सिंह की अध्यक्षता में आयोजित विजय उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ बालकृष्णा सिंह ने माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर पर उन्होंने बालकृष्णा सिंह ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह 80 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। उन्होंने कभी अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं की। इस उम्र में उन्होंने तत्कालीन पूरे बिहार के क्षत्रियों को एकजुट कर आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों से लोहा लिया था और तत्कालीन बिहार के अपने साम्राज्य क्षेत्र से उन्होंने अंग्रेजों को भागने पर मजबूर कर दिया था। युद्ध के दौरान गंगा पार करने के दौरान उनके हाथ में अंग्रेजों की गोली लग गई थी। इसके बाद उन्होंने भारत माता की जय करते हुए अपना हाथ खुद अपनी तलवार से काट कर गंगा मैया को समर्पित कर दिया था। उनके विचारों और साहसिक कदम को हमारे आने वाली पीढ़ियों को जानना चाहिए ताकि समय-समय पर अपने पूर्वजों की वीर गाथा को जान सके और लोगों को बता सकें। इस अवसर पर अभिषेक सिंह, आनंद सिंह, मधुसूदन सिंह, अटम सिंह, सूरज, राजेश, सुदन, मनोज, संध्या कुमारी, रूपेश सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

जमीन कारोबारी के घर पर चली गोली

दहशत में परिवार

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
झरिया ऊपरकुल्ही स्थित शमशेरनगर निवासी जमीन कारोबारी शाहिद बिहारी के बीसीसीएल आवास पर 22 अप्रैल की रात करीब 12:30 बजे अपराधियों ने गोलीबारी की और फरार हो गए। दहशत फैलाने की मंशा से गोली आवास के गेट पर चलाई गई। वारदात के बाद से शाहिद बिहारी और उसके परिजन दहशत में हैं। देर रात हुई फायरिंग की खबर पाते ही झरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। पुलिस ने घर के पास से गोली का खोखा बरामद किया है। झरिया थाना प्रभारी संतोष सिंह रविवार की सुबह दल-बल के साथ शमशेरनगर पहुंचे और लोगों से पूछताछ की। शाहिद बिहारी ने बताया कि रात में वह पत्नी और दोनों बच्चों के साथ घर में सो रहा था, तभी गोली चलने की तेज आवाज सुनाई दी। बाहर निकल कर देखा, तो एक गोली घर के दरवाजे पर और दूसरी दीवार पर लगी थी। इसके बाद उसने घटना की सूचना झरिया थाना को दी। शाहिद बिहारी ने बताया कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। पास में रहने वाले इंस्टीट्यूट संचालक आमिर खान नामक युवक से खनकाह के चंदा को लेकर कुछ दिन पहले विवाद हुआ था। इसकी शिकायत करने वह जब अमिर खान के बहनोई के पास गया, तो आमिर ने आकर उसके साथ धक्का-मुक्की की और मारपीट पर उतारू हो गया था। आशंका है कि उसी ने दहशत फैलाने के लिए गोली चलाई है। वहीं, आमिर खान ने बताया कि शाहिद बिहारी उससे रंगदारी मांग रहा था। एक माह पहले आमिर सऊदी अरब से लौटा है। शाहिद बार-बार उससे पैसे मांग रहा था। दो दिन पहले भी उसने इंस्टीट्यूट में आकर धमकी दी थी। वैसे, गोली चलाने की घटना में उसका कोई हाथ नहीं है।

माही क्लब ने सांकतोड़िया एकेडमी को 64 रन से हराया

धनबाद। अमिताभ चौधरी मेमोरियल गर्ल्स क्रिकेट टूनार्मेंट 23 अप्रैल रविवार को कुमारधुबी कोलियरी मैदान में शुरू हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि झारखंड क्रिकेट संघ प्रबंधकीय समिति के सदस्य विनय सिंह व धनबाद जिला क्रिकेट संघ के महासचिव उत्तम कुमार विश्वास ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। पहला मैच माही क्रिकेट क्लब कुमारधुबी व सांकतोड़िया क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया। माही क्रिकेट क्लब ने सांकतोड़िया को 64 रन से हरा दिया। माही क्रिकेट क्लब ने 1 विकेट खोकर 20 ओवर में 213 रन बनाए। अनामिका कुमारी ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 54 गेंदों पर शानादार 106 रन बनाए। बबली कुमारी ने 45 रन का योगदान दिया। सांकतोड़िया की श्रेया राय ने एकमात्र विकेट लिया। जवाबी पारी खेलते हुए सांकतोड़िया की टीम ने 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 149 रन ही बना सकी। श्रेया ने 64 रन बनाए। माही क्रिकेट क्लब की ओर से बबली कुमारी ने 2 विकेट, आनंदिता तथा अंकिता मौर्या ने एक-एक विकेट लिया। अनामिका कुमारी को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया।

मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

बदलाव के लिए सतत प्रयास की जरूरत : डीसी

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह
नगर भवन में 23 अप्रैल को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन उपायुक्त नमन प्रिय लकड़ा, कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश अरविंद पांडे, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सौरभ कुमार गौतम, अधिवक्ता संघ के महासचिव चुन्नूकांत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. उपायुक्त जिला विधिक सेवा प्राधिकार के उपाध्यक्ष भी हैं। शिविर को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि समाज में बड़े बदलाव के लिए सतत प्रयास करने की जरूरत है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों को न्याय दिलाने के लिए एक दिन का समय पर्याप्त नहीं है। समाज में बदलाव धीरे-धीरे आती है। एक दिन में परिवर्तन नहीं आ सकता। संजीदगी से काम करने पर सफलता हासिल की जा सकती है। राज्य सरकार की योजनाओं की चर्चा कर उन्होंने कहा कि फिलहाल सरकारी योजनाएं काफी है, इसे संजीदगी से लागू करने के लिए कोशिश करने की जरूरत है। जिले के 344 पंचायत प्रतिनिधि सामूहिक प्रयास करें तो पंचायतों में पेयजल की स्थिति बेहतर हो सकती है। उपायुक्त ने बंद पड़े परियोजनाओं के प्रति गंभीरता दिखाने की अपील मीडियाकर्मियों से की। शिविर को संबोधित करते हुए कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश अरविंद पांडे ने कहा कि किसी भी तरह की कानूनी सहयोग की जरूरत पड़ने पर डालसा सचिव से संपर्क किया जा सकता है। अधिवक्ता संघ के महासचिव चुन्नूकांत ने कहा कि आने वाले समय में डालसा और सशक्त होगा। सामान्य तौर पर आम लोगों को कानून की जानकारी नहीं होती, लेकिन कानून की सामान्य जानकारी सभी को होनी चाहिए। प्राधिकार के सचिव सौरभ कुमार गौतम ने शिविर के उद्देश्यों पर चर्चा की। कहा कि शिविर लगाने का मकसद समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को सहायता पहुंचाना है।

कपिलो पंचायत को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर केन्द्रीय मंत्री ने बधाई दी

गिरिडीह। बिरनी (गिरिडीह) के कपिलो पंचायत के मुखिया मुकेश यादव को कोड़रमा सांसद व केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपने दिल्ली आवासीय कार्यालय में बुके एंव अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। मुखिया मुकेश इससे पहले नानाजी देशमुख सर्वोत्तम राष्ट्रीय पंचायत सतत विकास पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कपिलो पंचायत विकास के सतत प्रयास की सराहना कर मुखिया यादव को शुभकामनाएं दीं।मुखिया यादव ने मंत्री को बिजली ट्रांसफार्रमर पर ठनका गिरने से कपिला पंचायत में उत्पन्न पानी की समस्या से भी अवगत कराया। इस मौके पर क्षेत्रीय सांसद व मंत्री अन्नपूर्णा ने सबंधित पदाधिकारियों से वार्ता कर गांव का अविलम्ब ट्रांसफार्मर बदलने का आश्वासन दिया। मुखिया ने विकास की गति को आगे बढ़ाने के लिए सांसद मद से कपिलो पंचायत के लिए कचरा उठाने के लिए एक वाहन उपल्ब्ध कराने का आग्रह संबंधी एक पत्र भी सौंपा।

लातेहार : जंगल में महुआ चुनने गए युवक पर भालू का हमला, गंभीर

लातेहार। जिले के महुआडांड़ वन क्षेत्र के केवरकी गांव के निकट जंगल में रविवार को महुआ चुनने गए एक युवक पर जंगली भालू ने हमला कर घायल कर दिया है। को महुआडांड़ अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार केवरकी गांव निवासी संदीप टोप्पो कुछ अन्य ग्रामीणों के साथ रविवार को जंगल में महुआ चुनने गया था। इसी दौरान अचानक एक जंगली भालू ने उस पर हमला कर दिया। भालू के हमले से घबराए संदीप के शोर को सुनकर अन्य ग्रामीणों ने भी शोर मचाना आरंभ कर दिया। इस पर भालू जंगल की ओर भाग गया । भालू के हमले से संदीप के चेहरे पर और आंख में गंभीर चोट आई। ग्रामीणों ने उसे महुआडांड़ अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे रेफर कर दिया। घटना के बाद वन विभाग ने घायल संदीप के इलाज के लिए सरकारी प्रावधान के अनुरूप मुआवजा राशि प्रदान की और आश्वस्त किया कि घायल के इलाज के लिए हरसंभव मदद किया जाएगा।

चौपारणः शराब भट्ठियों को पुलिस ने किया ध्वस्त

चौपारण। चौपारण में 90 लीटर महुआ शराब जब्त कर नष्ट किया गया. साथ ही भट्ठियों को भी ध्वस्त कर दिया गया। वहीं क्विंटल जावा महुआ भी बरामद किया गया है। चौपारण प्रखंड अंतर्गत ताजपुर के सुदूरवर्ती गांव बुकाढ़ में उत्पाद विभाग ने कार्रवाई की है। इस संबंध में उत्पाद विभाग के सब इंस्पेक्टर राजीव नयन ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। सूचना मिल रही थी कि वहां महुआ शराब का चुलाई चल रही है। छापेमारी के दौरान 90 लीटर महुआ शराब जब्त किया गया। इसके साथ ही तीन हजार किलोग्राम जावा महुआ नष्ट किया गया। वहीं कई उपकरण को भी नष्ट किया गया. इस मामले में सीताराम यादव, कुणाल यादव और एक अन्य के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। छापामार दल में उत्पाद विभाग के सब इंस्पेक्टर राजीव नयन के साथ कई पुलिस जवान शामिल थे।

सड़क किनारे मिला नवजात का शव, आवारा कुत्तों ने बनाया निवाला

हजारीबाग। सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटका ग्वालटोली धोबी मोहल्ला में रविवार को लावारिस स्थिति में नवजात का शव बरामद किया गया। सड़क किनारे नवजात का शव बरामद होने के बाद पूरे इलाके में यह बात आग की तरह फैल गई। हर कोई घर से बाहर निकल कर इस घटना के बारे में जानकारी प्राप्त की। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटनास्थल के पास अस्पताल है, हो सकता है वहां के कर्मियों ने ही नवजात का शव सड़क के किनारे फेंक दिया। नवजात के शव को आवारा कुत्तों ने अपना निवाला बना लिया। ऐसे में इस घटना की निंदा भी की जा रही है। सूचना मिलने के बाद पीसीआर तीन नंबर की टीम घटनास्थल पर पहुंची और जानकारी प्राप्त की। पुलिसकर्मियों का भी कहना है कि सीमेंट के बोरे में बच्चे का शव फेंका मिला है। बच्चा जीवित अवस्था में फेंका गया था या मृत्यु के पश्चात यह तो जांच का विषय है। लेकिन घटना काफी दुखदाई है। शव जब्त कर आगे कार्रवाई की जा रही थी।

धनबाद : मैथन चेकपोस्ट के पास आग से दो दुकान जलकर राख

धनबाद। मैथन चेकपोस्ट के समीप 23 अप्रैल की दोपहर करीब दो बजे आग लगने से एक गैराज व एक निमार्णाधीन होटल जलकर खाक हो गया। सूचना पाकर सीआईएसएफ फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक दोनों दुकानें पूरी तरह जल गई थीं। लोगों ने बताया कि किसी ने पास की झाड़ियों में आग लगा दी थी, जो धीरे- धीरे बढ़कर दोनों दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के समय गैराज बंद था और रविवार होने के कारण होटल का निर्माण कार्य भी बंद था। आग लगने से करीब 50 हजार रुपये की क्षति आकलन किया गया है।

छातााबाद में पूर्व पार्षद के आवास से बाइक चोरी

धनबाद। कतरास थाना क्षेत्र के छातााबाद स्थित पूर्व पार्षद महेश पासवान के आवास से 23 अप्रैल की देर रात बाइक (संख्या जेएच 10बीजी-3461) की चोरी हो गई। चोरी गई बाइक कतरास बाजार तिलाटांड़ कॉलोनी निवासी कुलदीप सिंह की है। कुलदीप सिंह अपने दोस्तों के साथ बाइक से पूर्व पार्षद से मिलने आये थे। उनके आवास से जब बाहर निकले, तो बाइक गायब थी। भुक्तभोगी ने इसकी लिखित शिकायत कतरास थाने को दी है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

कोयला तस्करी के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

लातेहार। बालूमाथ पुलिस ने कोयला तस्करी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों मोटरसाइकिल से कोयला तस्करी करते थे। थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने बताया कि मोटरसाइकिल से दिन प्रतिदिन कोयला तस्करी की लगातार सूचना मिल रही थी। सूचना पर थाना क्षेत्र के पंचपेड़ी ग्राम के छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान मोटरसाइकिल से कोयला ले जाते दो युवक पिंटू कुमार, ग्राम कुर्रा, थाना टंडवा एवं मनोज कुमार, ग्राम टोटी, हेसला को गिरफ्तार किया गया। जबकि तीसरा युवक भागने में सफल रहा। पुलिस ने मौके से तीन मोटरसाइकिल जब्त किया है। प्रत्येक मोटरसाइकिल में दो-दो क्विंटल कोयला लदा था। इस संबंध में थाना कांड संख्या 63 / 23 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को लातेहार मंडल कारा भेज दिया गया है।

सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत, एक गंभीर रुप से घायल

लातेहार। चंदवा में शनिवार की देर शाम एनएच-75 पर सड़क दुर्घटना में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। मृतकों की पहचान बुतरू मुंडा, सुकरा यादव के रुप में हुई हैं। जबकि घायल युवक की पहचान सुमन गंझू के रुप में हुई हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक बाइक पर सवार होकर तीनों युवक कुडू से हेसला गांव जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घटनास्थल पर ही दो युवकों की मौत हो गई। वहीं घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने घटनास्थल पर ही एनएच सड़क को जाम कर दिया। वहीं सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर सड़क जाम खुलवाया। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया गया।

तिसरीः मुंद्रिका यादव गोलीकांड का चौथा आरोपी भी गिरफ्तार

गिरिडीह। तिसरी प्रखंड मुख्यालय स्थित पश्चिमी तालाब घाट पर पिछले वर्ष हुए मुंद्रिका यादव गोलीकांड के चौथे आरोपी केदार यादव को तिसरी पुलिस ने गिरफ्तार कर 23 अप्रैल को जेल भेज दिया। आरोपी की गिरफ्तारी थानसिंहडीह घुठिया से होने की सूचना है। गौरतलब हो कि 24 नवंबर 2022 की शाम भंडारी मुख्य मार्ग पर तालाब के पास मुंद्रिका यादव पर अपराधियों ने कई राउंड गोलियां चलाई थी, जिसमें वह बाल-बाल बच गए थे। इस मामले के तीन आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार करजेल भेज चुकी है।

झुमरा में गिरे ओले, इचाक में वज्रपात से महिला की मौत

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग
हजारीबाग में मौसम सुहाना हो गया है। अचानक बारिश होने से भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली है। हालांकि इस दौरान वज्रपात होने से इचाक के अलौंजा में एक महिला की मौत हो गई। वहीं झुमरा में जमकर ओले बरसे। इससे गर्मा फसलों को नुकसान पहुंचने की बात कही जा रही है। आम के टिकोले भी झड़ गए हैं। हालांकि जलस्रोत में बढ़ोतरी के लिए यह बारिश अच्छी मानी जा रही है। हजारीबाग का तापमान पांच डिग्री नीचे गिरकर 28 डिग्री तक पहुंच गया है। धूप से बच्चों को भी राहत मिली है।

नदी में नहाने के दौरान एक बच्चा डूबा, मौत

गिरिडीह। नगर थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर के उसरी नदी में नहाने के क्रम में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान कुरैशी मुहल्ला निवासी मोहम्मद साजो के 12 वर्षीय पुत्र अली ताला के रूप में की गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि अली ताला अपने दो दोस्तों के साथ ईद की नमाज अदा कर घूमने के लिए निकला हुआ था। घूमने के दौरान तीनों शास्त्री नगर स्थित उसरी नदी पहुंचे और नदी में नहाने लगे। नहाने के क्रम में तीनों गहरे पानी में डूबने लगे। इसी दौरान दो साथी किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकल आए, मगर अली गहरे पानी में चला गया और डूब गया। दोनों बच्चों ने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। आवास सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए. लोगों ने नदी की गहराई में अली ताला को खोजने की कोशिश की।

ग्रामीणों के आगे झुका डीवीसी 500 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
पिछले दो दिनों से बिजली समस्या को लेकर डीवीसी पंचेत प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच चल रहा विवाद 23 अप्रैल को समाप्त हो गया। निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता व कलियासोल अंचल के सीओ दिवाकर दुबे के प्रयास से रविवार की शाम पंचेत नेहरू पार्क में डीवीसी प्रबंधन ने 500 केवीए का ट्रांसफॉर्मर लगवा दिया। इससे पहले विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ग्रामीणों से मिलने बांदा बस्ती पहुंचीं, लेकिन कुछ लोगों ने विधायक के आने का विरोध किया। इसके बाद वह सीधे डीवीसी निरीक्षण भवन पहुंची और डीवीसी के अधिकारियों के साथ क्षेत्र में बिजली संकट व ग्रामीणों की मांगों पर वार्ता कीं। वार्ता में फिलहाल 500 केवीए का ट्रांसफॉर्मर लगाने पर सहमति बनी. प्रबंधन ने 750 केवीए का ट्रांसफॉर्मर मरम्मत के बाद लगाने की बात कही। इधर सीओ दिवाकर दुबे ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया, तब जाकर ट्रांसफॉर्मर लगाया जा सका। ज्ञात हो कि डीवीसी पंचेत से सटे गांव बांदा, गुलुडंगाल, डैम साइड निगम कॉलोनी में पांच दिन से बिजली गुल रहने से आक्रोशित ग्रामीणों ने 21 अप्रैल की रात छातामोड़ स्थित बिजली कार्यालय में इंजीनियर पीके राय को बंधक बनाकर घेराव किया था। सूचना पाकर अगले दिन सुबह पूर्व विधायक अरूप चटर्जी पहुंचे थे।

बेरोजगारी की मार

शिक्षक बनने की थी तमन्ना, सरकारी नौकरी नहीं लगने से निराश था मुकेश

मजबूरी में बना किसान, खेती ने दी पहचान

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग
कहते हैं कि कुछ करने का जज्बा हो, तो आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता और मेहनत से मंजिल मिल ही जाती है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है मुकेश कुशवाहा ने. हजारीबाग के जबरा निवासी मुकेश बनना तो चाहते थे शिक्षक, लेकिन परिस्थिति ने उन्हें सफल किसान बना दिया। दो साल पहले राजनीतिक विज्ञान से बीए और उसके बाद बीएड की डिग्री लेनेवाले मुकेश आज परंपरागत बैंगन की खेती कर रहे हैं। साथ ही इसमें बढ़िया मुनाफा भी हो रहा है। अब वह कहते हैं कि शायद शिक्षक बन इतने पैसे नहीं कमा पाते, जो हुआ वह उनकी बेहतरी के लिए ही हुआ।

ग्रामीण बच्चों को देना चाहते थे तालीम

मुकेश की तमन्ना थी कि गांव के शिक्षक ने उन्हें तालीम देकर आगे बढ़ाया, तो वह भी शिक्षक बन गांव में जाकर बच्चों को पढ़ाएं। इसी सोच के साथ उन्होंने बीएड की डिग्री ली। लेकिन सरकारी नौकरी हाथ नहीं लगी और वह परेशान हो गए। कई साल तक सरकारी स्कूलों की नौकरी के लिए विज्ञापन नहीं निकला। दूसरी ओर उम्र भी बढ़ती चली गई। घर में पैसे की आवश्यकता थी और जिम्मेवारी भी। ऐसे में उन्होंने हजारीबाग कोर्रा रोड में लगभग 20 कट्ठे का प्लॉट लीज में लिया। उस जमीन में उन्होंने बैगन की खेती शुरू की। जमीन में बैंगन की बेहतर उपज हुई। फसल तैयार होने के बाद अब मार्केट में उसे बेचने की तैयारी चल रही है। आलम यह है कि व्यापारी उनके खेत तक पहुंच रहे हैं और उन्हें मुंह मांगी कीमत भी दे रहे हैं। एक सप्ताह में वह लगभग 1500 क्विंटल बैंगन बेच चुके हैं। उनका कहना है कि खेती में उन्हें मुनाफा हुआ है और वह अपने घर-परिवार का लालन-पालन खेती से ही करने का विचार बना चुके हैं।

बयां की पीड़ा, योग्यता के बावजूद नहीं मिल रही नौकरी

उनका कहना यह कि दुःख की बात है कि योग्यता होने के बाद भी नौकरी नहीं मिल रही है। भले ही वह आज आत्मनिर्भर कहला रहे हैं, लेकिन यह उनके जीवन का दुखदाई पहलू है। जब नौकरी हाथ न लगे फिर दूसरा रोजगार करें और खुद को आत्मनिर्भर कहें, तो यह बेमानी है। यह उनकी मजबूरी है कि वह अपने परिवार के लिए खेती कर रहे हैं।

खेत में पहुंच रहे बिहार-बंगाल के खरीदार

मुकेश कुशवाहा के खेत में बिहार-बंगाल से खरीदार पहुंच रहे हैं। खरीदार भी कहते हैं कि मुकेश बड़ी मेहनत से खेती कर रहे हैं। चूंकि वह पढ़े-लिखे हैं, इस कारण उन्नत ढंग से खेती कर रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि खेती में उन्होंने ऑर्गेनिक खाद का उपयोग किया है।

सवाल तो उठेंगे

अतीक और अशरफ अहमद की जिस तरीके से हत्या हुई, जिस तरीके से वहां हथियारबंद पुलिस दस्ता बिना हरकत के खड़ा रहा, उस पर सवाल तो उठेंगे। सवाल इसलिए भी उठेंगे क्योंकि यह योगी सरकार से जुड़ा मसला है और यूपी ही नहीं बल्कि देश-विदेश में इस पर लगातार चर्चा चल रही है। तौकीर अहमद जैसे लोग अपनी तकरीरों में लगातार सरकार को कटघरे में खड़े कर रहे हैं। एक पार्टी चलाने वाले पूर्व आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर भी इस पर हल्ला बोले हुए हैं। ठाकुर हर तरह के एनकाउंटर को गलत मानने वाले पुलिस अफसरों में शुमार रहे हैं। वैसे भी, जिन लोगों ने अतीक और अशरफ की हत्या की, वो बेहद प्रोफेशनल रहे हैं और सभी के ऊपर आईपीसी की धारा 307 के तहत कम से कम दो केस तो जरूर दर्ज हैं। धारा 307 यानी अटेम्प्ट टू मर्डर अर्थात हत्या की कोशिश का मामला। यूपी के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि जिन 21 सेकेंडों में यह सारा कुछ हुआ, उन 21 सेकेंडों में अतीक और अशरफ को बचाते हुए तीनों हत्यारों पर फायरिंग कर उन्हें मौत के घाट उतारा जा सकता था लेकिन ड्यूटी में उदासीनता बरतने के कारण पुलिस बल कुछ नहीं कर पाया और 21 सेकेंड में वह हो गया, जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। वह मानते हैं कि 21 सेकेंड काफी होते हैं किसी को भी शूट करने में। अपराधियों ने इस 21 सेकेंड का फायदा उठाया परंतु यूपी पुलिस के जवान इसका फायदा नहीं उठा पाए, अपने प्रोफेशनल होने का सुबूत नहीं दे पाए। उनके अनुसार, अगर वीआईपी ड्यूटी के दौरान कोई शख्स अगर जेब में भी हाथ डालता है तो उसे पकड़ कर पूछ लिया जाता है कि तुमने जेब में हाथ क्यों डाली। जो लोग अतीक की सुरक्षा में तैनात थे, उन्हें शायद इस किस्म की ट्रेनिंग नहीं दी गई थी। यह भी खुद में आश्चर्यजनक है कि जब अतीक और अशरफ को अदालत में हलफनामा देकर जान-माल की रक्षा करने का वचन दिया गया था, तब उनकी सिक्योरिटी में ऐसे अनट्रेंड जवान तैनात क्यों किये गए थे। जाहिर है, मंशा पर सवाल तो उठेगा ही। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर अतीक और अशरफ को मेडिकल के लिए ले ही जाना था तो उसके लिए रात 10 बजे के बाद का वक्त क्यों चुना गया? अमूमन मेडिकल दिन में या शाम में होता है। ये रात 10 बजे के बाद मेडिकल की जरूरत क्यों पड़ गई? वो (अतीक और अशरफ) तो तंदरुस्त दिख रहे थे। इस संदर्भ में पुलिस जो भी बयान दे रही है, वह गले से उतरता नहीं। अगर मेडिकल जायज था तो भी मान लेते हैं पर इसे कैसे जायज माना जाए कि रात 10 बजे के बाद आप उन्हें प्रेस के सामने खड़ा कर दे रहे हैं? उसकी क्या जरूरत थी? ये क्यों किया गया, किससे पूछ कर किया गया, इसकी भी जांच होनी चाहिए। जब पुलिस को पता था कि अतीक और अशरफ का औरा क्या है, तब उन्हें मीडिया से 10 गज की दूरी पर क्यों नहीं रखा गया? प्रोटोकॉल आफिसर ने इन बातों को ध्यान में क्यों नहीं रखा? एक सवाल और है-जिस वक्त अपराधी गोली चला रहे थे, उसी वक्त पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करके तीनों को ढेर क्यों नहीं कर दिया? पुलिस वहां से भागने वाली स्थिति में क्यों आ गई? हथियार जब साथ में था, तब उन्हें किसी के ऑर्डर की कोई जरूरत थी क्या? शायद नहीं।

अमूमन मेडिकल दिन में या शाम में होता है। रात 10 बजे के बाद मेडिकल की जरूरत क्यों पड़ गई। अतीक व अशरफ तो तंदरुस्त दिख रहे थे। इस संदर्भ में पुलिस का बयान गले से उतरता नहीं।

सिंहासन खाली करो कि जनता आती है...

चौबीस अप्रैल, 1974 की वो रात भारतीय साहित्य के इतिहास में काली स्याही से दर्ज है, जब गंगा की गोद में जन्मे हिंदी साहित्य के सूर्य रामधारी सिंह 'दिनकर' नश्वर शरीर को त्यागकर बैकुंठ लोक की ओर चले गये। उस समय संचार के इतने संसाधन तो थे नहीं, धीरे-धीरे लोगों को पता चला कि तिरुपति बालाजी के दर्शन करने के बाद दिनकर ने नश्वर शरीर को त्याग दिया। साहित्य जगत और हिंदी पट्टी में शोक फैल गया। उनका पैतृक गांव सिमरिया रो पड़ा। बिहार के तत्कालीन मुंगेर (अब बेगूसराय) जिला के सुरम्य गंगा तट सिमरिया गांव के सामान्य किसान परिवार में 23 सितम्बर, 1908 को जब मनरूप देवी एवं रवि सिंह के यहां द्वितीय पुत्र जन्म हुआ तो किसी ने सोचा भी नहीं था कि वह एक दिन राष्ट्रीय फलक पर ध्रुव तारा बन चमकेगा। दिनकर जी सदा जमीन से जुड़े रहे और संघर्ष करते हुए राष्ट्र की भावना को निरंतर सशक्त भाषा में अभिव्यक्त कर अपनी अद्वितीय रचनाओं से साहित्य के इतिहास में अमर हो गये। दिनकर को प्रारंभिक शिक्षा गांव तथा बारो स्कूल में करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए गंगा नदी के पार मोकामा उच्च विद्यालय कभी तैरकर तो कभी नाव से आना-जाना पड़ता था। 1933 में उच्च शिक्षा हासिल कर विद्यालय बरबीघा में शिक्षक बन गये। अगले ही साल निबंधन विभाग के अवर निबंधक के रूप में नियुक्त कर दिये गये। इस दौरान उन्हें कवि के रूप में ख्याति मिलने लगी थी। इस ख्याति का पुरस्कार यह मिला कि पांच साल की नौकरी में 22 बार तबादला हुआ। उन्होंने 1943 से 1945 तक संगीत प्रचार अधिकारी के पद और 1947 से 1950 तक बिहार सरकार के जनसंपर्क विभाग में निदेशक के पद पर कार्य किया। 1952 में जब राज्यसभा का गठन हुआ तो जवाहरलाल नेहरू ने दिनकर जी को राज्यसभा के लिए मनोनीत करवा कर अपने पाले में लेने की कोशिश की। 1962 का लोकसभा का चुनाव हारने के बाद ललित नारायण मिश्रा ने जब अपने लिए उनसे इस्तीफा देने का अनुरोध किया तो बगैर कुछ सोचे और समय गंवाए इस्तीफा दे दिया। वर्ष 1963 में वो भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति बने,

लेकिन 1965 में त्यागपत्र दे दिया। उस समय उन्होंने कहा था सीनेट और सिंडिकेट में जब तक वाक युद्ध होता रहा तो उसे सहता रहा, लेकिन जब अंगस्पर्श की नौबत आ गई तो पद का परित्याग कर देना आवश्यक था। इसके बाद दिनकर को 1965 से 1972 तक भारत सरकार के हिंदी विभाग में सलाहकार का दायित्व निर्वहन करना पड़ा। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने 26 जनवरी 1950 को जब लाल किले कि प्राचीर से ''सदियों की ठंडी बुझी राख सुगबुगा उठी, मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है, दो राह समय के रथ का घघर्र नाद सुनो, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है...'' कहा तो पूरे परिदृश्य में सन्नाटा खिंच गया। उन्होंने हमेशा अपनी कविता के माध्यम से समाज को ललकारते हुए कर्तव्य बोध का अहसास कराया। वाल्मीकि, कालिदास, कबीर, इकबाल और नजरुल इस्लाम की गहरी प्रेरणा से राष्ट्र कवि बने दिनकर को राष्ट्रीयता का उद्घोषक और क्रांतिकारी साहित्य का नायक माना जाता है। इस संबंध में उनकी रेणुका, हुंकार, सामधेनी आदि कविताएं प्रमुख हैं। दिनकर ने

26 जनवरी 1950 को जब लाल किले कि प्राचीर से ''सदियों की ठंडी बुझी राख सुगबुगा उठी, मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है, दो राह समय के रथ का घघर्र नाद सुनो, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।

इन दिनों

परशुराम की प्रतीक्षा में युद्ध और शांति का द्वंद कुरुक्षेत्र में नई दृष्टि दी है। संस्कृति के चार अध्याय में भारतीय संस्कृति के प्रति अगाध प्रेम दर्शाया है। 1959 में संस्कृति के चार अध्याय के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। इसी साल तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने पद्मभूषण प्रदान कर अलंकृत किया। भागलपुर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. जाकिर हुसैन (बाद में भारत के राष्ट्रपति बने) से साहित्य के डॉक्टर का सम्मान मिला। दिनकर को गुरुकुल महाविद्यालय ने विद्या शास्त्री सम्मान से अलंकृत किया। आठ नवम्बर 1968 को उन्हें साहित्य-चूड़मानी के रूप में राजस्थान विद्यापीठ उदयपुर में सम्मानित किया गया। 1972 में उर्वशी के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में उन्होंने कहा था-''मैं जीवन भर गांधी और मार्क्स के बीच झटके खाता रहा हूं। इसलिए उजाले को लाल से गुणा करने पर जो रंग बनता है, वही रंग मेरी कविता का है और निश्चित रूप से वह बनने वाला रंग केसरिया है।'' द्वापर युग की ऐतिहासिक घटना महाभारत पर आधारित प्रबन्ध काव्य ''कुरुक्षेत्र'' को विश्व के 100 सर्वश्रेष्ठ काव्यों में 74वां स्थान मिला है। प्रतिरोध की आग मद्धिम नहीं हो, इसके लिए रश्मिरथी में कर्ण और परशुराम प्रतीक्षा को दिनकर ने प्रतीकात्मक पात्र के रूप में प्रस्तुत किया है। दोनों में सामंती व्यवस्था का प्रतिकार है ''जब तक मानव-मानव का सुख भाग नहीं सम होगा, शमित न होगा कोलाहल संघर्ष नहीं कम होगा- ''इस तरह आर्थिक गुलामी से भी मुक्ति की गहरी आकांक्षा दिनकर जी के काव्य की

सुरेन्द्र किशोरी

मूल प्रेरणा है। भारतीयता के बिम्ब के रूप में हुए महाराणा प्रताप, शिवाजी, चंद्रगुप्त, अशोक, राम, कृष्ण और शंकर का नाम लेते हैं तो दूसरी ओर टीपू सुल्तान, अशफाक, उस्मान और भगत सिंह का भी। भगत सिंह और उनके किशोर क्रांतिकारी साथियों की शहादत के बाद ''हिमालय'' में गांधीवादी विचारधारा के प्रतीक युधिष्ठिर की जगह गांडीवधारी अर्जुन और गदाधारी भीम के शौर्य का अभिनंदन करते हुए उन्होंने कहा था ''रे रोक युधिष्ठिर को न यहां जाने दे उनको स्वर्गधीर, पर फिरा हमें गांडीव गदा लौटा दे अर्जुन भीम वीर।'' चीन के आक्रमण के समय ''परशुराम की प्रतीक्षा'' में शांतिवादियों की आलोचना करते हुए भगत सिंह जैसे क्रांतिवीरों के इतिहास का स्मरण किया है कि ''खोजो टीपू सुल्तान कहां सोए हैं, अशफाक और उस्मान कहां सोए हैं, बम वाले वीर जवान कहां सोए हैं, वे भगत सिंह बलवान कहां सोए हैं।'' शांति की रक्षा के लिए वीरता और शौर्य की आवश्यकता महसूस करते हुए उन्होंने कहा- ''देशवासी जागो, जागो गांधी की रक्षा करने को गांधी से भागो।'' छायावादी संस्कारों से कविता लेखन प्रारंभ करने वाले दिनकर की आरंभिक कीर्ति रेणुका की कुछ कविताओं, हिमालय के प्रति हिमालय, कविता की पुकार में प्रगतिशीलता का उन्मेष दिखाई पड़ता है। किसानों के जीवन की विडम्बना को कविता की पुकार में रूबरू कराते हुए दिनकर ने लिखा- ''ऋण शोधन के लिए दूध घी बेच-बेच धन जोड़ेंगे, बुंद-बुंद बेचेंगे अपने लिए नहीं कुछ छोड़ेंगे।'' गरीबी पर लिखा- ''श्वानों को मिलता दूध भात भूखे बालक अकुलाते हैं, मां की हड्डी से चिपक ठिठुर जाड़ों की रात बिताते हैं।'

बोधि वृक्ष

आईए सुनें भगवान खाटू श्याम की कथा

आप इस पीपल के पेड़ को देख रहे हैं। मेरा यह बाण इसके समस्त पत्तों को चिह्न लगा आयेगा और दूसरा बाण उन्हें बींध देगा। आप चाहें तो मैं धरती पर बिखरे इन सूखे पत्तों को भी बींध सकता हूं।' श्रीकृष्ण यह दृश्य देखने को उत्सुक थे। उन्होंने दो पत्ते तोड़ लिए। एक को हाथ की मुट्ठी में बन्द कर लिया और दूसरे पांव के नीचे दबा लिया। बर्बरीक ने अभिमन्त्रित करके बाण छोड़ा। सभी ने देखा कि पेड़ और धरती का प्रत्येक पत्ता चिन्हित था। श्रीकृष्ण ने मुट्ठी खोली तो हाथ का पत्ता भी चिन्हित था और पांव के नीचे का पत्ता भी। श्रीकृष्ण अत्यधिक विस्मित थे। तब तक बर्बरीक ने दूसरा बाण छोड़ा। प्रत्येक पत्ता बीच में से बिंधा हुआ था। श्रीकृष्ण अकुला उठे और गहरी सोच में पड़ गये कि किस प्रकार से युद्ध में भाग लेने से रोका जाए। आखिर बहुत सोच-विचार के बाद उन्हें एक हल सूझ ही गया। प्रातःकाल वह उठे और याचक का रूप बर्बरीक के पास पहुंचे। वह संध्यावन्दन कर रहे थे। संध्यावन्दन के उपरांत बर्बरीक ने याचक से कहा- 'आज्ञा करो ब्राह्मण देवता, क्या इच्छा है ? 'कुछ दान पाने की इच्छा है महाराज!' ब्राह्मण रूपधारी श्रीकृष्ण ने कहा। 'यहां तो मेरे पास विशेष धन नहीं है, परदेश में हूं। ये बहुमूल्य वस्त्राभूषण हैं, इनकी इच्छा हो तो कहो। मेरे पास में जो कुछ भी होगा, वह मैं तुम्हें दान में अवश्य दूंगा।' 'वस्तु तो वही मांगूगा जो आपके वश में है।' 'तब मुझे कोई इंकार नहीं, चाहे तुम मेरे प्राण मांग लो।' 'प्राण! इतना दम्भ अच्छा नहीं है, महाबली।' 'कह तो दिया।' 'अच्छा, ऐसा है तो मुझे अपना शीश काटकर दे दीजिए।' बर्बरीक यह सुनकर सिहर उठे। इतना कठोर दान भी कहीं मांगा जा सकता है। उन्होंने क्रोध को दबाकर कहा- 'मुझे विश्वास ही नहीं होता कि तुम ब्राह्मण याचक हो। तुमने दान प्रथा को कलंकित किया हे।

(क्रमशः)

हड़ताल का मनोविज्ञान समझने की जरूरत

विरोध - प्रदर्शन, सत्याग्रह, हड़ताल व आंदोलन लोकतंत्र के ऐसे हथियार हैं जो अपनी जिम्मेदारी को भूल बैठे सत्ताधीशों को कुम्भकर्णी नींद से जगाने में अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन हर आंदोलन की अपनी मर्यादा होती है। अपनी आधार भूमि होती है। अपना उद्देश्य होता है। बात-बात पर होने वाले आंदोलन देश का मार्गदर्शन तो करते नहीं, अलबत्ता परेशानी और चिंता का ग्राफ जरूर बढ़ा देते हैं। बिना सिर-पैर के आंदोलनों से वैसे भी किसी का भला नहीं होता। नुकसान अधिकांश जनता का होता है। यातायात जाम में फंसे देश को रोज कितना जान-माल का नुकसान होता है, यह किसी से छिपा नहीं है। किसान आंदोलन के नाम पर जब रेल ट्रैक जाम कर दिये जाते हैं या सरकारी वाहनों को आग के हवाले कर दिया जाता है तो इससे देश की कितनी क्षति होती है, इसे आवेशित आंदोलनकारी नहीं समझ सकते, लेकिन देश को समझना होगा। हड़ताल का अपना मनोविज्ञान होता है। वह कुछ तिकड़मबाजों के लिए तो फायदेमंद होती है लेकिन जरूरी नहीं कि हड़ताल में शामिल हर आंदोलनकारी तक लाभ की किरण पहुंचे ही। जो जिस विभाग से जुड़ा है, उसकी समस्याओं को लेकर हड़ताल हो तो बात समझ में आती है लेकिन सस्ती लोकप्रियता के लिए किसी भी मुद्दे को लपक लेना और उस पर आंदोलन करते हुए देश को परेशानी में डालना किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। इसलिए देश में आंदोलनों को लेकर एक आचार संहिता तो बननी ही चाहिए। हड़ताल को देश पर थोपना क्यों जरूरी है, यह बात देश को बताई तो जानी ही चाहिए। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने वकीलों की हड़ताल पर न केवल नाराजगी जाहिर की है बल्कि यह भी कहा है कि वकील न तो हड़ताल पर जा सकते हैं और न ही काम बंद कर सकते हैं। शीर्ष अदालत का तर्क है कि वकीलों की हड़ताल से अदालतों में मुकदमों का पहाड़ खड़ा हो जाता है। शीर्ष अदालत के इस तर्क में दम है। यह पहला मौका नहीं जब सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह की तल्ख टिप्पणी की है। वर्ष 2019-20 में भी उत्तराखंड के वकीलों की हड़ताल पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों ने कुछ ऐसी ही टिप्पणी की थी। मौजूदा टिप्पणी भी उत्तराखंड के ही संदर्भ में है। ऐसा भी नहीं कि उत्तराखंड अकेला राज्य है, जहां हड़ताल पर सुप्रीम कोर्ट कोर्ट तल्ख होता नजर आया है। सवाल यह है कि शीर्ष अदालत को बार-बार इस तरह की टिप्पणी करनी क्यों पड़ रही है और अधिवक्ता हड़ताल को लेकर उसके आदेशों की अनदेखी क्यों कर रहे हैं? यह बार और बेंच के बीच समन्वयहीनता नहीं तो और क्या है? उत्तराखंड के वकीलों का 35 साल से हर शनिवार को हड़ताल का सिलसिला चला आ रहा था। जाहिर है कि बार और बेंच के बीच कुछ तो जटिलता है जो ठीक नहीं हो पा रही है। देश की शीर्ष अदालत भी सब समझती है लेकिन वह फुंसी को नासूर बनते भी तो नहीं देख सकती। सो, इस बार के अपने निर्णय में उसने निदान का तत्व भी तलाशने की

सियाराम पांडेया 'शांत'

आंदोलन देश का मार्गदर्शन तो करते नहीं, अलबत्ता परेशानी और चिंता का ग्राफ जरूर बढ़ा देते हैं। बिना सिर-पैर के आंदोलनों से वैसे भी किसी का भला नहीं होता। नुकसान अधिकांश जनता का होता है।

मनोविज्ञान

कोशिश की है। सभी उच्च न्यायालयों को मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में वकीलों की शिकायतों के निवारण के लिए राज्यस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिये हैं। अपने निर्णय में उसने निचली अदालत के वकीलों के हितों और उनकी समस्याओं का भी ध्यान रखा है। जिला स्तर पर भी इस तरह की समिति गठित करने के निर्देश दिये हैं। यह एक स्वस्थ और सकारात्मक पहल है। बार और बेंच के टकराव घटाकर ही न्यायालयों में कामकाज की स्थिति सुचारू हो सकती है।

फोटो की दुनिया

ट्वीट-ट्वीट

फेसबुक वॉल से

अधिकारों के लिए लड़ने वाला नहीं, कर्तव्यबोध से भरा है भारत

1947 के बाद स्वदेशी, स्वावलंबन, आत्मनिर्भरता, भारतीय भाषाओं और भारतीय जन के सम्मान का जो समय प्रारंभ होना था वह नहीं हो पाया। लोक सेवक, जनसेवक शासक बन बैठे और उनकी मानसिकता वही थी, जो विरासत में मिली थी। इसने देश के स्वाभिमान को जगने नहीं दिया। आजादी के अमृत महोत्सव से अमृतकाल की यात्रा में देश आत्मविश्वास से भरा हुआ है। यह आत्मविश्वास 2014 के बाद हर भारतवासी में आया है जो कुछ समय पहले तक अवसाद और निराशा से घिरा था। भरोसा जगाने वाला यह समय हमें जगा कर कुछ कह गया और लोग राष्ट्रनिर्माण में अपनी भूमिका को रेखांकित और पुर्नपारिभाषित करने लगे। 'इस देश का कुछ नहीं हो सकता' से 'यह देश सब कुछ कर सकता है' तक हम पहुंचे हैं। यह आकांक्षावान भारत है, उम्मीदों से घिरा भारत है, अपने सपनों की ओर दौड़ लगाता भारत है। लक्ष्यनिष्ठ भारत है, कर्तव्यनिष्ठ भारत है। यह सिर्फ अधिकारों के लिए लड़ने वाला नहीं बल्कि कर्तव्यबोध से भरा भारत है। सही मायनों में यह भारत का समय है। भारत में बैठकर शायद कम महसूस हो किंतु दुनिया के ताकतवर देशों में जाकर भारत की शक्ति और उसके बारे में की जा रही बातें महसूसी जा सकती हैं। सांप-संपेरों के देश की कहानियां अब पुरानी बातें हैं। भारत पांचवीं बड़ी आर्थिक ताकत के रूप में विश्व मंच पर अपनी गाथा स्वयं कह रहा है। अर्थव्यवस्था, भू-राजनीति, कूटनीति, डिजिटलीकरण से लेकर मनोरंजन के मंच पर सफलता की कहानियां कह रहा है। सबसे ज्यादा आबादी के साथ हम सर्वाधिक संभावनाओं वाले देश भी बन गये हैं, जिसकी क्षमताओं का दोहन होना अभी शेष है। भारत के 1 अरब लोग नौजवान यानि 35 साल से कम आयु के हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम, जलवायु परिवर्तन के लिए किये जा प्रयासों, कोविड के विरुद्ध जुटाई गई व्यवस्थाएं, जी-20 के अध्यक्ष के नाते मिले अवसर, जीवंत लोकतंत्र, स्वतंत्र मीडिया हमें खास बनाते हैं। चुनौतियों से जूझने की क्षमता भारत दिखा चुका है। संकटों से पार पाने की संकल्प शक्ति वह व्यक्त कर चुका है। अब बात है उसके सर्वश्रेष्ठ होने की। अव्वल होने की। दुनिया को कुछ देने की। निश्चित यह सब कुछ इतना आसान नहीं था। नौकरशाही की जड़ता, राजनीति के सीमित पांच साला लक्ष्य, समाज में फैली गैरबराबरी और असमानता, क्षेत्रीयता, जातीयता की भावनाओं में बंटा समाज लक्ष्यों में बाधक था और आज भी कमोबेश ये संकट बने हुए हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय मंच पर आगमन के साथ सारा कुछ बदल गया है। आम आदमी सरकारी प्रयासों के साथ देश के व्यापक लोकतंत्रीकरण में सहायक बना है। भारत सड़क, रेलवे, बंदरगाह और हवाई अड्डे जैसे बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ साफ्ट पावर में भी अग्रणी बना है। आप पिछले कुछ सालों में पद्म सम्मानों की सूची का अवलोकन करें तो आपका मन गर्व से भर जायेगा और एक नये भारत को बनता हुआ देख पायेंगें। दिल्ली से निकल देश की संभावनाएं छोटे शहरों और गांवों तक ले जाने के व्यापक प्रयास सब तरफ दिखने लगे हैं। छोटे शहर अपनी संभावनाओं को तलाश रहे हैं, गांव संसाधनों का केंद्र बनने के लिए

प्रो. संजय द्विवेदी

भारत में शायद कम महसूस हो किंतु ताकतवर देशों में जाकर भारत की शक्ति और उसके बारे में की जा रही बातें महसूस की जा सकती हैं। सांप-संपेरों के देश की कहानियां अब पुरानी बातें हैं।

राजनीति

व्यग्र हैं। नीतिगत फैसलों में गति लाकर देश का चेहरा बदलने के ये प्रयास साधारण नहीं हैं। प्रधानमंत्री इस परिघटना को बहुत उम्मीद से देखते हैं। नरेंद्र मोदी कहते हैं कि- ''भारत ने आज जो कुछ हासिल किया है, वह हमारे लोकतंत्र की ताकत, हमारे संस्थानों की ताकत की वजह से संभव हो पाया है। दुनिया देख सकती है कि भारत में लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकार निर्णायक फैसले ले रही है। हमने दुनिया को दिखा दिया है लोकतंत्र कितना फलदायी हो सकता है।

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : आनंद सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नई दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

गर्मी में घड़े का पानी पीयें कई तरह के रोग दूर होंगे

जैसे-जैसे गर्मी का तापमान चढ़ने लगा है, वैसे-वैसे मिट्टी के घड़ों व सुराही की मांग भी बढ़ने लगी है। गरीबों के लिए देसी फ्रिज कहे जाने वाले इन मिट्टी के बर्तनों में रखे पानी को पीने से कई बीमारियों में लाभ मिलने के कारण अब आर्थिक संपन्न परिवार के लोग भी विशेषकर गर्मी के मौसम में इन बर्तनों की खरीदारी करने लगे हैं। कारोबारियों की मानें तो इसके कारोबार में अभी मामूली तेजी आयी है। तापमान जैसे-जैसे चढ़ता है, कारोबार में भी वृद्धि होने लगती है। हालांकि कारोबारियों ने यह भी कहा कि बीते वर्ष की तुलना में इस बार गर्मी शुरू होने के साथ कारोबार भी ठीक-ठाक शुरू हुआ है। वैसे गर्मी के मौसम में विशेषकर मध्यमवर्ग व गरीब वर्ग के लिए मिट्टी के घड़े व सुराही गर्मी में वरदान साबित होते रहे हैं। इस बर्तन में बिना खर्च पानी शीतल रहता है। इन बर्तनों का पानी पीने से कई बीमारियां भी ठीक हो जाती हैं।

पित्त संबंधी 40 प्रकार की बीमारियों को भी करता है ठीक

आयुर्वेद रक्षा एवं विकास संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विवेकानंद मिश्र ने कहा कि गर्मी में मटके का पानी जितना ठंडा होता है, स्वास्थ्य के लिए भी उतना ही फायदेमंद होता है। मटके का पानी कुदरती तरीके से ठंडा होता है, इसलिए यह शरीर के लिए नुकसानदायक नहीं होता। लेकिन, फ्रिज का ठंडा पानी कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करता है। उन्होंने कहा कि मटके के पानी का तासीर ठंडा होने से गर्मी में भी यह स्वास्थ्य के लिए काफी बेहतर होता है। पाचन की क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। साथ ही पित्त संबंधित 40 प्रकार की बीमारियों को भी ठीक करता है। मटके के पानी में आयरन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इससे शरीर में आयरन की कमी भी दूर होती है। मटके का पानी सेवन से गैस की समस्या से छुटकारा मिल जाता है। डॉ मिश्रा ने कहा कि मटके का पानी ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित रखने में मदद करता है। यह बैड कॉलेस्ट्रोल की मात्रा को कम करके हर्ट अटैक की आशंकाओं को भी कम करता है। मटके का पानी पीने से फोड़े, फुंसी, मुंहासे सहित त्वचा संबंधी कई रोगों की समस्याएं दूर होती है। साथ ही त्वचा में भी चमक आ जाती है। उन्होंने कहा कि मटके का पानी से गले को भी फायदा पहुंचता है। उन्होंने कहा कि इसके सेवन से गले की कोशिकाओं का तापमान अचानक नहीं गिरता, जबकि फ्रीज के पानी के सेवन से गले की कोशिकाओं का तापमान अचानक गिर जाता है।

100 से 250 रुपये

प्रति पीस खुदरा बाजार में घड़े का है भाव

सामान्य व नल लगे घड़े व सुराही इस बार भी बाजार में बिक रहे हैं। नल लगे घड़े (आकार के अनुसार) 100 से 250 रुपये प्रति पीस व सुराही 75 से 150 रुपये तक प्रति पीस खुदरा बाजार में बिक रहा है, जबकि बिना नल के घड़े 80 से दो सौ व सुराही 50 से 125 रुपये तक प्रति पीस खुदरा बाजार में बेचा जा रहा है।

– नीरज कुमार

कैसे लगता है लू, क्या है लक्षण?

लू से बचने के लिए इन उपायों का करें पालन

गर्मी शुरू होते ही लोग ठंडी चीजें ज्यादा खाना-पीना शुरू कर देते हैं। ऐसे में लोग धूप लगते ही ठंडे पानी, कोल्ड ड्रिंक आदी का सेवन करते हैं। जो उन्हें बीमार करती है। हम चाहे कितना भी धूप से बचने की कोशिश करें गर्म हवा के कारण लू जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लू यानि हीट स्ट्रोक गर्मियों में हवा का तापमान सामान्य से ज्यादा होता है, इस वातावरण में चलने वाली हवाएं लू कहलाती है।

लू लगने के क्या है लक्षण

लू लगने पर सिर दर्द, थकावट, उल्टी, बुखार आदि लक्षण दिखाई देने लगते हैं। वहीं व्यक्ति को डिहाइड्रेशन की समस्या भी हो जाती है। ऐसे में खुद के साथ परिवार का ध्यान रखना बेहद जरूरी है खासकर बच्चों का बचाव जरूरी है। यदि किसी व्यक्ति को लू लग जाए तो कुछ घरेलू उपायों से इस समस्या को दूर किया जा सकता है।

कब लगता है लू

गर्मियों में शरीर में पानी की कमी के कारण लू लगता है। इसके अलावा गर्म हवा और धूप में लगातार काम करने या बाहर निकलने, गर्म मौसम में अधिक कपड़े पहनने, शराब का सेवन करने आदि से भी लू लगता है। अधिकतर हीट स्ट्रोक के मामले उन लोगों के साथ देखा गया है जो बिना तरल पदार्थ लिये या खाली पेट बहुत अधिक देर तक तेज धूप में रहते हैं। छोटे बच्चों व बुजुर्गों सहित गर्भवती महिलाओं के लिए विशेषतौर पर सतर्कता बरतने की जरूरत होती है। इसके अलावा मधुमेह, मानसिक बीमारी, ब्लड प्रेशर की दवा का सेवन करने वालों के प्रति भी हीट स्ट्रोक को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है।

लू से बचने के लिए इन उपायों का करें पालन

दोपहर के समय घर से बाहर नहीं निकलें।
खाली पेट अधिक देर तक बाहर नहीं रहें।
खाना में सुपाच्य और हल्के भोजन ही लें।

सूती के बने हुए ढीले व हल्के कपड़े पहनें।
शराब व कैफीन आदि के सेवन से बचें।
खूब पानी पीयें, इलेक्ट्राल का इस्तेमाल करें।
छाते, टोपी या तौलिये से खुद को ढंकें।

हीटस्ट्रोक का हो असर तो रखें ध्यान

हीटस्ट्रोक का असर होने पर व्यक्ति को बुखार आ जाता है। इसके साथ ही उल्टी व दस्त की शिकायत होती है। ऐसे में मरीज का बुखार कम करने के लिए तुरंत पारासिटामोल दवा एवं उल्टी व दस्त होने पर नमक, चीनी व पानी या ओआरएस का घोल लेना चाहिए।

लू लगने पर क्या करें

लू से पीड़ित व्यक्ति को ठंडे पानी से नहलायें।
व्यक्ति के शरीर पर पानी से भिगोकर कपड़ा लपेट दें।
अधिक से अधिक बार पानी व ओआरएस पिलायें।
आवश्यक पड़ने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
बेल या नींबू का शर्बत लाभकारी है।
कच्चे आम का शर्बत बना कर पीयें।
पानी में नींबू-नमक मिलाकर पीयें।
पानी में ग्लूकोज मिलाकर पीते रहें।
कच्चे आम के लेप से तलवों की मालिश करें।

बच्चों में टाइप टू डायबिटीज का कारण क्या है?

बड़ों में डायबिटीज एक आम समस्या है, लेकिन हाल के दिनों में बच्चों में भी डायबिटीज की परेशानी में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। डाइट के खराब पैटर्न, अनहेल्दी लाइफस्टाइल, अस्त-व्यस्त डेली रूटीन जैसी स्थिति बच्चों और किशोरों में बढ़ रही है और इसका नतीजा डायबिटीज की परेशानी है। ऐसे में वैसे बच्चे जिन्हें डायबिटीज की समस्या है उनके पैरेंट्स को बहुत ही सावधानी से यह चेक करने की जरूरत है कि उनके बच्चे की डाइट कैसी है और किस तरह की चीजें डाइट से बाहर की जानी चाहिए और कौन सी चीजों को एड किया जाना चाहिए। जानें बच्चों में ब्लड शुगर के लेवल को कैसे मैनेज करें और टाइप 2 डायबिटीज को मात देने के लिए क्या उपाय करने जरूरी हैं।

हाई फाइबर फूड्स लें : हाई फाइबर फूड्स शरीर में सूजन को कम करने, इम्यूनिटी को बढ़ाने और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं। हाल ही की एक स्टडी में यह बात सामने आई है कि भोजन से पहले थोड़ी मात्रा में मट्ठा पीने से टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों को ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

सेब टाइप 2 डायबिटीज को रोकन में कारगर : सेब पेट भरने वाला फ्रूट है क्योंकि इसमें फाइबर और विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है। इसमें टाइप 2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज को रोकने के इतिहास के साथ पॉलीफेनोल्स और पौधों पर आधारित कैमिल होते हैं। सेब फ्रुक्टोज का ब्लड शुगर लेवल पर लगभग बहुत कम प्रभाव पड़ता है।

शुगर लेवल को मैनेज करने में मदद करते हैं गाजर : डायबिटीज की समस्या में दैनिक आहार में गाजर को एड कर सकते हैं क्योंकि हालांकि ये स्वाद में मीठे होते हैं लेकिन ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने में मदद भी करते हैं। काबोर्हाइड्रेट से भरपूर होने के बावजूद यह मधुमेह रोगियों के लिए अच्छा है क्योंकि गाजर में स्टार्च नहीं होता है।

कॉम्पलेक्स कार्ब्स में होते हैं फाइबर, मिनरल्स : सिंपल काबोर्हाइड्रेट की तुलना में शरीर को कॉम्पलेक्स काबोर्हाइड्रेट को ऑब्जर्ब करने में अधिक समय लगता है। यही वजह है कि कॉम्पलेक्स काबोर्हाइड्रेट वाले फूड्स पचने में अधिक समय लेते हैं और अक्सर इसमें फाइबर, विटामिन और मिनरल्स शामिल होते हैं। इसलिए, वे तुरंत ब्लड शूगर को प्रभावित करते हैं और मैनेज करने में मदद करते हैं।

बड़े काम के हैं चिया सीड्स : चिया सीड्स खाने में इतनी अच्छी नहीं लगती कि बच्चे स्वेच्छा से खा सकें, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो वास्तव में उनके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। चिया सीड्स को बच्चों के डाइट में शामिल करने के कुछ दिलचस्प तरीके आजमा सकते हैं। चिया सीड्स में हेल्दी फैट, विटामिन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं। डायबिटीज केयर में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, चिया सीड्स ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों में हार्ट डिजीज के रिस्क को कम करता है।

दही का सेवन है सही : दही का सेवन करने से रोग से लड़ने में मदद मिल सकती है। दही प्रोटीन का एक अद्भुत स्रोत भी है। प्रोबायोटिक्स (अच्छे बैक्टीरिया) के रूप में जाने जाने वाले जीवित सूक्ष्मजीव सभी प्रकार के हानिकारक जीवाणुओं से बचाव में सहायता करते हैं। ये वायरस से लड़ने वाली कोशिकाओं की संख्या बढ़ाकर वे बीमारी से लड़ने में भी मदद करते हैं।

रोजाना करें एक्सरसाइज : डायबिटिक बच्चों को प्रोसेस्ड मीट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें फैट और नमक की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा ऐसे बच्चों के लिए यह जरूरी है कि वे घर जरूरी एक्सरसाइज या योग करें और नियमित रूप से सांस लेने की प्रैक्टिस करें। एक्सपर्ट कहते हैं कि हेल्दी फूड्स शुगर स्पाइक्स को रोकने और इंसुलिन प्रतिरोध में सुधार करने में मदद कर सकते हैं जिससे अंततः डायबिटीज के लिए दवाओं पर निर्भरता कम हो सकती है।

नेटवर्क नहीं रहने पर भी कर लेंगे कॉल

जी हां! बस आपके स्मार्ट फोन में वाई फाई कनेक्ट होने की जरूरत है। जिओ में पहले से ही स्मार्टफोन यूजर्स को बहुत सारी फैसिलिटी दी है और अब जिओ वाईफाई कॉलिंग भी आपको यहां पर इस प्रकार का फीचर देता है, जिसके माध्यम से आप कॉल कर सकते हैं। टेक्नोलॉजी की दुनिया दिन पर दिन आगे बढ़ती जा रही है और इसी क्रम में हम आज आपको बताएंगे कि, अगर आपके फोन में नेटवर्क नहीं भी है, तो भी आप कहीं भी आसानी से कॉल कर सकते हैं। जी हाँ, स्मार्टफोन आपको कई तरह से सशक्त बनाता है और आपकी न केवल पर्सनल बल्कि प्रोफेशनल जरूरतों को भी यह जबरदस्त ढंग से पूरा करता है, लेकिन तब आपको दिक्कत हो जाती है जब आपके मोबाइल फोन में नेटवर्क नहीं रहता है। ऐसे में आपकी जरूरी कॉल तक छूट सकती है, लेकिन अब आप परेशान ना हो, बल्कि आप अपने जिओ स्मार्ट फोन में जिओ वाईफाई कॉलिंग की मदद से आसानी से कॉल कर सकते हैं।

जी हां! बस आपके स्मार्ट फोन में वाई फाई कनेक्ट होने की जरूरत है। जिओ में पहले से ही स्मार्टफोन यूजर्स को बहुत सारी फैसिलिटी दी है और अब जिओ वाईफाई कॉलिंग भी आपको यहां पर इस प्रकार का फीचर देता है, जिसके माध्यम से आप कॉल कर सकते हैं।

अगर आप आईफोन यूजर हैं तो आप सबसे पहले सेटिंग में जाइए यहां पर आपको तमाम ऑप्शंस के बीच मोबाइल डाटा के ऑप्शन में जाना होगा। यहीं पर आपको वाईफाई कॉलिंग का ऑप्शन नीचे की ओर नजर आएगा, इसे इनेबल करने के बाद आपको आसानी से कॉलिंग करने का ऑप्शन मिलेगा।

अगर एंड्रॉयड यूजर्स की बात करें तो स्मार्ट फोन के सेटिंग में जाकर वहां कनेक्शन के ऑप्शन पर वाईफाई कॉलिंग ऑप्शन को आपको ऑन करना पड़ेगा, जिसके बाद यह सर्विस इनेबल हो जाएगी।

अगर एयरटेल यूजर्स की बात करें तो वह भी इस फीचर का लाभ उठा सकते हैं। हालांकि एयरटेल यूजर्स को यह सुविधा केवल एयरटेल फाइबर कनेक्शन पर ही दी जाती है, इसकी मदद से वह आगे कॉल कर सकते हैं।

❖ विंध्यवासिनी सिंह

काव्य कोना

न जाने कब

आँ सूओं को सँजो के रखना
न जाने कब, सागर माँग ले।
श्वासों को बचा के रखना
न जाने कब, हवा विरल हो जाये।
नयनों में चाँद की शुभ्रता छिपा लो
न जाने कब, व्योम धूमिल हो जाये।
लहरों की थिरकन मन में सँवार लो
न जाने कब, समुन्दर एकांकी हो जाये।
गीतों की गूँज ध्यान में बसा लो
न जाने कब, भँवरा भूल जाये।
सँभार लो ,कलियों पर भँवरों का नर्तन
न जाने कब, बाँकपन संजीदा हो जाये।

❖ नाग मणि

अनेक रोगों को मिटाता है 'गरमाडो'

वैद्य ब्रजेश कुमार दुबे
पतंजली आरोग्य केन्द्र रेड़मा
डालटनगंज पलामू झारखण्ड
मो. – 7903216488, 9334716688

जड़ी-बूटियों की दिव्यता इस घटना से भी ज्ञात होती है कि रामचरित मानस में लक्ष्मण जी के मूर्च्छित हो जाने पर हनुमान जी द्वारा पवंत से, संजीवनी बूटी लाना तथा लक्ष्मण जी के स्वस्थ्य होने की बात सभी पढ़ते व सुनते हैं। आयुर्वेद के महान, शोधकर्ता 'जीवक' (जिन्होंने भगवान बुद्ध का उपचार किया था) ने जड़ी-बूटियों की उपयोगिता के संबंध में, लम्बे समय तक शोध करने के पश्चात निष्कर्ष दिया कि कोई भी जड़ी-बूटी ऐसा नही है, जो प्राणी मात्र के लिए स्वास्थ्यवर्द्धक एवं जीवन रक्षक न हो अर्थात प्रत्येक जड़ी-बूटी जीवन उपयोगी पाई गई।

उपनिषद का कथन है-

'' यो देवॉग्नौ योडप्सुयो विश्रं भुवनमाविवेश।
या औषधीयु यो वनस्पतिषु तस्मै देवाय नमोनमः ।।''
(श्वेतश्वरोपनिषद 2/1)

अर्थात : जो परमात्मा अग्नि में जल में है, समस्त लोकों में समाविष्ट है, जो सभी औषधियों एवं वनस्पतियों में विद्यमान है उस परमात्मा को नमन है। अब आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य आधुनिकता के अंध दौर में जीव वनस्पति जगत एवं पर्यावरण के बीच तारतम्य को नष्ट न करें अन्यथा उसकी भौतिक प्रगति उसकी जीवन-रक्षा न हो पायेगी। इसलिए पुनः नये सिरे से उपयोगी जीवनदायी वनस्पतियों का आरोपण तथा विकास प्रक्रिया आरंभ करें। इससे दोहरा लाभ है। एक तो मनुष्य को शक्ति व सामर्थ्यों से युक्त नया जीवन मिलेगा और दूसरा वातारण में संव्याप्त प्रदूषण की समस्या सुधरेगी। आयुर्वेद का पुर्नजीवन इस माध्यम से यदि संभव हो सके तो यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा होगी। अब मैं राष्ट्रीय नवीन मेल के पाठकों को एक ऐसा रोग का उपचार हेतु कुछ जड़ी-बूटियों से अवगत करा दूं जिससे चमत्कार रूपी शक्ति छुपी हुई है, परन्तु ये वनस्पति हमारे बीच होते हुए भी आज हम शरीर के हर संधियों पर शोथ के साथ-साथ दर्द से कराह रहे होते है और उन दिव्य शक्ति युक्त जड़ियों की उपेक्षा करते रहते हैं और उसे बेकार का वृक्ष समझ उसे नष्ट कर देते हैं। इस जड़ी के अन्दर बहुत बड़ा चमत्कार छुपा हैं आप इसे आजमायें और इसकी शक्ति को देखें। इस औषधिये पौधा का नाम है- ''गरमाडो '' ब्याधिघात, सोनालू तथा पहाड़ी भाषा में ''वाहवोह'' इसके वृक्ष भारतवर्ष में अधिकतर स्थानों पर प्राप्त हो जाते है, इसके पेड़ की गोलाई लगभग तीन फीट होती है तथा इस पेड़ की छाल उतारने पर लाल रंग का रस निकलता है। इसकी जड़ की छाल व जड़ी का कल्प बनाकर सेवन किया जाय तो कितना भी पुराना 'गठिया' क्यों ना हो वह सात दिनों में समाप्त हो जाता है और भविष्य में गठियां रोग नहीं होता। इस जड़ी का कल्प के साथ नागरमोथा चूर्ण , रास्नाचूर्ण और निर्गुण्डी चूर्ण को एक रस कर दें और सुबह-शाम उम्र के अनुसार 2.5 से 5 तक सेवन करें।

टी.बी. की बीमारी दूर करने में इसके मकाबले की अन्य वनस्पति नहीं है, इसकी जड़ को दूध में औटाकर पीने से किसी प्रकार का टी.बी समाप्त हो जाती है। यदि इसकी जड़ को घिस कर दाद पर लगाया जाय, तो कुछ ही दिनों में वह दाद समाप्त हो जाता है। हिमालय के कई क्षेत्रों में स्थानीय लोग इसकी जड़को गदहे के मूत्र में घीसकर चर्म रोगों पर लगाकर धुप में एक घंटे के लिए बैठते है और जलन होने पर एक घंटे बाद पानी के टब में बैठ जाते हैं। एक दिन में ही चर्मरोग से निजात हमेशा के लिए मिल जाता है। इसकी जड़, छाल, फल, फूल, और पत्ते पांचों को जल में पीसकर दाद-खुजली या चर्म विकारों पर लगाने से जादू के समान असर करता है। यदि पेशाब के साथ खून गिरता हो, तो इसके फल का गुदा नाभी पर लेप करने से तुरन्त फायदा होता है। इसके द्वारा श्वांस की रूकावट, कंठमाला कोढ, कर्ण रोग, बालकों का अफारा आदि तुरन्त दूर किया जा सकता है। आंतों के रोग ,कुष्ट, कब्जी गले की तकलीफ आदि में इसकी जड़ महत्पूर्ण औषधि कही गई है।

इसकी गिरी का क्राथ पिलाने से लघु विरेचन होकर श्वांस क रूकावट मिटती है।

इसके पत्तों को गरम करके इसकी पुल्टिस बांधने से सुन्नपन, गठिया और अर्दित में फायदा होता है।

इसके डेढ़ तोले गिरी को इस पानी में औंटाकर ढ़ाई तोले रहने पर उसमें तीन तोले गायक का घी मिलाकर खडे-खडे पीने से अण्ड-वृद्धि में लाभ होता है।

इसकी जड़ को चावलों के पानी के साथ पीसकर सुंघने और लेप करने से कण्ठमाला में काफी फायदा होता है।

इसके क्राथ को कान में डालने से पीव बहना बंद हो जाता है। इसके छिलके को औटाकर उसमें शक्कर मिलाकर पिलाने से गर्भवती स्त्री को आराम से प्रसव हो जाता है।

एक सत्य घटना : ये सन 2008 की घटना है उस समय ग्राम सखुआ गोल्लना (पाटन) के निवासी श्री गणेश तिवारी जी का आर्थिक स्थिति अच्छा नहीं था काफी कष्ट में समय गुजर रहा थे तथा वे बारालोटा , डालटनगंज में अपने साढ़ के मकान में किराये पर रहते थे। एक दिन उन्होंने मुझसे आग्रह किये कि अगर आप मुझे कुछ औषधि से परिचय करा दे तो मेरा भी रोजी रोटी चल सके। मैं उन्हें जंगल में ले जाकर उसी वनस्पति से परिचय कराया और बताया कि ये औषधि पुराना से पुराना गठिया रोग को मात्र सप्ताह पन्द्रह दिन में ठिक कर देता है। खुदा ना खास्ते इनके गांव के ही एक 25 वर्षीय मोर्चा का लड़का छह माह से बेड पर पड़ा हुआ था वों डा. अरूण शुक्ला जी तथा और कई और्थोपैद्रिक डाक्टरों से इलाज करा कर थक चुका था। डा. शुक्ला जी ने उसे अन्त में बोल दिया कि अब तुम्हारा ईलाज अंग्रेजी दवाओं से नहीं है। श्री गणेश तिवारी जी को मौका मिल गया ये उसके घर गये और बिना पैसा का ईलाज शुरू किया पन्द्रह दिनों के अथक प्रयास से वो लड़का खड़ा हुआ और दो माह बाद धान की कटाई हेतु आराजिला चल गया। तिवारी जी का मनोबल बढ़ा और वे अपने साले के साथ-मिल कर पलामू गढ़वा और लातेहार में गाड़ी से प्रचार कराकर करीब-करीब पांच हजार गठिया रोगी को रोग से रोग मुक्त किया और अच्छा धन भी कमाया। ईश्वर ने उनकी जन सेवा से प्रसन्न होकर उनके कष्ट को भी हर लिया और उन्हें सुखी-सम्पन्न बना दिया। इसलिये सभी वैद्य वनस्पतियों पर विश्वास करें और सच्ची लगन के साथ रोगियों की सेवा कर उन्हें रोगमुक्त करें। ईश्वर वद्यों को कष्ट मुक्त करेगें। जय धन्वन्तरी।

अर्शदीप न केवल विकेट पर गेंदबाजी कर रहे थे बल्कि उन्हें तोड़े भी : पार्थिव

एजेंसी। मुम्बई

पूर्व भारतीय क्रिकेटर पार्थिव पटेल पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के आईपीएल मुकाबले में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ प्रदर्शन से काफी संतुष्ट नजर आये। उन्होंने कहा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज वानखेड़े स्टेडियम में न केवल विकेट पर गेंदबाजी कर रहे थे बल्कि सटीक यॉर्कर से उन्हें तोड़ भी रहे थे।

पंजाब ने यह मुकाबला 13 रन से जीता। 215 के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुम्बई की टीम छह विकेट पर 201 रन ही बना सकी। अर्शदीप ने पारी का आखिरी ओवर बेहतरीन अंदाज में डाला जिसमें उन्होंने दो रन ही दिए और दो विकेट भी झटके।

मुम्बई को आखिरी ओवर में 16 रन की जरूरत थी और अर्शदीप ने तीसरी गेंद पर मिडल स्टंप तोड़ डाला जब तिलक वर्मा स्ट्राइक पर थे। यह कोई तुक्का नहीं था। अगली गेंद पर उन्होंने मिडल स्टंप फिर तोड़ डाला और इस बार नेहाल वढेरा

स्ट्राइक पर थे। वह चार ओवर में 29 रन पर चार विकेट लेकर पंजाब के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे।

जियोसिनेमा विशेषज्ञ पार्थिव पटेल ने कहा, आखिरी में निष्पादन सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने शुरूआत में ईशान किशन का विकेट लिया। मैच उस समय बदला जब उन्होंने सूर्यकुमार यादव को आउट किया। वह केवल विकेट पर गेंदबाजी नहीं कर रहे थे बल्कि उन्हें तोड़ भी रहे थे। उनकी यॉर्कर सटीक थीं। हमने दो विकेट टूटते देखे और वानखेड़े में मौजूद सभी अतिरिक्त स्टंप मंगा लिए गए।

उन्होंने कहा, अर्शदीप ने पंजाब के लिए मैच जीता क्योंकि उस समय काफी रन जा रहे थे। दबाव में गेंदबाजी करना और उनकी यॉर्कर को देखना, वह अपने कौशल पर भरोसा कर रहे थे और उसे सही तरीके से अंजाम पर पहुंचा रहे थे।

आखिरी मोड़ पर हारा मुंबई, कोच बोले- हमने गेंदबाजी की वजह से मैच गंवाया

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने पंजाब किंग्स के हाथों मिली हार के लिये अपने गेंदबाजों को दोषी ठहराया जिन्होंने पांच ओवर में 96 रन देकर पंजाब को आठ विकेट पर 214 रन बनाने दिये। जवाब में मुंबई की टीम 13 रन पीछे रह गई। कैमरन ग्रीन ने 43 गेंद में 67, सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंद में 57 और कप्तान रोहित शर्मा ने 27 गेंद में 44 रन बनाये। बाउचर ने मैच के बाद कहाए मुझे लगता है कि मुकाबला बराबरी का था। सूर्यकुमार का विकेट बड़ा था और गेंद जरा ऊंची जाती तो यह छक्का होता। उसने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन पंजाब को

बड़ा स्कोर बनाने दिया जो निराशाजनक है। हमने गेंदबाजी की वजह से मैच गंवाया।" उन्होंने कहा, सूर्य का फॉर्म में लौटना अच्छा है। उसको बल्लेबाजी करते देखना रोमांचक है। वह नेट पर अच्छा खेल रहा था और अब रन भी बन रहे हैं।" बाउचर ने कहा हमने 15वें ओवर में मैच पर नियंत्रण रखा था लेकिन फिर आखिरी पांच ओवरों में 96 रन दे डाले । यह निराशाजनक है।" उन्होंने अर्जुन तेंदुलकर का बचाव किया जिसने 15वें ओवर में 31 रन दिये। उसने तीन ओवर में 48 रन दे डाले। कोच ने कहा, रोहित काफी अनुभवी क्रिकेटर है और उसे लगा कि अर्जुन 14वां या 15वां ओवर डाल सकता है। कई बार फैसले आपके पक्ष में जाते हैं और कई बार नहीं। टी20 क्रिकेट में ऐसा ही होता है।"

हम चीजों को लेकर चिंता नहीं कर सकते : रोहित शर्मा

मुंबई। पंजाब किंग्स के हाथों 13 रन की हार के बाद मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि आईपीएल में अभी काफी समय बचा है और वे निराश होकर चीजों के बारे में चिंता नहीं कर सकते। कार्यवाहक कप्तान सैम करन की 29 गेंदों पर 55 रन, हरप्रीत सिंह की 28 गेंदों पर 41 रन और जितेश शर्मा की सात गेंदों पर 25 रन की तूफानी पारियों की बदौलत पंजाब ने 20 ओवर में 214/8 रन का मजबूत स्कोर बना लिया। रोहित ने स्वीकार किया कि घर पर हारना निराशाजनक है लेकिन साथ ही कहा कि टीम मौजूदा सत्र में सही दिशा में है। मुंबई इंडियंस तीन जीत और तीन हार के साथ तालिका में सातवें स्थान पर हैं। मुम्बई के कप्तान ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, डैथ गेंदबाजी में हमें निराशा मिली है। हमने फील्ड में कुछ गलतियां कीं जो हो सकती हैं। हम इसमें ज्यादा नहीं जाने वाले। रोहित ने कहा, हमें अपना सिर ऊंचा रखना होगा। हमने तीन मैच जीते हैं और तीन हारे हैं। यह फिफ्टी-फिफ्टी का मामला है। टूर्नामेंट में अभी काफी समय बचा है। हम निराश होकर चीजों के बारे में चिंता नहीं कर सकते। हां, यह सही है कि हम अपने चरम पर नहीं थे। हमने कुछ गलतियां कीं और हमें इन्हें देखना होगा। उन्होंने सूर्यकुमार और ग्रीन के प्रदर्शन की सराहना की और कहा, मैं बहुत खुश हूं जिस तरह इन दोनों ने बल्लेबाजी की और हमें खेल के अंत तक बनाये रखा। लेकिन श्रेय अर्शदीप को, जिस तरह उन्होंने आखिरी दो ओवरों में गेंदबाजी की। मुम्बई का अगला मुकाबला चौथे स्थान की टीम गुजरात टाइटंस से अहमदाबाद में मंगलवार को होगा।

आखिरी ओवर में राजस्थान नहीं पलट सका बाजी
बैंगलोर ने 7 रनों से जीता मैच

एजेंसी। बेंगलुरु

रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 32वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने राजस्थान रॉयल्स को रोमांचक मैच में 7 रनों से मात दी। इस मैच में बैंगलोर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 190 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में राजस्थान 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 182 रन ही बना पाई। राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 20 रनों की जरूरत थी, लेकिन राजस्थान के बल्लेबाज इस ओवर में मात्र 12 रन ही जोड़ पाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 47 रनों की पारी खेली। इसके अलावा देवदत्त पाडिकल ने भी 52 रनों की पारी खेली, अंत में ध्रुव जुरेल ने भी 32 रनों का योगदान दिया, लेकिन राजस्थान के अन्य बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाए, जिसके कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले बैंगलोर ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाए थे। ट्रेंट बोल्ड की पहले ओवर की पहली गेंद पर कप्तान विराट कोहली गोल्डन डक का शिकार बने जबकि बोल्ट की तीसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शाहबाज अहमद मात्र 2 रन बनाकर यशस्वी को कैच थमाकर पवेलियन लौट गए। तीसरे विकेट के लिए फॉफ डुप्लेसिस और ग्लेन मैक्सवेल के बीच 127 रन की साझेदारी हुई जो 14वें ओवर की दूसरी गेंद पर डुप्लेसिस के यशस्वी जायसवाल के हाथों रन आउट के साथ समाप्त हुई। डुप्लेसिस 39 गेंदों पर 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 62 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं अश्विन की 15वें ओवर की अंतिम गेंद पर मैक्सवेल होल्डर के हाथों कैच आउट हुए। मैक्सवेल ने 44 गेंदों पर 6 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 77 रन बनाए। 17वें ओवर में आरसीबी को दो झटके लगे, पहले 17वें ओवर की तीसरी गेंद पर चहल ने महिपाल लोमरोर (8) को पडिकल के हाथों कैच आउट करवाया जबकि इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर गलत कॉल की वजह से सुयश प्रभुदेसाई (0) सैमसन और जायसवाल के हाथों रन आउट हो गए।

टोरिनो ने सेरी ए में लाजियो की जीत का सिलसिला तोड़ा

एजेंसी। रोम

सेरी ए टूर्नामेंट में लाजियो की जीत का सिलसिला उस समय टूट गया जब शनिवार रात वह घरेलू मैदान पर टोरिनो से 1-0 से हार गई। सिन्हुआ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लाजियो ने शनिवार के खेल से पहले चार मैच लगातार जीता था, लेकिन उनके सनसनीखेज फॉर्म को इवान इलिक ने तोड़ दिया। इवान इलिक ने 43वें मिनट में गोल कर टोरिनो को 1-0 से जीत दिलाई। लाजियो 61 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, लेकिन रविवार को जुवेंटस अगर नेपोली को हरा देता है तो लाजियो तीसरे स्थान पर आ सकता है। इसके अलावा शनिवार को, सलेर्निटाना ने सासुओलो को 3-0 से हरा दिया और सम्पदोरिया ने स्पेजिया के साथ 1-1 से मैच साझा किया।

दिल्ली और हैदराबाद दोनों की नजरें अपने बल्लेबाजों पर

हैदराबाद। लगातार पांच हार का सिलसिला पिछले मैच में तोड़ने के बाद दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उतरेगी तो उसका इरादा जीत के सिलसिले को आगे बढाने का होगा। दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और उसे हर विभाग में निराशा हाथ लगी है। इसी वजह से उसे पहले पांच मैचों में पराजय झेलनी पड़ी। डेविड वॉर्नर और उनकी टीम ने आखिरकार बृहस्पतिवार को दिल्ली में कोलकाता नाइट राइडर्स को चार विकेट से हराकर पहले अंक हासिल किए। उसके गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करके केकेआर को 127 रन पर रोका हालांकि बल्लेबाजों में वॉर्नर और अक्षर पटेल को छोड़कर कोई नहीं चल सका। पृथ्वी शॉ और मिशेल मार्श का खराब फॉर्म टीम की समस्या बना हुआ है। शॉ ने पिछले छह मैचों में 12, 7, 0, 15, 0, 13 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला मार्श चार मैचों में दो बार खाता भी नहीं खोल सके। वहीं गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसकी वजह से रोवमैन पॉवेल या रिली रोसोयू को उतारा जा सकता है। युवा बल्लेबाजों के नाकाम रहने की वजह से मनीष पांडे पर जिम्मेदारी बढ़ गई है।

ला लिगा : मैड्रिड ने सेल्टा विगो को हराकर बार्सिलोना पर दबाव बनाया

एजेंसी। बासीलीना

रीयाल मैड्रिड ने सेल्टा विगो को 2 . 0 से हराकर स्पेनिश लीग फुटबॉल में शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना पर दबाव बना दिया। मार्को असेंसियो ने हाफटाइम से तीन मिनट पहले गोल करके बढत बनाई। इसके बाद सेंटर बैक एडेर मिलिताओ ने 48वें मिनट में दूसरा गोल किया। इस जीत के बाद मैड्रिड और बार्सिलोना के बीच सिर्फ आठ अंक का अंतर रह गया है। बार्सिलोना को रविवार को तीसरे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से खेलना है। बार्सिलोना को पिछले दो मैचों में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा जिससे मैड्रिड ने उसकी बढत का अंतर कम कर दिया। अन्य मैचों में रीयाल सोशिदाद ने रायो वालेकानो को 2 . 1 से हराकर चौथे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। पांचवें स्थान पर काबिज रीयाल बेटिस को ओसासुना ने 3 . 2 से मात दी। एथलेटिक बिलबाओ ने अल्मेरिया को 2 . 1 से हराया जबकि वाल्लाडोलिड ने गिरोना को 1 . 0 से मात दी।

50 के सचिन | **तेंदुलकर के बाउंसर से नाक में हो गए थे कई फ्रैक्चर**

बंटू सिंह ने सुनाया 32 साल पुराना किस्सा

एजेंसी। नई दिल्ली

सचिन तेंदुलकर ने अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से कई गेंदबाजों को डराया लेकिन 1991 में दिल्ली और मुंबई के बीच खेले गए रणजी मैच में 'मास्टर ब्लास्टर' की गेंद पर बंटू सिंह के नाक में कई फ्रैक्चर हो गए और खून बहने लगा। बंटू 1980 और 90 के दशक में दिल्ली की बल्लेबाजी के स्तंभ थे। उन्होंने तेंदुलकर के 50वें जन्मदिन से एक दिन पहले 32 साल पहले के वाक्यें को याद दिया। यह घटना 20 अप्रैल 1991 को घटी थी। उन्होंने कहा, 'मेरे नाक का नक्शा बदल गया, तेंदुलकर के उस बाउंसर के बाद अब मेरे पास एक नया नाक है।' उस दौर में मुंबई और दिल्ली की प्रतिद्वंद्विता चरम पर थी और दोनों टीमों के बीच कांटे का मुकाबला होता था। बंटू ने बताया, हमने कोटला में एक घसियाली पिच तैयार करने की कोशिश की थी, जिस पर गेंद को उछाल मिलता लेकिन बाद में यह बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग बन गया। हमारे तेज गेंदबाज संजीव (शर्मा) और अतुल (वासन) ने अपना आखिरी सत्र खेल रहे दिलीप भाई (वेंगसरकर) को कुछ बाउंसर फेंके थे।' उन्होंने कहा, मुझे याद है कि कम से कम दो मौकों पर, अतुल के बाउंसरों ने दिलीप भाई के सीने पर लगा था और छींटाकशी शुरू हो गई थी। दिल्ली की टीम क्वार्टर फाइनल में एक रन से हार गई क्योंकि उन्होंने पहली पारी में मुंबई के 390 रन के जवाब में 389 रन बनाए थे। दूसरी पारी में मुंबई ने संजय मांजरेकर, तेंदुलकर और चंद्रकांत पंडित के शतकों की मदद से 719 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। उन्होंने कहा, मुझे यह चोट दूसरी पारी में लगी थी। पहली पारी में मैंने शतक बनाया था और महज औपचारिकता वाली दूसरी पारी में मैंने तेंदुलकर के खिलाफ चौका जड़ा लेकिन उनकी अगली गेंद घास पर टप्पा खाकर उछाल लेती हुए तेजी से मेरी ओर आई, मैने पुल शॉट खेला और गेंद बल्ले का किनारा लेते हुए नाक पर जा लगी। यह चोट इतना गंभीर था कि मैंने अपना संतुलन खो दिया, मांजरेकर स्लिप से दौड़कर मेरे पास पहुंचे और मुझे गिरने से बचाया। मेरा और मांजरेकर दोनों का शार्ट खून से लाल हो गया था।' बंटू को कोटला के ठीक पीछे संजीवन अस्पताल ले जाया गया और पता चला कि उसकी नाक में कई फ्रैक्चर हैं, जिसके लिए सर्जरी की जरूरत है। उन्हें कम से कम दो महीने तक तरल आहार पर रहना पड़ा। बंटू ने हालांकि तेंदुलकर की इंसानियत को याद किया। उन्होंने कहा, मुंबई की टीम मैच समाप्त होने के बाद उसी शाम को चली गई थी। रात के लगभग 11 बजे थे कि हमारे लैंडलाइन फोन की घंटी बजी और मेरे पिताजी ने उठाया। दूसरी तरफ तेंदुलकर थे। पता नहीं उन्होंने मेरा फोन नंबर कैसे ढूंढा। उन्होंने मेरे पिताजी से पूछा, बंटू कैसे है? डॉक्टर क्या कह रहे हैं? बंटू ने बताया, बाद में, जब भी हम मिलते थे, वह पूछते थे, नाक ठीक है न तेरा।

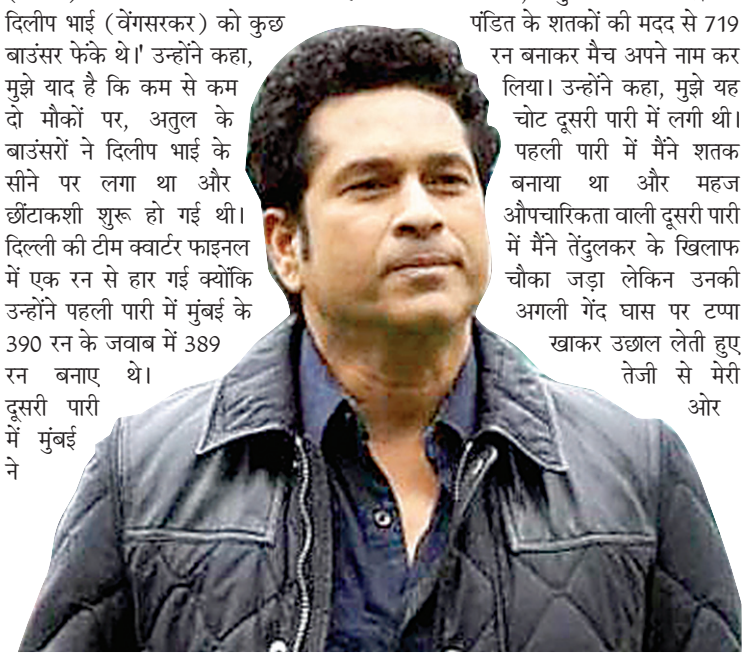

पीसी का कारोबार चरमराया तो लेनोवो ने कर्मचारियों की छंटनी शुरू की

एजेंसी। नई दिल्ली। वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांड लेनोवो ने कथित तौर पर कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है, क्योंकि आर्थिक मंदी के बीच उसके पीसी व्यवसाय को काफी नुकसान हुआ है। सीआरएन में एक रिपोर्ट के मुताबिक, लेवोनो में नौकरी में कटौती लगभग 115 मिलियन डॉलर की लागत-कटौती योजना का हिस्सा है। लेनोवो के सीईओ यांग युआनकिंग ने फरवरी में खर्च में व्यापक कमी के हिस्से के रूप में आने वाले कार्यबल समायोजन के बारे में सूचित किया था। कंपनी के 2022 वित्तीय वर्ष के अंत में लगभग 75,000 कर्मचारी थे। कंपनी के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, जैसा कि हमारे सीईओ युआनकिंग यांग ने हमारी सबसे हालिया तिमाही कमाई की घोषणा में कहा था, हम परिचालन व्यय को कम कर रहे हैं और आवश्यक और उचित कार्यबल समायोजन कर रहे हैं। प्रवक्ता ने डब्ल्यूआरएएल टेकवायर को बताया, हम उन क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखते हैं जो विकास और कंपनी के समग्र परिवर्तन को गति देते हैं। पीसी और स्मार्टफोन बाजारों में गंभीर गिरावट के कारण 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही में कंपनी का राजस्व 24 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) घटकर 15.3 बिलियन डॉलर और शुद्ध आय 437 मिलियन डॉलर रह गई। कंपनी ने भविष्य में कुल लागत में कटौती के हिस्से के रूप में नौकरी में कटौती का संकेत दिया था। लेनोवो सीएफओ वोंग वाई मिंग ने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के संगम और बाजार की मांग में गतिशील बदलाव पर मंदी का दोष माना था। इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी) के अनुसार, मार्च तिमाही (क्यू1 2023) में, कमजोर मांग, अतिरिक्त इन्वेंट्री और बिगड़ते मैक्रोइकॉनॉमिक माहौल के परिणामस्वरूप पारंपरिक पीसी के वैश्विक शिपमेंट में 56.9 मिलियन रिकॉर्ड किया गया, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 29 प्रतिशत की भारी गिरावट है। लेनोवो 22.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ वैश्विक पीसी बाजार का नेतृत्व करता है, इसके बाद एचपी इंक 21.1 प्रतिशत और डेल टेक्नोलॉजीज 16.7 प्रतिशत पर है। रिपोर्ट के अनुसार,

विकास और मांग में ठहराव भी आपूर्ति श्रृंखला को बदलाव करने के लिए कुछ जगह दे रहा है क्योंकि कई कारखाने चीन के बाहर उत्पादन विकल्प तलाशने लगे हैं। यदि प्रमुख बाजारों में मंदी अगले वर्ष तक खिंचती है, तो सुधार धीमा हो सकता है।

सॉफ्टवेयर कंपनी एफ5 करेगी 9 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी

एजेंसी। सैन फ्रांसिस्को
अमेरिका की सॉफ्टवेयर कंपनी एफ5 ने वैश्विक स्तर पर अपने 9 फीसदी यानी करीब 623 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। एफ5 के प्रेसिडेंट सीईओ और डायरेक्टर फ्रेंकोइस लोकोह-डोनौ ने कर्मचारियों को लिखे एक ईमेल में कहा, जैसा कि हम पिछले छह महीनों से देख रहे है, यह साफ है कि बढ़ती ब्याज दरों, जियोपॉलिटिकल इवेंट्स और मैक्रोइकॉनॉमिक अनिश्चितता ने हमारे कस्टमर्स के खर्च करने के पैटर्न को प्रभावित किया है। हम पूरी तरह से आश्वस्त नहीं है कि यह हालात कब तक बने रहेंगे, हम यह भी नहीं जानते कि जब यह सब सामान्य हो जाएगा, तब कैसा दिखेगा। इस अनिश्चितता के चलते भविष्य के विकास को खतरे में डाले बिना हमें अपनी लागत कम करने के उपाय करने चाहिए। कंपनी के अनुसार, कर्मचारियों की संख्या में कटौती से अमेरिका, ईएमईए (यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका), ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड, कनाडा, लैटिन अमेरिका, एपीसीजे और भारत सहित विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारी प्रभावित होंगे। इसके अलावा,

सॉफ्टवेयर फर्म ने कहा कि वह विच्छेद लाभों पर 45 मिलियन डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है और अपने कर्मचारियों की संख्या कम करने से 130 मिलियन डॉलर की वार्षिक बचत की उम्मीद करती है। प्रभावित होने वालों को उनकी वित्तीय वर्ष 2023 के दूसरी तिमाही एमबीओ पेआउट और 1 मई स्टॉक वेस्ट, आउटप्लेसमेंट असिस्टेंस, जहां संभव हो एफ5 लैपटॉप और आव्रजन समर्थन के लिए उचित मुआवजा मिलेगा। इसके अलावा, कंपनी ट्रेवल और एक्सपेंस बजट में और कटौती लागू करेगी और कंपनी के बड़े आंतरिक आयोजनों को वर्जुअल फॉर्मेट में शिफ्ट करेगी।

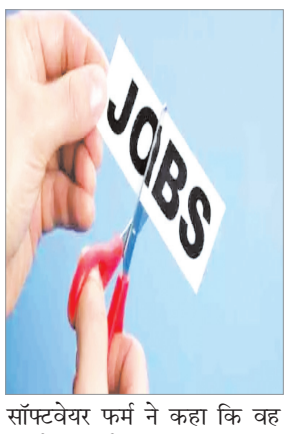

भारत में 26 मार्च को लॉन्च होगी वीवो 90 सीरीज

नई दिल्ली। चाइनीज टेक कंपनी वीवो भारतीय बाजार में 26 अप्रैल को 'वीवो 90 सीरीज' के दो स्मार्टफोन लॉन्च करेगी। इसमें वीवो 90 और वीवो 90 प्रो शामिल हैं। कंपनी ने ऑफिशियल और ई कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट पर 'वीवो 90 सीरीज' को टीज कर लॉन्च इवेंट की जानकारी दी है। लॉन्च से पहले कंपनी ने कई टेक रिव्यूअर्स को स्मार्टफोन टेस्ट करने के लिए दिया है, जो फोन के कैमरे का सैंपल और स्मार्टफोन की डिजाइन को सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर पर शेयर कर रहे हैं। रिव्यूअर्स की ओर से शेयर किए जा रहे फोटोज और वीडियो को कंपनी भी अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट से कमेंट करते हुए शेयर कर रही है। टीजर में वीवो 90 सीरीज लेदर फिनिश के साथ ब्लैक कलर में दिखाई दे रहा है, जिसमें राउंड सेप में एक गोल रियर कैमरा मॉड्यूल दिया गया है। अभी तक वीवो ने स्मार्टफोन के स्पेसिफिकेशन के बारे में ऑफिशियल तौर पर कोई भी जानकारी नहीं दी है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में स्मार्टफोन के स्पेसिफिकेशन के बारे में कई जानकारी सामने आ गई है। आइए इन्हीं रिपोर्ट्स के अनुसार स्मार्टफोन के स्पेसिफिकेशन के बारे में जानते हैं।

कोच्चि में 25 अप्रैल को पीएम मोदी वाटर मेट्रो को दिखाएंगे हरी झंडी

पटरी पर नहीं, पानी पर दौड़ेगी

प्रोजेक्ट में लगे 1136 करोड़

एजेंसी। कोच्चि
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अप्रैल (मंगलवार) को केरल के कोच्चि में देश की पहली वाटर मेट्रो सर्विस का उद्घाटन करने वाले हैं। पोर्ट सिटी कोच्चि में वाटर मेट्रो सर्विस को 1,136.83 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत कोच्चि सिटी से आस-पास के 10 आइलैंड्स को जोड़ा जाएगा। इस कभी न रुकने वाली कनेक्टिविटी का यह काम बैटरी-ऑपरेटेड इलेक्ट्रिक हाइब्रिड बोट्स से किया जाएगा। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को कोच्चि वाटर मेट्रो को राज्य का 'ड्रीम प्रोजेक्ट' बताया है। एक ट्वीट में उन्होंने कहा कि साउदर्न स्टेट्स के ट्रांसपोर्ट एंड टूरिज्म सेक्टर्स के लिए अच्छा समय आने वाला है। विजयन ने लिखा, 'वर्ल्ड क्लास कोच्चि वाटर मेट्रो अपनी जर्नी के लिए तैयार है। यह कोच्चि में और उसके आसपास के 10 आइलैंड्स को जोड़ने वाला केरल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। कोच्चि वाटर मेट्रो प्रोजेक्ट में 78 इलेक्ट्रिक बोट्स और 38 टर्मिनल्स हैं, जिसकी लागत 1,136.83 करोड़ रुपए है। इस प्रोजेक्ट को गवर्नमेंट ऑफ केरल और डाह ने फंड किया है।' डाह एक जर्मन फंडिंग एजेंसी है। इस प्रोजेक्ट के पहले फेज में जल्द ही हाई कोर्ट-वाइपिन टर्मिनल्स से व्याटिला-कक्कनाड टर्मिनल्स तक सर्विस शुरू की जाएगी। यात्री 'कोच्चि-1' कार्ड का यूज करके कोच्चि मेट्रो और वाटर मेट्रो दोनों में यात्रा कर सकते हैं। इसके अलावा वे डिजिटल तरीके से टिकट बुक भी कर सकते हैं। पीएम मोदी 24 और 25 अप्रैल को मध्य प्रदेश, केरल, दादरा एंड नगर हवेली और दमन एंड दीव का दौरा करेंगे। 25 अप्रैल को वह तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेशन पर तिरुवनंतपुरम और कासरगोड के बीच केरल की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, कोट्टायम, एनार्कुलम, त्रिशूर, पलक्कड़, पठानमथिट्टा, मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जैसे 11 जिलों को कवर करेगी। वहीं कोच्चि वाटर मेट्रो के अलावा प्रधानमंत्री डिंडीगुल-पलानी-पलक्कड़ सेक्शन का रेल इलेक्ट्रिफिकेशन का उद्घाटन भी करेंगे। ढट मोदी तिरुवनंतपुरम में डिजिटल साइंस पार्क की आधारशिला भी रखेंगे।

पेज एक के शेष

अमृतपाल गिरफ्तार ...

उन्होंने दावा किया: हमने ऑपरेशन चलाकर सुबह 6:45 बजे अमृतपाल सिंह को गिरफ़्तार किया था। इस पूरे ऑपरेशन के दौरान पंजाब के लोगों ने शांति, कानून व्यवस्था बनाए रखी, जिसके लिए हम उनका धन्यवाद करते हैं। इसके साथ ही आईजी ने पंजाब के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

18 मार्च को पकड़ सकते थे, लेकिन तब गोलियां चलानी पड़ती : मान
पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह पंजाब के साढ़े तीन करोड़ लोगों को आश्वस्त करते हैं कि पंजाब में अमन शांति है। सीएम ने अमृतपाल का नाम लिए बिना कहा कि मुझे इस मामले की पूरी जानकारी थी। मैं कल पूरी रात नहीं सोया। हर 15 मिनट में मैं अपडेट ले रहा था क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि कोई भी खून खराबा हो। लेकिन पंजाब के लिए मुझे नींद गंवाने का कोई दुख नहीं है। 18 मार्च को भी अमृतपाल की गिरफ्तारी हो सकती थी लेकिन गोली चलानी पड़ती, इसलिए पंजाब पुलिस ने काफी संयम बरता। उन्होंने पंजाब पुलिस की पूरे ऑपरेशन के लिए पीठ भी थपथपाई।

शाह ने कहा था- कभी भी पकड़ा जा सकता है अमृतपाल
शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अमृतपाल को लेकर एक बयान दिया था। शाह ने बेंगलुरु में कहा कि पंजाब में खालिस्तानी लहर नहीं है और केंद्र स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है। कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा था कि अमृतपाल की गिरफ्तारी किसी भी वक्त की जा सकती है। कोई भी भारत की एकता पर हमला नहीं कर सकता है। उन्होंने पंजाब सरकार की भी तारीफ की थी। शाह ने कहा था कि पहले वह खुलेआम घूमता था, लेकिन अब वह अपनी गतिविधियों को जारी नहीं रख सकता।

आगजनी मामले में...

के साथ कोलेबिरा के बिजली ग्रिड साईड, इटकी में रोड निर्माण कार्य में आगजनी की घटना को अंजाम देने के साथ खूटी में एक लडकी की 2019 में की गई हत्या में अपनी संलिप्ता स्वीकार की है। गिरफतार अभियुक्तों के पास से पीएलएफआई का पर्चा अलग अलग कंपनियों के मोबाईल सीम कार्ड, मोबाईल फोन एवं फर्जी आधारकार्ड की छाया प्रति एवं दो स्कूटी अभियुक्तों के पास से बरामद कर जब्त किया गया इस काण्ड के उदभेदन में खूंटी पुलिस द्वारा सहयोग प्राप्त हुआ गिरफ्तार उग्रवादियों में नितीश गोप, उर्फ विकास टाईगर, नीरज गोप एवं सतीश उरांव शामिल है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डेविड ए ढोढराय, पुलिस अंचल निरीक्षक रामानुज वर्मा कोलेबिरा थाना प्रभारी प्रभात कुमार सब इंस्पेक्टर राजेश कुमार उपस्थित थे।

कैसे होगा ...

होने चला। कितने लोगों की जमीन लूटी गई। कई पार्टियों की यहां सरकार बनी पर कोई भी जमीन बचाने के लिए आगे नहीं आयी। सीएनटी-एसपीटी की जमीन बाहरी लोग खरीद रहे हैं। एक लाख गरीब आदिवासियों की दखल- दिहानी की जमीन पर हक कौन दिलाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के अगल-बगल जितने लोग हैं, वे सब बिहारी हैं। सदन में माइक बंद कर देते हैं लेकिन बाहर मुझे बोलने से कैसे रोकेंगे। मैं झारखंड के लोगों को रास्ता दिखाऊंगा कि किधर जाना है। गवर्नर को अवगत कराएंगे कि किस तरह से हमारी जमीन लूटी जा रहा है। गवर्नर राज्य के मालिक हैं, उनसे जमीन लूट की बात बताएंगे। माटी मांगे खून डरना नहीं है जमीन के लिए। जब- जब छात्र बोला है राज सिंहासन डोला है। सिर्फ स्टूडेंट के लिए आउटसोर्सिंग नियुक्ति क्यों। मुख्यमंत्री और मंत्री भी आउटसोर्सिंग पर निर्भर हो गए हैं।

10 करोड़ लोग ...

के मध्य में अशोक स्तम्भ का सिंह होगा जिसके नीचे सत्यमेव जयते लिखा होगा। इसके अलावा किनारे भारत और अंग्रेजी में इंडिया लिखा होगा। शीर्ष के नीचे चिन्ह होगा तथा 100 अंकित होगा। वहीं पृष्ठ भाग (सिक्के के दूसरी तरफ) मन की बात की 100वीं कड़ी का प्रतीक चिह्न होगा। जिसमें ध्वनि तरंगों के साथ माइक्रोफोन की फोटो होगी। माइक्रोफोन के चित्र पर '2023' अंकित होगा। माइक्रोफोन के चित्र के ऊपर और नीचे में हिंदी में क्रमशः 'मन की बात 100' और अंग्रेजी में 'मन की बात 100' लिखा होगा।वहीं सिक्के का कुल वजन 35 ग्राम होगा। कर्नाटक व उ.प्र. में तो चुनाव है, बिहार में चुनाव नहीं है, फिर भी वहां भी चुनावी तैयारी वाला ही तामझाम किया जा रहा है। इस बारे में बिहार के भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी का कहना है कि राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में चिन्हित 100 केंद्रों पर एलईडी टीवी के साथ ही स्पीकर आदि के इंतजाम किए गए हैं। ताकि इन केंद्रों पर आने वाले पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी को लाइव देख और सुन सकें। कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी जिला प्रभारियों और विधानसभा क्षेत्र प्रभारियों को जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा नेताओं का कहना है कि 30 अप्रैल को मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपिसोड को लोगों को सुनाने की जो विशेष तैयारी हो रही है, उसमें देश के 100000 (एक लाख) से भी ज्यादा बूथों पर व तीन लाख गांवों में इसका प्रसारण सुनाने की योजना बनाई गई है, ताकि पीएम मोदी की मन की बात घर-घर पहुंचाया जा सके।

विदेश

अर्जेंटीना में डेंगू से 40 से ज्यादा लोगों की मौत

एजेंसी। अर्जेंटीना
अर्जेंटीना में डेंगू बुखार के गंभीर प्रकोप ने 40 से अधिक लोगों की जान ले ली है जबकि 60,000 से अधिक लोग संक्रमित हो गए हैं। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई है। डेंगू सबसे आम वायरल संक्रमण है जो एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। यह उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में अधिक आम है। डेंगू के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, मतली और जोड़ों में दर्द शामिल हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, चिली और बोलीविया के साथ अर्जेंटीना की सीमाओं के पास साल्टा, तुकुमन और जुजुय के उत्तर-पश्चिमी प्रांतों में सबसे अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। अर्जेंटीना में आखिरी बड़ा प्रकोप 2020 में हुआ था। हालांकि, देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि डेंगू के मामले बढ़ने अब बंद हो गए हैं। इस बीच, स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से मच्छर रोधी उपाय अपनाने का आग्रह किया है, जिसमें दरवाजे और खिड़कियों पर मच्छरदानी लगाना, कीटों को दूर भगाने वाली दवाओं का उपयोग और जिसमें मच्छरों का प्रजनन हो सकता है पानी के ऐसे कंटेनरों को हटाना शामिल है। उन्होंने डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए प्रमुख प्रकार के मच्छरों पर विकिरण का प्रयोग भी किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हाल के दशकों में दुनिया भर में डेंगू के मामलों में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है। दुनिया की लगभग आधी आबादी अब डेंगू के खतरे में है और हर साल अनुमानित 10-40 करोड़ लोग इससे संक्रमित होते हैं।

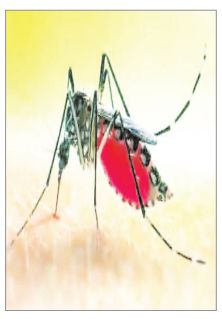

जापान में पहली बार गर्भपात की गोली को मिली मंजूरी

एजेंसी। जापान
जापान में स्वास्थ्य मंत्रालय के एक पैनल ने देश में पहली बार गर्भपात की गोली को मंजूरी दी है। जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, जापानी पैनल ने ब्रिटेन की लाइनफार्मा इंटरनैशनल लिमिटेड द्वारा निर्मित 'मेफीगो पिल' को गर्भपात की गोली को मंजूरी दी है हालांकि इसे स्वास्थ्य मंत्री की मंजूरी मिलनी बाकी है। मेफीगो पिल को जापानी महिलाओं के प्रजनन अधिकारों की बढ़ती मांग के बीच सर्जरी के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार , स्वास्थ्य मंत्रालय के एक पैनल ने इस फैसले से पहले ऑनलाइन एक सर्वे कराया, जिसमें 12,000 सार्वजनिक टिप्पणियों को एकत्रित कर उन पर समीक्षा की गई। जिसके बाद इस कदम की घोषणा की गई. जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री से अंतिम मंजूरी मिलने की उम्मीद है। गौरतलब है कि लगभग 30 सालों से विदेशों में गर्भपात की गोलियों का उपयोग किया जाता रहा है। करीब 80 से अधिक देशों में गर्भपात की गोलियां उपलब्ध हैं. ऐसे में जापान की इस बात को लेकर हमेशा आलोचना होती रहती थी। जापान टाइम्स ने बताया कि 1988 में इस तरह की गोली को मंजूरी देने वाला फ्रांस पहला देश था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी गर्भपात की गोली का समर्थन करते हुए इसे सुरक्षित बताया है, बावजूद इसके जापान में गर्भपात की गोलियों पर प्रतिबन्ध है। जापान में अभी तक सर्जिकल प्रक्रिया ही गर्भपात के लिए एकमात्र विकल्प उपलब्ध हैं।

इंडोनेशिया में एक ही दिन में आए भूकंप के दो झटके

एजेंसी। इंडोनेशिया
यूरोपियन मेडिटेरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर ने जानकारी दी कि रविवार (23 अप्रैल) की सुबह इंडोनेशिया के केपुलुआन बाटू में लगभग 6 तीव्रता के दो भूकंप आए हैं। केपुलुआन बाटू में रविवार को 6.1 की तीव्रता का पहला भूकंप आया. इसके कुछ ही घंटों बाद 5.8 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया। यूरोपियन मेडिटेरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर ने जानकारी दी कि पहले भूकंप का केंद्र 43 किमी धरती के नीचे और दूसरे भूकंप का केंद्र 40 किमी के गहराई में था। हालांकि, इस भूकंप से किसी भी तरह के जानमाल के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। इंडोनेशिया में अक्सर भूकंप आते रहते है। इंडोनेशिया में इस हफ्ते शुक्रवार को एक और शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 दर्ज की गई थी। ये भूकंप भूकंप भारतीय समयानुसार दोपहर 3:51 पर महसूस किया गया था। इंडोनेशिया में भूकंप आने का सबसे बड़ा कारण ये है कि वो एक बेहद ही संवेदनशील जगह पर स्थित है, जहां पर भूकंप आते रहते है। इस जगह को फायर ऑफ रिंग भी कहते हैं। भूकंप आने की सबसे बड़ी वजह है कि धरती के नीचे ऐसे कई टेक्टॉनिक प्लेट्स होते है, जो आपस में टकरा जाते है। इसके बाद कंपन पैदा होता है, जिसे झटके महसूस होते है। धरती के नीचे सारी चीजें तरल पदार्थ में मौजूद है, जिसके वजह से भी प्लेट तैरते हुए आपस में टकरा जाती हैं।

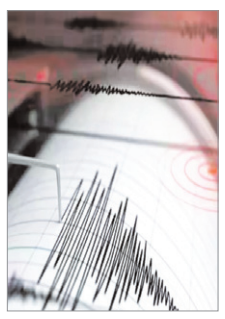

लोग परेशान

अमेरिका ने अपने 70 डिप्लोमैट्स को एयरलिफ्ट किया

सऊदी अरब ने सूडान से नागरिकों को निकाला

एजेंसी। खार्तूम
अफ्रीकी देश सूडान में लड़ाई के बीच इंटरनेट बंद कर दिया गया है। 72 घंटे की सीजफायर के बावजूद दोनों तरफ से हमले जारी हैं। इन सब के बीच वहां फंसे लोगों का रेस्क्यू किया जा रहा है। सऊदी अरब ने शनिवार देर रात सूडान में फंसे 158 लोगों को सुरक्षित निकाला। इनमें कई भारतीय भी शामिल हैं। वहीं, रविवार सुबह अमेरिका ने खार्तूम में स्थित अपनी एंबेसी के स्टाफ को सुरक्षित निकाल लिया। अमेरिकी मीडिया उठठ ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि एंबेसी के 70 डिप्लोमैट्स और उनके परिवार को सुरक्षित निकालने के लिए मिलिट्री के एयरक्राफ्ट में एयरलिफ्ट किया गया। सूडान में तख्तापलट के लिए सेना और पैरामिलिट्री- रेपिड सपोर्ट फोर्स (फ्रत्र्) के बीच 9 दिन से लड़ाई जारी है। यहां 15 अप्रैल के बाद से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इसके चलते रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतें आ रही हैं। स्वास्थ्यकर्मी भी घायलों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। सऊदी अरब ने भारत समेत पाकिस्तान, कुवैत, कतर, वअए, मिस्त्र, ट्यूनीशिया, बुल्गारिया, बांग्लादेश, फिलिपींस, कनाडा, बुर्किना फासो के नागरिकों को भी रेस्क्यू किया है। सऊदी अरब ने भारत समेत पाकिस्तान, कुवैत, कतर, वअए, मिस्त्र, ट्यूनीशिया, एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी एंबेसी को फिलहाल के लिए बंद कर दिया गया है। यहां सभी काम रोक दिए गए हैं। सूडान में अमेरिकी दूतावास के काम दोबारा कब शुरू किए जाएंगे, इस बारे में भी नहीं बताया गया। वहीं, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (हत्र्ड) की रिपोर्ट के मुताबिक, 15 अप्रैल तक लड़ाई में 400 लोगों की मौत हो चुकी थी। करीब 3500 लोग घायल हुए थे इधर, भारतीयों की सुरक्षित वापसी को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 18 अप्रैल को सऊदी के फॉरेन मिनिस्टर फैसल बिन फरहान अल सऊद से बातचीत की थी। इसके बाद सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारतीयों के साथ ही 12 मित्र देशों के लोग, सूडान से सुरक्षित रूप से पहुंचे हैं। सऊदी अरब ने जिन लोगों को सुरक्षित निकाला है, इनमें डिप्लोमैट्स और इंटरनेशनल ऑफिसर्स भी शामिल हैं। इनके साथ ही सऊदी अरब के 91 नागरिक भी स्वदेश पहुंचे हैं। निकाले गए भारतीयों की संख्या नहीं बताई गई है।

अमेरिका की झील में डूबे दो भारतीय छात्रों के शव बरामद

न्यूयॉर्क। पिछले सप्ताह एक झील से लापता इंडियाना यूनिवर्सिटी के भारत के दो छात्रों का शव बरामद किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इंडियाना डिपॉर्टमेंट ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि सिद्धांत शाह, और आर्यन वैद्य 15 अप्रैल को दोस्तों के एक समूह के साथ, इंडियानापोलिस शहर से लगभग 64 मील दक्षिण-पश्चिम में स्थित मोनरो झील में गए थे। तैरने के दौरान वे दोनों झील में डूब गए। 18 अप्रैल को पायनेटाउन मरीना के पूर्व में 18 फीट पानी में शवों को बरामद किया गया। डिपार्टमेंट ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज के प्रतिनिधि लेफ्टिनेंट एंजेला गोल्डमैन ने यूएसए टुडे को बताया कि एक को बचान के प्रयास में दोनों डूब गए थे।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

NEWS इन ब्रीफ

दलाई लामा नवंबर में अरुणाचल का दौरा करेंगे

ईटानगर। तिब्बत के निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के इस साल नवंबर में अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने की संभावना है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया : शांति के दूत, करुणा के अवतार, ज्ञान के सागर, परम पावन 14वें दलाई लामा के साथ आज सुबह अपने परिवार के सदस्यों के साथ दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस साल अक्टूबर-नवंबर तक। राज्य और इसके लोगों के लिए उनका आशीर्वाद मांगा। बीजिंग ने हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह की 10-11 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश की यात्रा पर अंजाव जिले के किबिथू गांव में 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' (वीवीपी) शुरू करने पर नाराजगी जताई थी, जो चीन और म्यांमार के साथ सीमा साझा करता है।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार का डेथ वॉरंट जारी !

संजय राउत का दावा : 15-20 दिन में गिर जाएगी सरकार

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब) के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार के डेथ वॉरंट जारी हो चुका है और यह सरकार 15-20 दिन में गिर जाएगी। राउत ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि उनकी पार्टी कोर्ट के आदेश का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि हमारे साथ न्याय होगा। राज्यसभा सांसद सुप्रीम कोर्ट के उस केस की बात कर रहे थे, जिसमें शिवसेना के 16

बागी विधायकों की अयोग्यता पर फैसला होना बाकी है। गौरतलब है कि शिवसेना के कई नेताओं ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व को मानने से इनकार करते हुए अपना समर्थन एकनाथ शिंदे गुट को दे दिया था। विधायकों की इसी बगावत के खिलाफ ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 16 बागी विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की थी। राउत ने कहा, मौजूदा मुख्यमंत्री और उनकी 40 विधायकों की सरकार 15 से 20 दिनों में ही गिर जाएगी। इस सरकार का डेथ वॉरंट जारी हो चुका है। अब बस इस पर फैसला होना है कि इस पर हस्ताक्षर कौन करेगा। पिछले साल जून में ही शिवसेना नेता शिंदे ने महाविकास अघाड़ी सरकार में रहते हुए बगावत कर दी थी। शिंदे ने शिवसेना के 39 विधायकों को लेकर अपना अलग गुट बना लिया था, जिसके बाद महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल आ गया था। शिंदे महाविकास अघाड़ी को तोड़ने और भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन बनाया था।

...जब एसआई मनजीत कौर ने परिवार की रजामंदी से महिला से की शादी

विशाल गुलाटी। चंडीगढ़

समलैंगिक शादियों को कानूनी मान्यता देने पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ में बहस हो रही है और सरकार के पास यह साबित करने के लिए कोई डेटा नहीं है कि ऐसी शादियां एक शहरी-अभिजात्य वर्ग की अवधारणा है, पंजाब में समाज की आवाज 'प्रतिबिंबित' हुई। जब राज्य पुलिस में एक सब-इंस्पेक्टर मनजीत कौर ने 2017 में एक महिला के साथ शादी के बंधन में बंधी। मीडिया की चकाचौंध के बीच शादी में परिवार के सदस्य और दोस्त शामिल हुए। पुलिस अधिकारी ने पारंपरिक लाल पगड़ी पहनी और उसकी दुल्हन रथ पर सवार होकर आई। इसे हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार मनाया गया। 'दंपति' को न केवल एलजीबीटीक्यू (लेस्बियन, गे, बाइसेक्शुअल, ट्रांसजेंडर और क्वीर) समुदाय से बल्कि मशहूर हस्तियों से भी दुनिया भर में सराहना मिली।

जबकि याचिकाकर्ता समानता के लिए तर्क देते हैं और केंद्र सरकार स्थिरता के आधार पर विरोध करती है, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने जवाब दिया कि भारत सरकार की वर्तमान स्थिति समलैंगिक विवाह की मान्यता का विरोध करने का मतलब है कि उदय और पार्थ जैसे समान-लिंग वाले जोड़ों को शादी के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। दोनों में से केवल एक को कानूनी रूप से अपने बच्चों के पिता के रूप में मान्यता प्राप्त है। वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन, जो पंजाब की एक दलित महिला, याचिकाकर्ता काजल और हरियाणा की एक ओबीसी महिला, उसकी साथी भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि वे सबूत हैं कि समलैंगिक विवाह एक शहरी अभिजात्य अवधारणा नहीं है।

केंद्र के बयान को लापरवाह, अनावश्यक और असंवेदनशील करार देते हुए रामचंद्रन ने कहा, शादी की संस्था न केवल सामाजिक-आर्थिक अधिकारों का प्रवेश द्वार है, बल्कि अपने माता-पिता के परिवारों से सामाजिक सुरक्षा भी है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने मामले के विचाराधीन होने के कारण नाम न छापने का अनुरोध करते हुए आईएएनएस को बताया कि समलैंगिक जोड़ों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए उच्च न्यायालय में याचिकाएं आ रही हैं, जिनका दावा है कि उन्हें उनके परिवारों द्वारा धमकी दी गई थीं। अधिकांश मामलों में उच्च न्यायालय पुलिस को आदेश दे रहा है कि वह खतरे की धारणा पर उनकी दलीलों का फैसला करें। उन्होंने कहा, लेकिन समलैंगिक विवाह के मुद्दे पर बहुत विचार-विमर्श की जरूरत है। अदालत को तब तक कोई फैसला नहीं देना चाहिए जब तक लोग और विशेषज्ञ इसमें शामिल न हों। पिछले महीने उच्च न्यायालय ने चंडीगढ़ पुलिस को जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा की मांग करने वाली दो महिलाओं की याचिका पर विचार करने का निर्देश दिया था, क्योंकि उनके परिवारों ने उनके समलैंगिक विवाह को मंजूरी नहीं दी थी।

याचिकाकर्ताओं के वकील ने याचिका में कहा कि दोनों अच्छी तरह से शिक्षित हैं और लिव-इन रिलेशनशिप में एक साथ रह रहे हैं। उन्होंने विवाह को औपचारिक रूप नहीं दिया है, क्योंकि समलैंगिक विवाह को वैध नहीं किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए, जो विशेष रूप से प्रावधान करता है कि कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा किसी भी व्यक्ति को उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जाएगा, न्यायमूर्ति गुरविंदर सिंह गिल ने कहा कि राज्य अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकता है।

महाराष्ट्र भाजपा को सताने लगा है जाति जनगणना का भूत

एजेंसी। मुंबई

जाति आधारित जनगणना की मांग एक बार फिर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार को परेशान करने लगी है। आम चुनावों में बमुश्किल एक साल रह गए हैं और इसलिए वह इस संवेदनशील मुद्दे पर फूंक-फूंककर कदम रख रही है। सर्वप्रथम ब्रिटिश सरकार द्वारा 1871-72 में संपूर्ण जनसंख्या के लिए और बाद में समय-समय पर की जाने वाली इंपीरियल जनगणना में हमेशा जाति-धर्म पर आधारित सामान्य प्रश्नों को शामिल किया गया है। हालांकि, पहली हल्की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) 1881 में अंग्रेजों द्वारा की गई थी - 140 साल पहले। इसके बाद 1931 में इसी तरह की जनगणना हुई थी। भारत ने 2011 में एक एसईसीसी का आयोजन किया था, लेकिन इसका उद्देश्य मुख्यतः गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) रहने वाले लोगों की संख्या का पता लगाने और उस समूह के लिए लक्षित कल्याणकारी उपायों या योजनाओं को डिजाइन करना था। हालांकि उसके आंकड़े आज तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने दिसंबर 2021 में जाति आधारित जनगणना का मुद्दा उठाया और जल्द ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और शिवसेना (उद्धव गुट) ने भी सुर में सुर मिला दिया। पटोले ने हाल ही में कहा, जाति जनगणना का फैसला सर्वसम्मति से (महाविकास अघाड़ी द्वारा) लिया गया था, लेकिन उसके बाद नई सरकार इसके प्रति अनिच्छुक है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंधे ने कहा कि राज्य सरकार ने उस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया है और अब उस पर कोई प्रगति नहीं हो रही है।

जाति जनगणना: बिहार पर लगी हैं सबकी निगाहें

एजेंसी। पटना

बिहार में जाति आधारित जनगणना का दूसरा चरण शुरू होने के साथ ही राज्य के लोग इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं का विश्लेषण करने लगे हैं। 'बुद्धिजीवी समुदाय' का मानना है कि इसमें कुछ खामियां हैं जैसे अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में उप-जातियां, दलित और मुस्लिम समुदायों को गिना जाएगा, लेकिन इसमें उच्च जातियों की उप-जातियों की गणना करने का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे में राज्य सरकार की इस कवायद ने उच्च जातियों के मन में राज्य सरकार की मंशा पर संदेह पैदा किया है। पटना के निजी शिक्षक अशोक कुमार ने आईएएनएस से कहा, राज्य सरकार इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि ऊंची जाति के विधायक, एमएलसी और सांसद बिहार में अपनी जाति की वकालत नहीं कर सकते। उनका मानना है कि अगर वे ऊंची जाति के लोगों के हित में बात करते हैं, निचली जातियों का उनका वोट बैंक उनसे फिसल सकता है और वे चुनाव हार सकते हैं। कुमार ने कहा, दो से तीन उच्च जाति के विधायक और सांसद राजद, भाजपा, जद-यू, कांग्रेस, हम और अन्य में हैं, लेकिन वे अपनी जातियों के हितों के लिए मुखर नहीं हैं।

उत्तरी कमान के प्रमुख ने कहा

पुंछ हमले के साजिशकर्ताओं को भुगतने होंगे परिणाम

एजेंसी। जम्मू

भारतीय सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (जीओसी-एन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को भरोसा दिलाया कि पुंछ आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं को जल्द ही नतीजे भुगतने होंगे। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी रविवार को उधमपुर के कमांड अस्पताल में पुंछ आतंकी हमले में जीवित बचे लोगों से मिलने पहुंचे। 20 अप्रैल को हुए इस हमले में 5 सैनिक शहीद हुए थे। हमले में बचे लोगों से बातचीत के दौरान, जीओसी ने आश्वासन दिया कि आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नीतीश-ममता की अहम मुलाकात 25 को

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके बिहार समकक्ष नीतीश कुमार के बीच 25 अप्रैल को एक अहम बैठक होने की संभावना है। तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि नीतीश कुमार मंगलवार सुबह कोलकाता आने वाले हैं और उसी शाम दक्षिण कोलकाता में ममता बनर्जी के साथ उनके कालीघाट स्थित आवास पर मुलाकात की पूरी संभावना है।

पश्चिम बंगाल कैबिनेट के एक सदस्य ने कहा कि बैठक में 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी एकता पर बात होगी। पिछले कुछ महीनों में, ममता बनर्जी ने 2024 के चुनाव में भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता के मुद्दे पर कई गैर-भाजपा और गैर-

कांग्रेसी नेताओं के साथ कई बैठकें की हैं। पिछले महीने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कालीघाट में उनसे मुलाकात की थी। बैठक में, दोनों नेताओं ने कांग्रेस से दूरी बनाए रखने और 2024 के चुनावों में भाजपा के खिलाफ क्षेत्रीय ताकतों की एकता पर फोकस करने पर सहमति व्यक्त की। अखिलेश से मिलने के तुरंत बाद, ममता बनर्जी ओडिशा गईं और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ बैठक की। इसके बाद जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने बनर्जी से मुलाकात की थी। पिछले हफ्ते उन्होंने तमिलनाडु में अपने समकक्ष एम.के. स्टालिन और देश में विपक्ष शासित राज्य में राज्यपालों की भूमिका के खिलाफ विपक्षी ताकतों की एकता पर चर्चा की।

FILMY हलचल

मनोज बाजपेयी ने अपने जन्मदिन पर की 'बंदा' के प्रीमियर की घोषणा

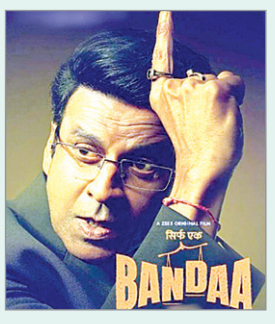

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी ने अपने जन्मदिन के मौके पर फैंस को खुशखबरी दी। उन्होंने बताया कि वह जल्द ही फिल्म 'बंदा' में दिखाई देंगे, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म एक कोर्टरूम ड्रामा है, जो सीधे ओटीटी पर आएगी और इसमें मनोज एक प्रतिष्ठित वकील की भूमिका निभाएंगे, जिन्होंने सच्चाई और न्याय के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ अकेले दम पर लड़ाई लड़ी। फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की ने कहा: 'बंदा' में सब कुछ है - एक मजबूत कहानी, मनोज बाजपेयी जैसे शांत और मुखर अभिनेता और एक जबरदस्त सहायक कलाकार। फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगी।

'खतरों के खिलाड़ी' में शिव ठाकरे बने सबसे महंगे कंटेस्टेंट

'बिग बॉस 16' खत्म होते ही शिव के पास नए प्रोजेक्ट्स के लिए ऑफर्स की कतार लग गई है। रोहित शेट्टी ने उन्हें 'खतरों के खिलाड़ी' शो ऑफर किया और जल्द ही वह 'खतरों के खिलाड़ी' के अपकमिंग एपिसोड में नजर आएंगे। अब यह सामने आ गया है कि इस शो के लिए उन्हें कितनी राशि मिलेगी। उल्लेखनीय है कि शिव ठाकरे 'खतरों के खिलाड़ी' के आगामी सीजन के लिए कमर कसते नजर आ रहे हैं। कुछ दिनों पहले दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था, उन्हें आग से नहीं बल्कि पानी से डर लगता है क्योंकि उन्हें तैरना नहीं आता। इसलिए, फिलहाल वह स्विमिंग की प्रैक्टिस कर रहे हैं।

दो टूक सम्राट चौधरी ने कहा था कि नीतीश की राजनीति को मिट्टी में मिला देंगे

बुद्धि ही नहीं है, जो करना है कर दो : नीतीश

एजेंसी। पटना

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के 'मिट्टी में मिला देंगे' वाले बयान पर मुख्यमंत्री ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उनको कहिए न कि करा दीजिए। कौन रोक रहा है? यह सब जो लोग बोलता है। उसका कोई मतलब है क्या? हम कभी इस तरह से बोलते हैं? जो इस तरह के शब्दों का प्रयोग करता है तो समझ लीजिए कि उसे बुद्धि नहीं है। जो मन करे, वह कर लें। जहां करना है, कर दो। जो इच्छा है कर दो। आजकल जो लोग हैं, उन लोगों को बुद्धि बिल्कुल भी नहीं है। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के हम लोग बड़े प्रशंसक रहे हैं। कितना हम प्रशंसा करते हैं और ये लोग ऐसा बयान देते हैं।

कुछ लोग हैं जो सब कुछ को बदल देना चाहते हैं

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समय आने पर सब बता देंगे। जब हम सबलोगों से मिल लेंगे तो आपलोगों को सबकुछ बता देंगे। अभी इस तरह के सवाल का कोई मतलब नहीं है। हम तो ज्यादा-से-ज्यादा विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगे हैं। अपने लिए कुछ नहीं चाहते हैं। हमारी कोई व्यक्तिगत इच्छा नहीं है। हम तो पूरे देश के लिए सोच रहे हैं। कुछ लोग पूरे देश के इतिहास को बदलने के चक्कर में हैं। इतनी बड़ी आजादी की लड़ाई लड़ी गई, उसे नई पीढ़ी को जानना चाहिए लेकिन कुछ लोग सबकुछ बदल देना चाहते हैं। जब सबलोग मिलकर रहेंगे तो देश सुरक्षित रहेगा।

बाबू वीर कुंवर सिंह का देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है

दरअसल, सीएम नीतीश कुमार वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क में आयोजित राजकीय समारोह में शामिल हुए थे। इस समारोह में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कहा कि वीर कुंवर सिंह जी का यह कार्यक्रम हर साल आयोजित किया ने जाता है। आज यहां भी लोगों ने हमें बुलाया था। इनलोगों ने बाबू वीर कुंवर सिंह जी की मूर्ति स्थापित की है, यह बड़ी खुशी की बात है। बाबू वीर कुंवर सिंह का देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है, यह सभी लोगों को मालूम है। दरअसल, शनिवार को भामाशाह की जयंति पर आयोजित कार्यक्रम में सम्राट चौधरी पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि हमारे नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमिटमेंट किया था कि नीतीश कुमार जी को ही मुख्यमंत्री बनाना है। इसलिए कार्यकताओं ने काफी मेहनत की लेकिन इसके बावजूद नीतीश कुमार जी भाग गए। अब जब वह भाग ही गए तो हमलोग तो उनको राजनीतिक तौर पर नीतीश कुमार मिट्टी में मिलाने का काम करेंगे। 2024 और 25 में हमलोगों को पूरी तरह कमिटमेंट करना होगा कि जिस तरह से यूपी में अपराधी, आतंकवादी और उग्रवादी मिट्टी में मिलाने का काम किया जा रहा है उसी तरह बिहार में राजनीतिक तौर पर नीतीश कुमार जी को मिट्टी में मिलाने का काम किया जाएगा।

दूसरे दिन फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' की कमाई में आया उछाल

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म "किसी का भाई किसी की जान" की रिलीज का आज तीसरा दिन है। फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी चर्चा है। फिल्म को रिलीज के पहले दिन अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला। सभी को उम्मीद थी कि फिल्म रिलीज के दिन अच्छी कमाई करेगी। हालांकि पहले दिन के कलेक्शन के आंकड़े कम थे, लेकिन दूसरे दिन फिल्म के बॉक्स ऑफिस क्लेक्शन में बड़ा उछाल देखने को मिला है। ऐसे में फैंस की उम्मीदें बढ़ा गई हैं। किसी का भाई किसी की जान फिल्म ने दूसरे दिन अच्छी कमाई की है। वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, "किसी का भाई किसी की जान" ने रिलीज के दूसरे दिन यानी ईद पर 25 करोड़ का कलेक्शन किया है। सलमान खान की इस फिल्म को ईद के मौके पर फैंस ने खूब प्यार दिया है। फिल्म ने दो दिनों में करीब 40 करोड़ कमा लिए हैं।